हिन्दी दैनिक

# प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 02.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 188 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

## आम बजट 2026-27

# विकसित भारत का 'रोडमैप'

एजेंसी

**नई दिल्ली :** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए इसे विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि माघ पूर्णिमा और संत गुरु रविदास जयंती जैसे पावन अवसर पर प्रस्तुत यह बजट देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊपर उठाने, आत्मनिर्भरता को मजबूत करने और भारत को वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर ले जाने का रोडमैप है। वित्त मंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों में वैश्विक अनिश्चितताओं, महामारी और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत ने आर्थिक स्थिरता बनाए रखी है। संरचनात्मक सुधारों, बुनियादी ढांचे में निवेश और लक्षित कल्याण योजनाओं के कारण भारत लगभग 7 प्रतिशत की विकास दर के साथ दुनिया की तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है। निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में व्यापार और बहुपक्षीय सहयोग दबाव में हैं। नई तकनीकें उत्पादन प्रणालियों को तेजी से बदल रही हैं। इसके बावजूद भारत विकसित भारत की दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा और वैश्विक बाजार से गहराई से जुड़ा रहेगा। उन्होंने इसे युवा शक्ति से प्रेरित बजट बताते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों, अनुसूचित जाति-जनजाति, महिलाओं, युवाओं और गरीबों तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

**बायो फार्मा शक्ति : हेल्थ सेक्टर में क्रांति**

बजट 2026-27 का एक प्रमुख स्तंभ बायो फार्मा शक्ति मिशन है। सरकार ने अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ निवेश का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत : 3 नए राष्ट्रीय बायो फार्मा संस्थान स्थापित होंगे। 7 मौजूदा संस्थानों को अपग्रेड किया जाएगा। सेंट्रल ड्रग कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन को सशक्त बनाया जाएगा

किफायती दवाओं और रिसर्च पर फोकस रहेगा। सरकार का लक्ष्य भारत को वैश्विक बायो-फार्मा हब के रूप में स्थापित करना है, जिससे हेल्थकेयर सेक्टर में रोजगार और निवेश दोनों बढ़ेंगे।

**सेमीकंडक्टर मिशन : तकनीकी आत्मनिर्भरता**

इलेक्ट्रॉनिक्स और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर मिशन को और मजबूत किया गया है। उद्योग आधारित प्रशिक्षण केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम में लक्ष्य से दोगुनी उपलब्धि, 40,000 करोड़ के अतिरिक्त निवेश का प्रस्ताव। यह कदम भारत को टेक्नोलॉजी सप्लाई चेन में मजबूत स्थान दिलाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

**रेयर अर्थ कॉरिडोर : आयात निर्भरता घटाने की रणनीति**

ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में रेयर अर्थ कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। इससे खनन, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी।

आर्थिक विकास के लिए 7 प्रमुख पहल

सरकार ने आर्थिक रफ्तार तेज करने के लिए सात क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया है:

रणनीतिक और अग्रणी क्षेत्रों में विनिर्माण

विरासत औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प

चैंपियन एमएसएमई का निर्माण

इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत प्रोत्साहन

दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा

शहरी आर्थिक क्षेत्रों का विकास

स्थायित्व और पर्यावरण संतुलन

जल मार्ग, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट।

अगले 5 वर्षों में 20 नए जल मार्ग वाराणसी और पटना में जहाज मरम्मत सुविधा। समुद्री विमान के लिए VGF योजना, इससे लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी और व्यापार को गति मिलेगी।

मेडिकल टूरिज्म और स्वास्थ्य ढांचा

सरकार ने मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए : 5 क्षेत्रीय मेडिकल हब

हेल्थकेयर कॉम्प्लेक्स, आयुष केंद्र, डायग्नोस्टिक और रीहैब सेंटर, कैंसर और शुगर से जुड़ी 17 दवाइयां सस्ती करने का ऐलान। यह कदम भारत को वैश्विक हेल्थ डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में अहम है। शिक्षा, रोजगार और AI बजट में शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता को जोड़ने पर जोर दिया गया है। सेवा क्षेत्र को विकसित भारत का कोर ड्राइवर माना गया। AI और नई तकनीकों के प्रभाव का आकलन करने के लिए उच्च स्तरीय समिति, आयुष, पर्यटन और खेल, 3 नए अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी, 20 पर्यटन स्थलों पर 10,000 गाइड्स का स्किल डेवलपमेंट

धोलावीरा जैसे 15 पुरातात्विक स्थल विकसित होंगे।

**खेलो इंडिया मिशनः अगले 10 वर्षों की दीर्घकालिक योजना**

टैक्स और आम करदाता 31 मार्च तक कम शुल्क में संशोधित ITR 31 जुलाई तक रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि

शिक्षा और मेडिकल पर TCS 5% से घटाकर 2% इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं। केंद्रीय बजट 2026-27 को सरकार ने विकास, सुधार और आत्मनिर्भरता का संतुलित दस्तावेज बताया है। बायो-फार्मा, सेमीकंडक्टर, हेल्थ, पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़े निवेश के साथ यह बजट भारत को दीर्घकालिक रूप से वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

## बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दशार्ता है और विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है और भारत के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखता है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार बजट प्रस्तुत किए जाने को नारी शक्ति का सशक्त उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है और 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में मजबूत आधार तैयार करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आज जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, इस बजट से उसे नई रफ्तार मिलेगी। पाथ ब्रेकिंग रिफॉर्म्स देश के साहसी, प्रतिभाशाली और आकांक्षाओं से भरे युवाओं को आगे बढ़ने के लिए खुला आसमान देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सिर्फ सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं है बल्कि वह जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहता है। 140 करोड़ नागरिकों का संकल्प है कि भारत जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बने।

## बजट से किसानों, गरीबों और राज्यों के लिए कोई राहत नहीं : कांग्रेस

**नई दिल्ली :** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय बजट 2026-27 को बिना नीति एवं दृष्टि वाला करार देते हुए निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के पास अब कोई नया विचार नहीं बचा है और यह बजट देश की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का कोई समाधान नहीं देता। खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि मिशन मोड अब ह्यचैलेंज रूटह्ण बन गया है और रिफॉर्म एक्सप्रेस शायद ही कभी किसी रिफॉर्म जंक्शन पर रुकती है। नतीजा यह है कि सरकार के पास न कोई नीति दृष्टि है और न ही राजनीतिक इच्छाशक्ति। किसान अभी भी सार्थक कल्याणकारी सहायता या आय सुरक्षा योजना का इंतजार कर रहे हैं, असमानता ब्रिटिश राज के समय के स्तर को पार कर गई है, लेकिन बजट में इसका जिक्र तक नहीं है। उन्होंने कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई राहत नहीं दी गई है। उन्होंने वित्त आयोग की सिफारिशों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसा नहीं लगता कि वे गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही राज्य सरकारों को कोई राहत मिलेगी। यह देश के संघवाद पर आघात है। खरगे ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र के लिए कोई पुनरुद्धार रणनीति नहीं है, रोजगार और महिलाओं की कार्यबल भागीदारी बढ़ाने के लिए कोई गंभीर योजना नहीं है, निर्यात और व्यापार घाटे पर कोई ठोस जवाब नहीं है, महंगाई से गरीब और मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं मिली है।

## केंद्रीय बजट 2026-27

**▶ टैक्स (कर)**
* इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं
* नौकरी-पेशा और पेंशनधारकों पर कोई नया टैक्स बोझ नहीं
* नया सरल इनकम टैक्स कानून 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा

**▶ सड़क, रेल और इंफ्रास्ट्रक्चर**

सरकार 12 लाख करोड़ से ज्यादा सड़क, रेलवे और शहरों के विकास पर खर्च करेगी

छोटे शहरों में भी विकास और नौकरी के मौके बढ़ेंगे

नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा

▶ किसान और ग्रामीण भारत
* खेती के लिए 1.6 लाख करोड़ से अधिक का बजट
* फसल विविधीकरण, मत्स्य पालन और सिंचाई पर जोर
* किसानों की आमदनी बढ़ाने के प्रयास

**▶ छोटे व्यापारी और MSME**
* छोटे उद्योगों के लिए 10,000 करोड़ का विशेष फंड
* लोन और व्यापार बढ़ाने में मदद
* स्टार्ट-अप और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन

**▶ शिक्षा, युवा और तकनीक**
* एआई सेमीकंडक्टर और डिजिटल टेक्नोलॉजी पर निवेश
* युवाओं के लिए स्किल ट्रेनिंग और रोजगार योजनाएँ
* छोटे शहरों में शिक्षा संस्थानों का विस्तार

**▶ स्वास्थ्य और महिलाएँ**
* हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल स्टाफ पर खर्च
* महिलाओं और लड़कियों के लिए हॉस्टल और शिक्षा योजनाएँ
* ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएँ

**▶ सरकार का खर्च और कर्ज**
* सरकार खर्च और कर्ज दोनों पर नियंत्रण रखेगी
* आर्थिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश

## बजट 2026 का सीधा असर : इलाज सस्ता यात्रा आसान, लेकिन तंबाकू-शराब महंगे

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश कर दिया है। यह उनका लगातार नौवां बजट है और इसमें आम लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी से जुड़ी कई अहम घोषणाएँ की गई हैं। सरकार ने एक ओर इलाज, स्वच्छ ऊर्जा और कुछ घरेलू सामानों को सस्ता करने की कोशिश की है, वहीं दूसरी ओर राजस्व संतुलन के लिए कुछ चीजों पर टैक्स बढ़ाया है। सरकार ने विदेश घूमने वालों को बड़ी राहत दी है। अब इंटरनेशनल टूर पैकेज पर लगने वाला TCS (टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया गया है। पहले यह 5 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक लगता था। साथ ही अब किसी न्यूनतम खर्च सीमा की शर्त भी नहीं रहेगी। इसका मतलब है कि विदेश यात्रा की कुल लागत पहले के मुकाबले कम पड़ेगी। बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को खास प्राथमिकता दी गई है। कैंसर से जुड़ी 17 महत्वपूर्ण दवाइयों को सस्ता करने की घोषणा की गई है। इसके अलावा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाइयों की कीमत भी कम की जाएगी। डायबिटीज (शुगर) की कुछ जरूरी दवाओं को भी सस्ती श्रेणी में लाया गया है। कुछ घरेलू और उपयोगी वस्तुओं पर भी राहत दी गई है। माइक्रोवेव, बैटरी और सोलर एनर्जी से जुड़े उपकरण सस्ते होंगे। जूतों की कीमतों में भी कमी आने की संभावना है। कुरियर सेवा सस्ती करने का ऐलान किया गया है, जिससे छोटे व्यवसायों और ऑनलाइन व्यापार को फायदा मिलेगा। टैबलेट और उससे जुड़े कुछ इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स भी सस्ते किए गए हैं। सरकार ने कुछ क्षेत्रों में टैक्स बढ़ाया है, जिससे उनकी कीमतें बढ़ सकती हैं। शराब पर टैक्स बढ़ाया गया है, जिससे कीमतों में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है। सिगरेट, पान मसाला और अन्य तंबाकू उत्पाद भी महंगे होंगे। कुछ खनिज पदार्थों पर ड्यूटी बढ़ाई गई है। ऑप्शन ट्रेडिंग से जुड़े लेनदेन पर भी टैक्स बढ़ाया गया है, जिससे शेयर बाजार में डेरिवेटिव ट्रेडिंग महंगी हो सकती है। स्क्रैप मटेरियल भी महंगा होगा।

## आम बजट से सीमांत किसान निराश, झारखंड की अनदेखी : शिल्पी नेहा तिर्की

**रांची :** झारखंड की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने आम बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे बड़ा पैकेट, शून्य धमाका करार दिया। उन्होंने कहा कि यह बजट झारखंड जैसे राज्यों के सीमांत किसानों और पिछड़े राज्यों के लिए पूरी तरह निराशाजनक है। मंत्री तिर्की ने कहा कि इस बजट में किसानों के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है और न ही केंद्र सरकार का कोई स्पष्ट विजन दिखाई देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर 'पिक एंड चूज' पॉलिसी के तहत तैयार किया गया है, जिसमें चुनिंदा राज्यों को बड़े पैकेज दिए गए हैं, जबकि झारखंड सहित अन्य कई राज्यों को नजरअंदाज किया गया है। मंत्री ने कहा कि झारखंड में कृषि, ग्रामीण विकास और सीमांत किसानों के कल्याण के लिए बजट में पर्याप्त निवेश की आवश्यकता है, ताकि किसान उत्पादन बढ़ा सकें और ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिल सके। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि राज्यों के बीच वितरित संसाधनों में न्यायपूर्ण और समावेशी नीति अपनाई जाए, ताकि झारखंड जैसे पिछड़े राज्यों के विकास में कोई कमी न रह जाए। शिल्पी नेहा तिर्की ने बताया कि सीमांत किसानों की समस्याओं को देखते हुए बजट में बीज, उर्वरक, सिंचाई, फसल बीमा और ऋण सहायता जैसी योजनाओं के लिए पर्याप्त प्रावधान होना चाहिए था, लेकिन आम बजट में यह नजरअंदाज किया गया है। उनका कहना था कि सरकार की यह नीतिगत चूक सीधे झारखंड के कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर डालेगी।

## जनता को निराश करने वाला बजट : राहुल गांधी

**नई दिल्ली :** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में आज पेश हुए संघीय बजट की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट आ रही है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत में भारी कमी आ रही है। किसान संकट में हैं और वैश्विक संकटों की आशंकाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह एक ऐसा बजट है जो सुधार करने से इनकार करता है और भारत के वास्तविक संकटों से अनभिज्ञ है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बजट पेश होने के बाद इसकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश की वास्तविक समस्याओं को नजरअंदाज करने वाला है। इसमें युवाओं, किसानों और अर्थव्यवस्था के प्रमुख मुद्दों के लिए कोई बात नहीं की गई है। राहुल गांधी ने कहा कि देश में बेरोजगारी दर हाल के वर्षों में बढ़ी है। खासकर 15 से 29 वर्ष तक के युवाओं को काम नहीं मिल रहा है। उनमें बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत रही है। लेकिन बजट में उनके रोजगार सृजन के लिए कोई घोषणा नहीं की गई है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार से इस क्षेत्र को ऊपर उठाने के लिए ठोस घोषणा की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया गया है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कुछ ऐलान किए गए हैं लेकिन यह नाकाफी हैं। राहुल गांधी ने कहा कि बाजारों में अस्थिरता है। घबराहट में निवेशक अपनी पूंजी निकाल रहे हैं। इससे वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका भी बढ़ रही है। इसके बावजूद सरकार की ओर से इस बारे में बजट में कोई प्रावधान नहीं दिख रहा है।

# असम के आदिवासी समाज के सुख- दुःख में झारखंड सदैव खड़ा रहेगा : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रविवार को असम के तिनसुकिया जिला में ऑल आदिवासी स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ आसाम द्वारा आयोजित 21वीं आदिवासी महासभा-2026 को संबोधित करते हुए कहा कि यहां आप सभी आदिवासी समुदाय के लोग जो लगभग डेढ़ सौ वर्षों से यहां रह रहे हैं उनसे रू-ब-रू होने का आज मुझे मौका मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के वैसे सभी आदिवासी-मूलवासी समुदाय के जनमानस जो असम में रह कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं उनकी तकलीफों, उनपर हो रहे अत्याचारों और व्यथा को सुनने के लिए हम आज यहां आए हैं। हम लोग झारखंड से आए हैं, कहीं न कहीं आप सभी का जुड़ाव भी झारखंड से बहुत पुराना रहा है। झारखंड एक ऐसा प्रदेश है जब देश के लोग आजादी का सपना भी नहीं देखे थे, उस समय आजादी की लड़ाई हमारे पूर्वज अंग्रेजों के साथ लड़ रहे थे। देश की आजादी में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, तिलका मांझी सहित झारखंड के अनगिनत वीर सपूतों

का अहम योगदान रहा है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे वीर सपूतों ने पीढ़ियों को बचाने, जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए अपना बलिदान दिया है। आदिवासी समाज के लोगों ने ही अंग्रेजों से सबसे पहले लोहा लेने का काम किया था।आखिर किस कारण से आज देश के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी समाज के लोग अपने हक-अधिकार की लड़ाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़ा वैसे वर्ग है जो समाज के सबसे कमजोर एवं नीचे पायदान में रहने वाले लोग हैं। ऐसी क्या परिस्थिति आ गई जो यहां के आदिवासी-मूलवासी अलग-थलग होकर बिखरने को मजबूर हुए हैं। कई जगहों पर आदिवासी समुदाय के लोग हाशिए पर रहकर अपना जीवन जी रहे हैं। इन विषयों पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। मौके पर मुख्यमंत्री ने असम के कद्दावर आदिवासी नेता स्व० प्रदीप नाग एवं प्रसिद्ध गायक स्व० जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि देश आजाद हुए 75 साल हो गए हैं। देश में कई नीतियां-कानून बने। देश के संविधान से हमें रक्षा कवच मिला उसके बावजूद आज हम कहां खड़े हैं। आज हमारा समाज कितना संघर्ष कर रहा है यह बहुत बेहतर तरीके से आप सभी लोग जानते हैं। आज सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक रूप से आदिवासी समुदाय कमजोर है और इसी कमजोरी का फायदा बड़े एवं सामंती विचारधारा वाले लोग बहुत चालाकी से उठाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी आज हमारे बीच नहीं हैं, जब उन्होंने अलग राज्य की परिकल्पना की तो कुछ लोग मजाक उड़ाते थे कि आदिवासी लोग अलग राज्य बनाएंगे। आज सच्चाई पूरे देश के सामने हैं। वर्ष 2000 में अलग झारखंड राज्य झारखंड बना। यह बात सही है कि उस समय क्या नारा लगता था, कैसे लेंगे झारखंड, लड़के लेंगे झारखंड। उस समय न मोबाइल, न गाड़ी, न मोटर उसके बावजूद झारखंड के लोग जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए चीटियों की तरह एकजुट हो जाते थे। राज्य अलग हुआ लेकिन इसका फायदा आदिवासी समुदाय को नहीं मिला। हम लोगों को तो राज्य लेना था, हमारे अग्रणी नेताओं ने सोचा कि राज्य अलग होगा तो यहां के आदिवासियों-मूलवासियों का विकास होगा। झारखंड राज्य अलग होने के बाद बौद्धिक रूप से मजबूत लोगों ने 15 वर्ष से ज्यादा समय तक झारखंड को पीछे धकेलने का काम किया, नतीजा यह हुआ कि राशन कार्ड लेकर लोग भात-भात-कहते हुए भूख से मरने को विवश हुए, फिर हमने प्रखंड-प्रखंड, गांव-गांव, टोला-टोला पहुंचकर लोगों को जागरूक करने का काम किया फिर लोगों ने हमें राज्य की बागडोर संभालने का मौका दिया। राज्य का बागडोर संभालते ही हमने 5 साल के भीतर स्थिति को बदलने की कोशिश की और हमें सफलता भी मिली। वैसे गरीब, पीड़ित, शोषित, आदिवासी-मूलवासी समुदाय के लोग जो कभी जिला ऑफिस, प्रखंड कार्यालय नहीं देखे थे, बीडीओ, सीओ, डीसी, एसपी को नहीं जानते थे उनतक हमने राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का काम किया है।

# पलामू में ट्रिपल मर्डर से हड़कंप अंधविश्वास में तीन लोगों की हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पलामू :** झारखंड में पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के कुसड़ी गांव में रविवार तड़के करीब 4 बजे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की टांगी से हत्या कर दी गई, जबकि हमले में एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल 15 वर्षीय ममता कुमारी को प्राथमिक इलाज के बाद मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय विजय भुइंया, उनकी पत्नी 40 वर्षीय हेमंती देवी और पुत्र 25 वर्षीय छोटू कुमार के रूप में हुई है। मृतकों पर हमला उनके ही पड़ोसी और सगे भाई रविंद्र भुइयां और प्रमोद भुइयां ने किया। दोनों आरोपित घटना के बाद से फरार हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह करीब तीन बजे आरोपित रविंद्र और प्रमोद के पिता 65 वर्षीय महेशी भुइयां का निधन हुआ। आरोप है कि उनकी मृत्यु को भूत-प्रेत से हुई मौत मानते हुए दोनों भाइयों ने पड़ोसी विजय भुइंया और उसके परिवार पर हमला कर दिया। पहले विजय भुइंया को ओझा या जादू-टोना करने वाला मानकर टांगी से मारा गया, उसके बाद उसकी पत्नी और पुत्र को भी मौत के घाट उतार दिया गया। हमले में ममता कुमारी गंभीर रूप से घायल हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से दोनों परिवारों में ओझा और जादू-टोना को लेकर विवाद चल रहा था। महेशी भुइयां पिछले कई दिनों से बीमार थे और उनके परिवार का आरोप था कि विजय भुइंया ने उन पर भूत लगा दिया था। गांव में कई बार समझौते हुए, लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। इधर, घटना के करीब चार घंटे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। हालांकि, सुबह करीब 9 बजे पांकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

## एक नजर

### आर्ट और कला-प्रेमी प्राचार्य को भावभीनी विदाई

**बरही :** विद्यालय प्रांगण में रविवार को कला-प्रशंसक एवं आर्ट के प्रति विशेष रुचि रखने वाले प्राचार्य आशुतोष कुमार मैढ़ के सम्मान में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने भावनात्मक वातावरण में उन्हें विदा किया। समारोह की शुरूआत स्वागत गीत एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत चित्रकला प्रदर्शनी, नृत्य एवं संगीत कार्यक्रमों ने प्राचार्य महोदय के कला-प्रेम को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि उनके कार्यकाल में विद्यालय में कला, सृजनशीलता और सौंदर्यबोध को विशेष प्रोत्साहन मिला। अपने विदाई संबोधन में प्राचार्य महोदय ने सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कला व्यक्ति को संवेदनशील, अनुशासित और रचनात्मक बनाती है। समारोह का समापन स्मृति-चिह्न एवं उपहार भेंट कर तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ किया गया। विद्यालय की बागडोर नर्सिंह शर्मा को सौपा गया।

### पीएम श्री मध्य विद्यालय में विदाई सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

**बड़कागांव :** बड़कागांव स्थित पीएम श्री मध्य विद्यालय में सेवानिवृत शिक्षक मुनेश कुमार राम की विदाई एवं नकुल महतो का पदस्थापन शिबाडीह में होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्रधानाध्यापक अशोक कुमार एवं संचालन शिक्षिका नीलू कुमारी ने किया। मुख्य अतिथि मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने कहा कि शिक्षक मुनेश कुमार राम ने बच्चों के प्रतिभा को निखारा । इसके लिए स्कूल प्रबंधन याद रखेंगा। विशिष्ट अतिथि पंसस रितेश ठाकुर ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होते हैं। बल्कि शिक्षक आजीवन ज्ञान देने का काम करते हैं। डॉक्टर बालेश्वर महतो ने कहा कि मुनेश राम का सकारात्मक शैक्षणिक कार्य रहा है। प्रधानाध्यापक अशोक कुमार एवं अन्य वक्ताओं ने कहा कि मुनेश राम 2002 ई से लेकर अब तक विद्यार्थियों की प्रतिभा को गढ़ने का काम किया है। वक्ताओं के संबोधन के पश्चात सेवानिवृत शिक्षक मुनेश कुमार राम व उनकी पत्नी मीना कुमारी एवं नकुल कुमार महतो को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

# आत्मनिर्भरता, बुनियादी ढांचा और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित बजट : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026झ27 के केंद्रीय बजट को ऐतिहासिक, दूरदर्शी और देश के समग्र विकास की दिशा में मजबूत आधार बताया। विधायक ने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करने वाला है।

**बुनियादी ढांचे और तकनीकी क्षेत्र को मिली नई गति**

विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि बुनियादी ढांचे के लिए पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ किया जाना देश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। उन्होंने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के तहत 40,000 करोड़ और फार्मा क्षेत्र के लिए बायोफार्मा शक्ति योजना में 10,000 करोड़ के प्रावधान को भारत को वैश्विक तकनीकी शक्ति बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। साथ ही ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में दुर्लभ मृदा गलियारों की स्थापना से देश की औद्योगिक आत्मनिर्भरता और भी मजबूत होगी।

**महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य क्षेत्र को मिला विशेष फोकस**

विधायक ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला स्टार्टअप्स और कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देकर इस बजट ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का ठोस रोडमैप प्रस्तुत किया है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में नए मेडिकल कॉलेज, आधुनिक अस्पताल, डिजिटल हेल्थ सिस्टम और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को आम जनता के लिए बड़ी राहत बताया।

**MSME और युवाओं के लिए नए अवसर**

विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि टरटए और विनिर्माण क्षेत्र के लिए 10,000 करोड़ का रटए फंड तथा कंटेनर निर्माण के लिए विशेष प्रोत्साहन से छोटे उद्योगों को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

## देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाला बजट : मनोज यादव

**बरही :** बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज है। इसमें गांव, गरीब, किसान और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस प्रावधान किए गए है। बुनियादी ढांचे में भारी निवेश से स्थानीय स्तर पर रोजगार के लाखों नए अवसर पैदा होंगे। यह बजट केवल वर्तमान की जरूरतों को ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्जवल भविष्य को भी सुरक्षित करता है।

## राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पडिरमा में तीन शिक्षकों का भावभीनी विदाई समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बरही :** बरही प्रखंड अंतर्गत बसरिया पंचायत स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पडिरमा में शनिवार को तीन सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्यालय परिवार के साथ-साथ ग्रामीणों ने भी उपस्थित होकर शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों में सुनीता कुमारी, खेमाली साहू एवं सुखदेव प्रसाद यादव शामिल हैं। इस अवसर पर तीनों शिक्षकों को अंगवस्त्र एवं फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार सुनीता कुमारी वर्ष 2023, खेमाली साहू वर्ष 2021 तथा सुखदेव प्रसाद यादव वर्ष 2026 जनवरी में सेवानिवृत्त हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सुनील कुमार यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पंसस प्रतिनिधि कामेश्वर रविदास एवं सहायक अध्यापक संघ के अध्यक्ष संजय दुबे उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं। उनके द्वारा दी गई शिक्षा और संस्कार विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा देते हैं। सेवानिवृत्ति के उपरांत भी शिक्षक समाज के लिए प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक बने रहते हैं। वही विद्यालय के प्रधानाचार्य दसरथ कुमार ने सेवानिवृत्त शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इनके द्वारा दी गई सेवाएं विद्यालय के लिए अमूल्य हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।

## विकसित भारत के संकल्प को नई ऊंचाई देगा बजट 2026 : मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि यह बजट 'विकसित भारत' के विराट विजन को धरातल पर उतारने वाला एक सशक्त रोडमैप है। उन्होंने इस बजट को देश के आर्थिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया जो केवल वार्षिक आय-व्यय का विवरण मात्र नहीं है, बल्कि समावेशी और आत्मनिर्भर विकास की ओर बढ़ता एक साहसिक कदम है। सांसद मनीष जायसवाल ने बजट में वित्तीय अनुशासन के साथ-साथ सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये करने की सराहना की और कहा कि यह निवेश बुनियादी ढांचे, रोजगार सृजन और दीर्घकालिक आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से रेखांकित किया कि सड़क, रेल, मेट्रो और बंदरगाहों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के विस्तार के साथ-साथ इन्फ्रास्ट्रक्कर रिस्क गारंटी फंड जैसी पहल से कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स की दक्षता में अभूतपूर्व सुधार होगा। औद्योगिक क्षेत्र में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 और एमएसएमई के लिए 10,000 करोड़ रुपये के ग्रोथ फंड की घोषणा छोटे उद्यमियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगी। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह बजट लघु एवं सीमांत किसानों, ग्रामीण उद्योगों और हस्तशिल्प क्षेत्रों को मजबूती देकर गांवों में समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में 'बायोफार्मा शक्ति' जैसी पहल और शिक्षा व कौशल विकास पर केंद्रित योजनाएं भारत की युवा शक्ति को नवाचार और स्टार्टअप के माध्यम से नई उड़ान देंगी। सांसद मनीष जायसवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट विकास, निवेश और रोजगार के बीच एक आदर्श संतुलन स्थापित करते हुए भारत को दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने में निर्णायक सिद्ध होगा।

## बरही की जनता ने गौतस्करी पर रोक के लिए गृह मंत्रालय और पशुपालन मंत्रालय को लिखा आवेदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बरही :** बरही जीटी रोड से गौ तस्करी बेरोकटोक जारी है। प्रत्येक दिन सैकड़ों गो वंशिय पशुओं को लोड़कर बंगाल भेजा जाता है। बिहार झारखंड बोर्डर से इस गोरखधंधों के लिए मानो प्रशासनिक छूट दिया गया हो। क्योंकि गौ तस्करी रुक नहीं रही है। प्रशासनिक उदासीनता को देखते हुए बरही की जनता ने गौतस्करी पर पूर्ण विराम लगाने के लिए कमर कस ली है। इस बाबत बरही की गौ रक्षा प्रमुख इंद्रदेव गुप्ता ने बरही की जनता का हस्ताक्षरित आवेदन के माध्यम से भारतीय गृह मंत्रालय, पशुपालन मंत्रालय, झारखंड के राज्यपाल, पुलिस महानिदेशक उपायुक्त हजारीबाग, पुलिस अधीक्षक हजारीबाग, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला के सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक सहित जिले के सभी सांसद, विधायक से जीटीरोड एवं अन्य मार्ग से हो रही गौतस्करी पर रोक लगाने की मांग की है।अपने आवेदन के द्वारा जनता ने मांग किया कि झारखंड में झारखंड गौवंशीय हत्या प्रतिषेध अधिनियम, भारतीय पशु क्रूरता अधिनियम, भारतीय यातायात अधिनियम और माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित मापदंड का अक्षरशः पालन कराने हेतु मांग किया है। जनता ने अपने आवेदन के द्वारा जन आंदोलन करने की भी बात की है जिसका नेतृत्व आनेवाले समय में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल करेगा। अपने अभियान के अगले चरण में जनता पुनः पीएमओ, एच एम ओ एवं अन्य विभागों को अपनी मांग पत्र सौंपेगी और आंदोलन को बरकरार रखेगी। आवेदन देने वालों में विश्व हिंदू परिषद के जिला गौरक्षा प्रमुख इन्द्रदेव प्रसाद गुप्ता, मिथलेश श्रीवास्तव, अरुण साव, जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर कुमार , महादेव यादव ,दिलीप केशरी, बसंत राणा सहित सैकड़ों गौप्रेमी शामिल हैं।

## यूजीसी कानून के विरोध में सवर्ण समाज की व्यापक बैठक, 6 फरवरी को ज्ञापन सौंपने का निर्णय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चौपारण :** प्रखंड के चतरा मोड़ स्थित होटल शेलिब्रेशन में सवर्ण समाज की एक महत्वपूर्ण और व्यापक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया बिनोद सिंह ने की, जबकि संचालन अरविंद कुमार सिंह ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य यूजीसी कानून के विरोध में आगे की रणनीति तय करना और समाज की साझा चिंताओं पर विचार-विमर्श करना रहा। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि यह आंदोलन किसी भी समाज, जाति या धर्म के विरुद्ध नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनका उद्देश्य समाज में बढ़ते विभाजन को रोकना और आपसी सौहार्द व सामाजिक एकता को बनाए रखना है। वक्ताओं का कहना था कि वर्तमान कानून के कारण समाज में वैमनस्य और अविश्वास की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जो दीर्घकाल में सामाजिक ताने-बाने के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। ऐसे में समय रहते इसमें सुधार आवश्यक है, ताकि समाज को टूटने से बचाया जा सके। बैठक में यह चिंता भी प्रमुखता से उठाई गई कि यूजीसी कानून के कारण सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। छात्रों को आशंका है कि इसके तहत ईर्ष्यापूर्ण और भेदभावपूर्ण कार्रवाई की जा सकती है, जिसका सीधा असर उनके शैक्षणिक भविष्य पर पड़ेगा। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि शिक्षा का वातावरण भयमुक्त, निष्पक्ष और समान अवसरों पर आधारित होना चाहिए, ताकि हर छात्र बिना दबाव के अपनी प्रतिभा का विकास कर सके। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 6 फरवरी को सवर्ण समाज का एक प्रतिनिधिमंडल शांतिपूर्ण तरीके से प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराएगा।

# बरही में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई संत शिरोमणि रैदास की 649वीं जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बरही :** अंबेडकर नगर बाराटांड़ के तत्वावधान में संत शिरोमणि रैदास की 649वीं जयंती रविवार को बरही-हजारीबाग रोड स्थित बस स्टैंड परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव उपस्थित रहे। उनके साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, भाजपा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक सहित कई जनप्रतिनिधि मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं संत शिरोमणि रैदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने संत रैदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा विधायक मनोज कुमार यादव को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि संत शिरोमणि रैदास ने अपने विचारों और कर्मों से समाज में समानता, प्रेम और भाईचारे की मजबूत नींव रखी। उन्होंने जाति, ऊंच-नीच और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाकर मानवता को सर्वोपरि बताया। विधायक ने कहा कि वर्तमान समय में संत रैदास के आदर्शों को अपनाकर ही समाज में एकता, समरसता और सामाजिक न्याय को सुदृढ़ किया जा सकता है।

## संत रैदास जी एक समाज के नहीं, बल्कि समस्त मानव जगत के आदर्श हैं : मो क्युम

**बरही :** बरही प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में संत रैदास उर्फ रविदास की जंयती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर लोगों ने संत रविदास की पूजा अर्चना की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस कार्यक्रम कई समाजिक, राजनीतिक एवं बुद्धि जीवी वर्ग शामिल हुए। इस अवसर पर पूर्व ज़िप प्रतिनिधि सह अल्पसंख्यक कल्याण समिति अध्यक्ष मो क्युम अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए। उन्होंने मलकोको, बरसोत, करियातपुर सहित कई क्षेत्रों में शामिल हुए। जहां लोगों ने उनका स्वागत किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संत रविदास एक समाज के नहीं, बल्कि समस्त मानव जगत के आदर्श थे और रहेंगे।

## बड़कागांव में धूमधाम से मनाई गई रविदास जयंती

**बड़कागांव :** बड़कागांव प्रखंड में रविदास जयंती काफी धूमधाम के साथ मनाई गई। बड़कागांव मध्य पंचायत स्थित अंबेडकर मोहल्ला में रविदास जयंती पूजा समिति के अध्यक्ष रामवृक्ष राम नेतृत्व में रविदास जयंती मनाई गई। वहीं रविदास महासभा प्रखंड अध्यक्ष असेश्वर राम नेअन्य रविदास महासभा के प्रखंड पदाधिकारीओं गांव का दौरा कर कार्यक्रम में शामिल हुए एवं रविदास जी की तस्वीर पर माल्यर्पण कर पूजा अर्चना किया। वहीं बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने अपने कार्यकताओं के साथ तमाम रविदास जयंती मना रहे गांव का भ्रमण किया तथा रविदास जी की पूजा अर्चना की। विधायक ने कहा कि रविदास जी

## संक्षिप्त खबरें

### संतों की शिक्षाएं समाज को जोड़ती हैं : अब्दुल सलाम

**चौपारण :** डेबो पंचायत अंतर्गत ग्राम रेम्बो करमा में संत शिरोमणि जयंती समारोह का आयोजन भक्ति, सम्मान और सामाजिक समरसता के माहौल में किया गया। कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र राणा एवं जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष अब्दुल सलाम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समारोह स्थल पर पहुंचने पर ग्रामीणों ने दोनों नेताओं को माला पहनाकर स्वागत किया। जयंती कार्यक्रम के दौरान संत शिरोमणि के विचारों और उनके समाजहितकारी संदेशों को याद किया गया। इस अवसर पर जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष अब्दुल सलाम ने कहा कि संतों की शिक्षाएं आज भी समाज को जोड़ने का कार्य करती हैं। कार्यक्रम के माध्यम से आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मौके पर द्ववारीका राम, बीरेंद्र दस, संजय रविदास, भागीरथ राम, दिनेश दास, कैलाश, मंटू, नकुल, पिंटू, मुकेश, मनोज, सूरज, कारू, नारायण, उपेंद्र दास, अर्जुन, शंकर, अनिल, सुनील, मनोज रोहित सहित सैकड़ो ग्रामीण शामिल थे।

### उत्कृष्ट लेखनी के लिए झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा ने बड़कागांव के पत्रकार नरेश कुमार को किया सम्मानित

**बड़कागांव:** विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किए जाने वाले वैश्य समाज के 16 लोग झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा द्वारा सम्मानित किए गए। यह सम्मान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शहादत दिवस पर भुरकुंडा स्थित उत्सव मैरिज हॉल के महात्मा गांधी सभागार में आयोजित वैश्य सद्भावना सम्मेलन में की गई। इसी कड़ी में बड़कागांव प्रखंड के पत्रकार नरेश कुमार को उत्कृष्ट लेखनी के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में सभी 16 उत्कृष्टों को माला पहनाकर, अंग वस्त्र एवं मेमोंटो देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में पत्रकार नरेश कुमार, संजय कुमार साहू, दीपक प्रसाद, वीरेंद्र कुमार के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से समाजसेवी गजाधर साहू, अभियंता निशांत प्रसाद, पूर्व मुखिया पुरन राम साहू, रघुवीर केसरी, वाचल गुप्ता, दीपक जायसवाल, बिट्टू कुमार, आनंद मोदी, रितेश साव, मिथुन कुमार, विवेक प्रसाद आदि शामिल थें। इस संबंध में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने कहा कि पत्रकार नरेश कुमार को मैं लगभग 26 वर्षों से पत्रकार के रूप में चिर परिचित हूं। इनकी लेखनी प्रभावी, प्रहार एवं प्रेरणादायक होती है। वर्तमान समय में लोग फेक खबर पर विशेष ध्यान देते हैं बावजूद इनकी हर खबर सत्यता पर आधारित होती है। हर क्षेत्र एवं वर्गों के लिए बिना भेद भाव एवं बिना पक्षपात की इनकी लेखनी समानता रहती है। किसी भी कार्यक्रम का हर पहलू पर इनकी नजर के साथ लखनी रहती है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में लोग पत्रकारों को सिर्फ प्रेस विज्ञप्ति देकर अपने मन मुताबिक खबर निकालने की प्रवृत्ति बढ़ गई है बावजूद श्री कुमार द्वारा विज्ञप्ति को पत्रकारिता की भाषा में प्रस्तुत करने की कला विद्यमान है।

### बरही पुलिस ने 150 किलो जावा महुआ किया विनष्ट

**बरही :** बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरियाकरमा पंचायत के बीचकीला गांव में बीते दिन बरही पुलिस ने अवैध देशी महुआ शराब निर्माण के खिलाफ छापेमारी कर करीब 150 किलो जावा महुआ को नष्ट कर दिया, यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। इस संबंध में थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य इलाके में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर लगाम लगाना था।

### सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल के 10वीं और 12वीं के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित

**बरही :** शिशु ज्ञान समिति द्वारा संचालित सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल रसोईया धमना स्कूल में सत्र 2025-26 के कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कक्षा दसवीं और बारहवीं के छात्राएं पारंपरिक परिधान साड़ी व छात्र सूट में अत्यंत आकर्षक लग रहे थे। सभी छात्रगण उत्साह, उमंग, ऊर्जा व जोश के साथ इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। छात्रों के लिए यह पल अपनी चीर स्मृतियों मे संजोने वाला था। विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। कक्षा नौवीं के छात्रों ने अपने अथक परिश्रम से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें विभिन्न आकर्षक कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण होता रहा। कक्षा नौवीं के छात्रों के द्वारा सुंदर नृत्य की प्रस्तुति ने सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन कक्षा नौवीं की सोनल कुमारी ने कुशलता पूर्वक किया। साथ ही कुछ शिक्षकों के गीत की प्रस्तुति ने समारोह को संगीतमय बना दिया। विद्यालय के प्राचार्य नितेश कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय से प्राप्त ज्ञान ,संस्कार और अनुशासन ही जीवन में सफलता का आधार बनते हैं। उन्होंने विद्यार्थी को आत्मविश्वास, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक टुकलाल साव ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दिए और उन्हें विद्यालय के गरिमा बनाए रखते हुए देश व समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनने का संदेश दिया।

## एक नजर

### झारखंड के तापमान में तीन से चार डिग्री वृद्धि की संभावना

रांची : झारखंड में ठंड का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है और आने वाले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने रविवार को दी। अभिषेक आनंद ने बताया कि इस माह राज्य भर में मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। फिलहाल राज्य के कई जिलों में दिन के समय आंशिक बादल छाए रहेंगे। दिन में हल्की गर्मी का एहसास होगा, जबकि सुबह और शाम में लोगों को ठंड महसूस होगी। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 29.8 डिग्री सेल्सियस, जबकि सबसे कम तापमान गुमला में 8.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर में हल्की गर्मी महसूस की गई, जबकि सुबह और शाम में ठंड का एहसास हुआ। रांची में रविवार को अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम 28.8 और न्यूनतम 14.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 28.4 न्यूनतम 9.9 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 28.1 और न्यूनतम 12.2 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और न्यूनतम 12.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

### निराशाजनक रहा बजट, आम जनता को नहीं मिली राहत : निरजन शर्मा

रांची : प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के वरीय अधिकारी निरंजन शर्मा ने कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को लेकर आम जनता, मध्यम वर्ग, किसान और युवाओं में निराशा देखी जा रही है। जिस उम्मीद के साथ लोगों ने इस बजट की ओर नजरें टिकाई थीं, वह पूरी तरह से टूटती नजर आई। महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ती रोजमर्रा की जरूरतों के बीच आम आदमी को राहत देने के लिए बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया। बजट में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण को लेकर कोई स्पष्ट नीति सामने नहीं आई। मध्यम वर्ग को आयकर में छूट की उम्मीद थी, लेकिन टैक्स स्लैब में कोई बड़ा बदलाव न होने से वे स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। वहीं सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए भी कोई विशेष घोषणा नहीं की गई। किसानों को लेकर भी बजट निराशाजनक साबित हुआ। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य, सिंचाई और कृषि लागत कम करने के लिए कोई ठोस रोडमैप नहीं दिखा।

### रिकार्ड चार माह से हेडलेस ऊर्जा विभाग का 160 करोड़ का एफडी गायब

रांची : कार्य विभागों में ऊर्जा विभाग की अलग अहमियत है। बिजली व्यवस्था चरमराई तो किसी भी समय किसी भी राज्य में अंधेरा छा सकता है। लेकिन झारखंड के ऊर्जा विभाग में पिछले चार माह से शीर्ष पद पर अंधेरा है। ऊर्जा विभाग में सचिव नहीं हैं। झारखंड ऊर्जा विकास निगम के सीएमडी का पद रिक्त है। झारखंड बिजली वितरण निगम के एमडी का पद रिक्त है। लेकिन इतने महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति नहीं हो रही है। परिणाम यह है कि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक नहीं हो पा रही है। बिजली के क्षेत्र में सुधार या किसी बड़े आधारभूत संरचना निर्माण को लेकर निर्णय नहीं लिए जा रहे हैं। यहां मालूम हो कि 30 सितंबर 2025 को अविनाश कुमार को राज्य का मुख्य सचिव बनाया गया था। इसके अलावा उन्हें मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव की भी अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी थी।

# गांवों के विकास के बिना झारखंड का विकास अधूरा : शिल्पी नेहा तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गांवों के सर्वांगीण विकास के बिना राज्य का विकास अधूरा है। अब पेसा कानून के तहत गांवों को सशक्त बनाने के लिए हेमंत सरकार ने नियमावली लागू की है, जिससे राज्य में धरातल स्तर पर विकास कार्यों को गति मिलेगी। झारखंड की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की ने रविवार को ये बातें कही। मंत्री रविवार को मांडर प्रखंड में विधायक योजना मद से संचालित विभिन्न जन उपयोगी विकास योजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर गड़मी गांव में जन उपयोगी अवसंरचना का सौंदर्यीकरण, चबूतरा एवं शेड निर्माण, मुस्लिम समुदायों के कब्रिस्तान में जनाजा शेड निर्माण, लोयो नीचे टोली में मकतब निर्माण तथा उचरी गांव में पीसीसी पथ निर्माण का विधिवत शिलान्यास किया गया। संबोधन में नेहा शिल्पी तिर्की ने कहा कि प्रत्येक योजना की अपनी उपयोगिता और महत्व है। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। योजनाओं का निर्धारण जाति, धर्म या वर्ग के आधार पर नहीं, बल्कि जनता की वास्तविक जरूरतों के अनुसार किया जाता है। मंत्री ने कहा कि गड़मी गांव में चबूतरा और शेड निर्माण से सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, प्रयागो गांव में कब्रिस्तान शेड निर्माण से धार्मिक एवं मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, लोयो नीचे टोली में मकतब निर्माण से बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा, और उचरी गांव में पीसीसी पथ निर्माण से आवागमन सुगम होगा, जिससे किसानों और ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए और कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखी जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिलान्यास कार्यक्रम में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव, विधानसभा युवा अध्यक्ष हुसैन अंसारी, युवा अध्यक्ष आजाद अंसारी, पंचायत अध्यक्ष जाहिद अंसारी, विधायक प्रतिनिधि शुक्का उरांव, जमील अंसारी, भोलू अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

## बजट 2026 विकसित भारत की ओर निर्णायक कदम : अमरप्रीत सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने इस बजट को देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए मील का पत्थर बताया। अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि बजट में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, पांच क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र, हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, विश्वविद्यालय टाउनशिप तथा प्रत्येक जिले में बालिकाओं के लिए छात्रावास की घोषणा कर स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे को नई मजबूती दी गई है। उन्होंने बताया कि एम एस एम ई सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा ठोस प्रावधान किए गए हैं, जिससे छोटे एवं मध्यम उद्यमों को पूंजी, तरलता और विकास के नए अवसर मिलेंगे तथा रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि बजट 2026 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर, समृद्ध और समावेशी भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला है। यह बजट स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और नवाचार के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला सिद्ध होगा और झारखंड सहित पूरे देश को दीर्घकालीन लाभ प्रदान करेगा।

## जुआ और ब्राउन शुगर मामले में बड़ी कार्रवाई एसएसपी ने 5 पुलिसकर्मियों को किया निलंबित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने जुआ और प्रतिबंधित नशीले पदार्थ ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार में संलिप्तता के आरोपित पांच पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को निलंबित कर दिया है। इन पर जुए के खेल को संरक्षण देने और ब्राउन शुगर की बिक्री के एवज में पैसे लेने के गंभीर आरोप हैं। एसएसपी के आदेश पर निलंबित किए गए सभी जवान टाइगर मोबाइल और पीसीआर वैन में तैनात थे। निलंबन के साथ ही इनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं। निलंबित कर्मियों में अरगोड़ा थाना में पदस्थापित एएसआई जयकांत यादव, आरक्षी सयूब अंसारी (टाइगर मोबाइल), आरक्षी दिलीप कुमार (पीसीआर-7), चालक आरक्षी निरंजन कुमार (पीसीआर-5) और आरक्षी मो. आरिफ आलम (पीसीआर-1) शामिल हैं। दरअसल, हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हुए थे। एक वीडियो में पुलिसकर्मी जुआ खेलाने के बदले कथित तौर पर पैसे लेते नजर आए, जबकि दूसरे वीडियो में एक महिला ने टाइगर मोबाइल के जवानों पर ब्राउन शुगर की बिक्री के संरक्षण के बदले पैसे मांगने का आरोप लगाया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने तत्काल संज्ञान लिया और जांच कराई। प्रारंभिक जांच में आरोपों को गंभीर पाते हुए संबंधित पांचों पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## फ्लाइट ऑफ फैंटेसी : झारखंड-ओडिशा के 70 बच्चों को पहली बार मिलेगा हवाई यात्रा का अनुभव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राउंडटेबल इंडिया एरिया-16 (झारखंड-ओडिशा) की ओर से आयोजित फ्लाइट ऑफ फैंटेसी कार्यक्रम के तहत ग्रामीण और जरूरतमंद बच्चों के सपनों को नई उड़ान मिलने जा रही है। इस पहल के अंतर्गत झारखंड और ओडिशा के कुल 70 बच्चों को पहली बार हवाई यात्रा का अनुभव कराया जाएगा। रांची में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउंडटेबल इंडिया के अध्यक्ष आकाश खोसला, विक्रांत छाबड़ा, अर्पित जैन एवं मीडिया प्रभारी पौरुष जैन ने संयुक्त रूप से इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा सोमवार, 02 फरवरी 2026 को प्रारंभ होगी, जब सभी बच्चे रांची हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दिल्ली पहुंचने के बाद बच्चों को राष्ट्रपति भवन और संसद भवन का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। इससे उन्हें देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रशासनिक प्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा। मीडिया प्रभारी पौरुष जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के पुत्र ऐश्वर सेठ का विशेष सहयोग रहा है। दिल्ली प्रवास के दौरान रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बच्चों को अपने आवास पर दोपहर भोज के लिए आमंत्रित किया है। यात्रा के दौरान बच्चों के आवास और भोजन की व्यवस्था एक स्टार होटल में की गई है, ताकि वे सुरक्षित और आरामदायक वातावरण में इस अनुभव का आनंद ले सकें। इस यात्रा में रांची के हटिया स्थित हजाम बस्ती के पारसनाथ पब्लिक स्कूल के बच्चों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी रांची समारिटन राउंडटेबल 244, रांची यूटोपियन राउंडटेबल 284 एवं रांची एंकरेज राउंडटेबल 160 द्वारा संयुक्त रूप से निभाई जा रही है। राउंडटेबल इंडिया का मूल उद्देश्य फ्रीडम थ्रू एजुकेशन है, जिसके तहत संस्था शिक्षा के माध्यम से देशभर में सामाजिक बदलाव की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। बच्चों को हवाई अड्डा से रवाना करने के अवसर पर पूर्व सांसद महेश पोद्दार, आयकर आयुक्त निशा उरांव सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

### बजट में ना तो नौकरी दी गई और ना ही रोजगार के अवसर : राजु महतो

सिल्ली : सिल्ली झामुमो छात्र नेता सह झारखंड छात्र मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजु महतो ने बजट को पूरी तरह से निराशजनक बताया। राजू महतो ने कहा की इस बजट में ना तो नौकरी दी गई है और ना ही रोजगार के अवसर। यह बजट गरीबों और गांवों में रहने वालों की समझ से परे है । इस बजट में झारखंड राज्य को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। जबकी राज्य की खनिज संपदा देश की अर्थव्यवस्था में महत्पूर्ण योगदान देती है।झारखंड को लेकर जो उम्मीद थी वह कहीं नहीं दिखी। यह बजट केवल गुमराह करने वाला है।

# केंद्रीय बजट सर्वसमावेशी, विकासोन्मुख और रोजगारोन्मुख है : आदित्य साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में रविवार को आर्थिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बजट परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की उपस्थिति में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लगातार नौवीं बार प्रस्तुत केंद्रीय बजट भाषण को सुना गया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह सर्वसमावेशी, विकासोन्मुख और रोजगारोन्मुख बजट है। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, किसान और महिला केंद्रित है, जो देश के विकास की संभावनाओं के अनेक मार्ग प्रशस्त करता है। रेल, सड़क, स्वास्थ्य तथा लघु एवं कुटीर उद्योग जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने वाला यह बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक अहम कदम है। आदित्य साहू ने कहा कि यह बजट नए संकल्पों, नए सुधारों और कर्तव्यों को सुनिश्चित करने वाला है। प्रदेश कार्यालय में बजट भाषण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यह विकसित भारत बनाने वाला बजट है। यह बजट महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने की दिशा में अग्रसर है और इसमें रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि यह बजट एक भारतश्रेष्ठ भारत की अवधारणा को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद सहित कई प्रदेश पदाधिकारियों ने भी बजट की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जे.पी. शर्मा ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका, कार्यालय मंत्री हेमंत दास, मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, अशोक बड़ाइक, प्रवक्ता प्रतुल शाह देव, राफिया नाज, सोशल मीडिया प्रभारी राहुल अवस्थी, सह प्रभारी रजनीश पांडेय, आर्थिक प्रकोष्ठ के संयोजक सीए जे.पी. शर्मा सहित विभिन्न संस्थानों से जुड़े चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, प्राध्यापक, अधिवक्ता एवं चिकित्सक उपस्थित थे।

## संक्षिप्त खबरें

### मजबूत इरादों के साथ हर कर्तव्य को पूरा करने वाला है बजट : संजय सेठ

रांची : रांची के सांसद एवं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने केंद्रीय बजट को वायदों का नहीं, बल्कि कर्तव्य और मजबूत इरादों का बजट बताते हुए कहा कि यह बजट देश की जनता के प्रति सरकार के प्रत्येक दायित्व को पूरा करने का संकल्प दशार्ता है। बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संजय सेठ ने रविवार को कहा कि इसमें हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर नागरिक को सशक्त बनाने का स्पष्ट दृष्टिकोण है। यह केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रोत्साहन और सहयोग देने वाला विजन प्रस्तुत करता है, जो नागरिकों को हर कदम पर आगे बढ़ने में सहायता करेगा। रक्षा राज्य मंत्री ने रांची में निमहंस-2 की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान राष्ट्रीय स्तर का मनोचिकित्सा केंद्र होगा, जहां आधुनिक उपचार एवं शोध की व्यापक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में रांची को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की सौगात मिलना झारखंडवासियों के लिए गौरव का विषय है। संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री विरासत और विकास को साथ लेकर आगे बढ़ने का मार्गदर्शन देते हैं, जिसकी स्पष्ट झलक इस बजट में देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यह बजट विनिर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे तक, स्वास्थ्य से लेकर पर्यटन तक, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर एआई तक, खेल से लेकर तीर्थों तक-हर क्षेत्र को समाहित करते हुए विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करता है। यह बजट गांव, कस्बे और शहर के युवाओं, महिलाओं और किसानों के सपनों को नई ऊर्जा देने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट में गांव से शहर तक, राजमार्ग से समुद्र तक, शिक्षा से स्वास्थ्य तक सभी क्षेत्रों का संतुलित समन्वय किया गया है। यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को एक मजबूत आधार प्रदान करता है। रक्षा बजट को 7.85 लाख करोड़ रुपये किए जाने पर संजय सेठ ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे देश का रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता की दिशा में और मजबूत होगा। साथ ही सीमा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा सुदृढ़ होगा और भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण को भी बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब खेल क्षेत्र को बजट में विशेष प्राथमिकता दी गई है। खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और आजीविका के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत अगले दशक में खेल क्षेत्र को रूपांतरित करने के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव सराहनीय है। संजय सेठ ने इस बजट को युवा शक्ति को समर्पित बजट बताते हुए कहा कि इसमें शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के माध्यम से देश की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने का स्पष्ट लक्ष्य रखा गया है। अंत में उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास और हर नागरिक के प्रति कर्तव्य को केंद्र में रखकर यह बजट तैयार किया गया है। इस समावेशी बजट के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं पूरी केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

### बुद्धा पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

सिल्ली : सिल्ली हर साल की तरह इस साल भी बुद्धा ब्लिक पब्लिक स्कूल सिल्ली में तीन दिवसीय वार्षिक 2026 खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया नर्सरी से लेकर कक्षा 10वीं तक के सभी विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। इन तीन दिनों में जूनियर और सीनियर विद्यार्थियों के लिए कई प्रतियोगिताएं का आयोजित किया गया , जिसमें 100 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 1600 मीटर दौड़, जलेबी दौड़, बिस्किट दौड़, बोरी दौड़, कंचे की दौड़, सुई-धागे की दौड़, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, 1600 मीटर तेज साइकिल दौड़, धीमी साइकिल दौड़, फुटबॉल मैच, क्रिकेट मैच, भाला फेंक, कबड्डी मैच। जितने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में स्कूल के डायरेक्टर रणधीर कौशिक प्रिंसिपल भी सुधीर राव, टीचर गोविंद सिंह, नकुल बारिक,अंजलि साहू,समिता कुमारी,प्रिया दुबे,राहुल भद्रा,नकुल,सुषमा सिंह, लानेश्वर,महादेव , बिपुल रॉय, आदि का योगदान रहा ।

### टाटीसिलवे में गौ माता सुरक्षा यात्रा निकाला गया

रांची : गौ माता सेवा संस्कार केंद्र टाटी सिलवे के तत्वधान में गौ सुरक्षा यात्रा निकाल गया। जिसका शुभ आरंभ हरातु शिव मंदिर से किया गया यह यात्रा हरातु शिव मंदिर से होते हुए उषा मार्टिन हनुमान मंदिर बैंक मोड़ दुर्गा मंदिर टाटी सिलवे रेलवे स्टेशन से हरातु ग्राम शिव मंदिर पहुंचा। इस गौ माता सुरक्षा यात्रा में हरातु गांव के बच्चे एवं इसका संचालन अखिल पाठक राकेश कुमार सिंह मंदिर के पुजारी मधुसूदन पांडे इस यात्रा को सफल बनाने में अमित कुमार महतो ग्राम के सरपंच अरविंद लोहार रामदास महतो, पुनीत गोयल दुर्गा मंदिर के पुजारी विमलेश मिश्रा , अनिल कुमार के अलावा कोमल कुमारी महतो अनुष्का महतो साक्षी महतो अंकित महतो उज्जवल महतो अंकिता कुमारी प्रियंका कुमारी हेमंत महतो निर्मल महतो धीरज कुमार महतो कुंदन महतो सुधांशु महतो सुधांशु ठाकुर कई एक बच्चों ने अपना योगदान दिया दुर्गा मंदिर पर बच्चों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी हाथों में तख्ती बैनर सुशोभित थी बच्चों द्वारा नारा लगाया जा रहा था गौ हत्या बंद हो, गौ तस्करी बंद हो ,गौ सेवा राष्ट्र की सेवा इत्यादि नारों के साथ बच्चों ने भ्रमण किया।

### आम बजट में झारखंड के साथ भेदभाव : शशि भूषण राय

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि भूषण राय ने केंद्र सरकार के बजट 2026-27 पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के लिए कोई नया दृष्टिकोण नहीं रखता और न ही इसमें अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का कोई समाधान है। बजट में युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है, जिससे देश के युवाओं का भविष्य खतरे में है। राय ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार यूड्डपीड्डए के समय की योजनाओं का नाम बदलकर और उनकी वास्तविकता को छुपाकर जनता को गुमराह कर रही है, जिसका भविष्य में बहुत बुरा परिणाम होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार आम लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है, और केंद्र सरकार को लोगों की भावनाओं को समझना चाहिए और उनके लिए काम करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार रांची के एचड्डईड्डसी को विशेष पैकेज दे,जिससे क्षेत्र के उद्यमों को विशेष सहायता मिल सके। राय ने कहा कि बीजेपी के सांसदों ने झारखंड का उचित हिस्सा दिलाने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, जिससे राज्य को भारी नुकसान हुआ है।

## एक नजर

### महाराणा प्रताप चौक पर विश्वकर्मा जी की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर यज्ञ हेतू किया गया झंडा रोपण

**कोडरमा :** जिले के झुमरी तिलैया स्थित महाराणा प्रताप चौक पर विश्वकर्मा जी ,गणेश जी, हनुमान जी की प्रतिष्ठा को लेकर जोरों शोरों से तैयारियां जारी है। वहीं इन सब के बीच रविवार को यज्ञ हेतू झंडा रोपण किया गया, जिसमें मुख्य रूप से आचार्य बरुण पाण्डेय ने विधि वत पूजन करवा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बता दें कि 6 फरवरी को भव्य जलयात्रा निकाली जाएंगी, जिसको लेकर अभी से ही लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है, वहीं उसी दिन सायंकाल में कथा का भी आयोजन किया गया है। जबकि 8 फरवरी को विश्वकर्मा जी समेत अन्य देवताओं की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किया जाना है। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कोडरमा लोकसभा की सांसद अन्नपूर्णा देवी व विधायक डॉक्टर नीरा यादव, पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता समेत कई अन्य शासन प्रशासन की बड़ी हस्तियां शिरकत करने वाले हैं जबकि 8 फरवरी रविवार को शाम में सभी भक्तों के लिए भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

### श्योर सक्सेस में दसवीं के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

**खूंटी :** मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में रविवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दसवीं की छात्राओं ने दीप प्रज्वलन कर किया। आठवीं और नौवीं के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रमों से समा बांध दिया। वहीं, सीनियर छात्राओं ने अपने अनुभवों को भी बयां किया। इस दौरान कई रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गये। संस्थान के निदेशक सकलदीप भगत ने छात्र-छात्राओं को शुभकामना देते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्राएं मेहनत और ईमानदारी के साथ अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर अग्रसर रहे। आपने जो कुछ संस्थान से सीखा है, अपने जीवन में उसे अवश्य चरितार्थ करें। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है आप तनावमुक्त एवं एकाग्र होकर परीक्षा की तैयारी करें।

उन्होंने कहा कि परीक्षा भविष्य निर्माण का मार्ग प्रशस्त करती है जिससे आपको सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। अनुशासन के लिये बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर का अवार्ड आर्यन कुमार को दिया। स्वाति, हर्ष , प्रीति एवं जिया ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया एवं छात्र-छात्राओं को अनुशासन में रहने की अपील की तथा आगामी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन को लेकर विद्यार्थियों को शुभकामना दी। कार्यक्रम का संचालन शिल्पा ने किया । मौके पर सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

# बजट से विकसित भारत का सपना पूरा होगा : डॉ नीरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**कोडरमा :** रविवार को पेश हुए केंद्रीय बजट को लेकर कोडरमा विधायक और झारखंड की पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने कहा कि इस बजट से विकसित भारत का सपना पूरा होगा। उन्होंने कहा कि देश का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की उदाहरण निर्मला सीतारमण जैसी वित्त मंत्री मिली हैं, जिन्होंने आज अपना 9वां बजट पेश किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी और वित्तमंत्री श्रीमती सीतारमन को धन्यवाद देते हुए कहा कि देश की मोदी सरकार लगातार जनहित में बड़े फैसले ले रही है। अब प्रधानमंत्री का रिफॉर्म एक्सप्रेस विकसित भारत की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने बजट को देश के विकास और सुधारों को गति देने वाला बताया। कहा कि इस बजट में 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर निर्माण के प्रावधान किए गए हैं। वहीं अगले 5 साल में बायोफार्मा सेक्टर में 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने का एलान किया गया। वहीं नॉलेज, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के जरिए हेल्थ एडवांसमेंट पर जोर दिया गया है, यह बायोफार्मा स्ट्रेटेजी हेल्थकेयर में भारत के डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूत करेगी। इसके साथ ही मेगा टैक्सटाइल पार्क, नेशनल फाइबर स्कीम, मैन मेड फाइबर, एडवांस्ड फाइबर, नेशनल हैंडलूम पॉलिसी से कारीगरों को प्रोत्साहन और मदद मिलेगी। उन्होंने देश मे 3 नए आयुर्वेदिक एम्स की घोषणा के साथ ही 5 साल में बायोफार्मा में 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश, दुर्लभ खनिज के लिए कॉरिडोर बनाने की घोषणा, कैंसर, डायबिटीज की दवाइयां सस्ती करने के उपायों की प्रशंसा करते हुए इस बजट को आम लोगों के हित वाला बजट बताया। साथ ही कहा कि भारत युवाओं का देश है, इस साल के बजट में युवा शक्ति और रोजगार सृजन पर फोकस किया गया है जो समृद्ध भारत की राह आसान करेगा।

### मोदी सरकार के बजट पर कांग्रेस का हमला, महिला और जनविरोधी बताया प्रकाश रजक

**कोडरमा :** केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए वर्ष 2026 के आम बजट को लेकर विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया है। कोडरमा कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक ने इस बजट को महिला विरोधी और जनविरोधी करार दिया है। प्रकाश रजक ने अपने बयान में कहा कि यह बजट आम जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतरता है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण जैसे अहम मुद्दों पर सरकार ने बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार का यह बजट सिर्फ बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाला है। इसमें न तो महिलाओं के लिए कोई नई योजना है और न ही गरीब, किसान, मजदूर के लिए इस बजट में किसानों और मनरेगा मजदूरों को अभी अन्देखी किया गया यह पूरा तरह से अबतक देश का सबसे फेलियोर बजट है।

### उम्मीद जगाने वाला नहीं निराशा देने वाला है बजट : विधायक

सिमडेगा : केंद्रीय बजट पेश होने के बाद कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह बजट कागजों में चमकदार, लेकिन जमीनी हकीकत में बेरंग है। उन्होंने कहा कि आम लोगों की वास्तविक समस्याओं पर सरकार ने कोई गंभीर पहल नहीं की। भूषण बाड़ा ने कहा कि घरेलू शिक्षा-व्यवस्था, कोचिंग, हॉस्टल फीस और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं पर बजट पूरी तरह मौन है। दवा थोड़ी सस्ती होगी लेकिन इलाज अब भी महंगा है। अस्पताल, डॉक्टर, जांच इन सब पर सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। विधायक ने कहा कि रोजगार, महंगाई और कृषि संकट जैसे बड़े मुद्दों को बजट में जानबूझकर दरकिनार कर दिया गया। किसान महंगे बीज-खाद और बढ़ती लागत से परेशान हैं। उनकी आय बढ़ाने या एमएसपी की गारंटी का कहीं जिक्र नहीं है। मनरेगा के लिए भी कोई बड़ा प्रावधान नहीं किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि खेलों के नाम पर घोषणाएं हुई हैं लेकिन ग्रामीण और जिले स्तर के खिलाड़ियों तक सुविधाएं पहुंचाने के लिए कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं दिया गया।

## केंद्रीय बजट विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला: मधु कोड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पश्चिमी सिंहभूम :** पश्चिमी सिंहभूम जिला में केंद्रीय बजट 2026-27 पर रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने इसे विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, आत्मनिर्भरता को सशक्त करने और भारत को वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की दिशा में आगे ले जाने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। मधु कोड़ा ने कहा कि बजट में देश के प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल खोलने का प्रस्ताव छात्राओं को शिक्षा के साथ रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कदम महिला सशक्तिकरण को नई मजबूती देगा। उन्होंने इसे युवा शक्ति से प्रेरित बजट बताया और कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों, अनुसूचित जाति-जनजाति, महिलाओं, युवाओं और गरीब वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने रांची में मानसिक स्वास्थ्य केंद्र निम्हांस-2 की स्थापना की घोषणा को झारखंड के लिए महत्वपूर्ण बताया। साथ ही कैंसर जैसी अन्य गंभीर बीमारियों की दवाओं को सस्ता किए जाने से आम जनता को बड़ी राहत मिलने की बात कही। मधु कोड़ा ने कहा कि यह बजट वर्तमान की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ भविष्य के सपनों को साकार करने वाला है और 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर देश को मजबूती से आगे बढ़ाएगा।

## मॉडर्न पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**कोडरमा :** विद्यालय शिक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु सीबीएसई ने प्रत्येक विद्यालय शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण की मानदंड निर्धारित की है । इसी मानदंड को ध्यान में रखते हुए जिले के मॉडर्न पब्लिक स्कूल में कक्षा प्रबन्धन' पर दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के मॉडर्न पब्लिक स्कूल, सैनिक स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल और जीएस पब्लिक स्कूल के 57 शिक्षक- शिक्षिकाओं ने भाग लिया। रिसोर्स पर्सन के रूप में आए शमेशर आलम एवं प्रमोद कुमार शर्मा ने बहुत ही सरल शब्दों में कक्षा प्रबंधन के सिद्धांतों, आवश्यकताओं, इसके लाभ एवं विशेष तौर पर 'कक्षा प्रबंधन' के अंतर्गत शिक्षकों को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता सकता है, विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि कक्षा प्रबंधन एक ऐसी शैक्षिक दिशा है जिसमें हर छात्र को उसकी आवश्यकताओं और संभावनाओं के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जाता है। यह शैक्षिक प्रक्रिया में समानता, समावेशीता और समरसता को बढ़ावा देती है। उन्होंने समझाया कक्षा प्रबंधन का मूल उद्देश्य है विद्यालय में कक्षा के सभी विद्यार्थियों को समान अवसर किस प्रकार प्रदान किया जा सकता है, हर एक विद्यार्थी किस प्रकार कक्षा में आए शिक्षक से कनेक्ट हो कर उनमें सीखने की क्षमता विकसित हो सकती है।

## पेसा कानून का उल्लंघन कर कोरोजो जतरा की ठेकेदारी थोपने का प्रयास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**ठेठईटांगर :** रविवार को दुमकी ग्राम सभा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान राजेश डुंगडुंग ने की। इस अवसर पर भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की एवं जिला सचिव एलेक्स जॉनसन केरकेट्टा विशेष रूप से उपस्थित रहे। ग्राम सभा का मुख्य उद्देश्य आगामी 7, 8 एवं 9 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले कारोंजो जतरा के संचालन, प्रबंधन एवं निर्णय प्रक्रिया पर विचार करना था। बैठक के दौरान ग्राम सभा में यह गंभीर मुद्दा उठाया गया कि पंचायत के मुखिया एवं पंचायत सचिव द्वारा 2 जनवरी 2026 को डाक-भरवा के माध्यम से मेला नीलामी हेतु पत्र जारी किया गया है, जो कि ग्राम सभा के संवैधानिक एवं वैधानिक अधिकारों का खुला उल्लंघन है। ग्राम सभा सदस्यों ने सर्वसम्मति से कहा कि पेसा कानून नियमावली, जो 2 जनवरी 2026 से झारखंड राज्य में प्रभावी रूप से लागू हो चुकी है, उसके तहत बाजार, मेला एवं पारंपरिक आयोजनों का संरक्षण, नियंत्रण और प्रबंधन पूर्णतः ग्राम सभा के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसके बावजूद ग्राम सभा को दरकिनार कर ठेकेदारी प्रक्रिया अपनाना असंवैधानिक, गैरकानूनी और अलोकतांत्रिक है। इस अवसर पर भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने कड़े शब्दों में कहा पेसा कानून नियमावली के अध्याय 16 की धारा 34 में स्पष्ट रूप से ग्राम सभा को मेला, बाजार एवं पारंपरिक आयोजनों के संचालन और प्रबंधन का अधिकार दिया गया है। फिर भी प्रशासन और पंचायत स्तर के पदाधिकारी ग्राम सभा के संवैधानिक अधिकारों को कुचलने का प्रयास क्यों कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा 2 फरवरी को दुमकी पंचायत में मेला बंदोबस्ती के लिए डाक भरने की जो तिथि निर्धारित की गई है, वह पूरी तरह संविधान, पेसा कानून एवं उसकी नियमावली के विरुद्ध है।

## सत्यम शिवम विद्यालय में आशीर्वाद समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**कोडरमा :** कोडरमा जिला के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत फुलवरिया पंचायत में संचालित सत्यम शिवम छात्र-छात्राओं का आशीर्वाद समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आंगनबाड़ी सेविका मालिन बिरहोरनी,सेवानिवृत शिक्षक अर्जुन राम, समाजसेवी दामोदर पांडेय लोकतंत्र के चौथा स्तंभ मीडिया बंधु के द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया अतिथियों को विद्यालय परिवार की ओर से माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया.लोकतंत्र के चौथा स्तंभ मीडिया बंधु को विद्यालय परिवार ने अंग अंग वस्त्र देकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया वहीं नृत्य प्रस्तुत कर कल्पना खुशी नेहा चांदनी डोली ने अतिथियों के दिल को जीत लिया.अभिषेक कुमार का कला सभी दर्शकों के दिल को छू लिया कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय निदेशक सुखदेव हजाम एवं मंच संचालन आशीष मिस्त्री ने किया विद्यालय के प्राचार्य रामकृष्ण मेहता ने विद्यालय प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विद्यालय की उपलब्धियां को गिनाते रहे.कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चे बच्चियों ने कला प्रस्तुति करते हुए खूब बटोरी,तालियां की गड़गड़ाहट से पूरा कार्यक्रम गूंजता रहा.कार्यक्रम में चार चांद कैसियो मास्टर नंदलाल शर्मा ढोलकिया मास्टर आशीष मिस्त्री ने लगाए.वहीं स्कूली बच्चे बच्चियों ने कार्यक्रम के अंत तक प्रस्तुति देकर शमां को बांधा।

## संक्षिप्त खबरें

### लेखा लिपिक अजय कुमार चौधरी को दी गई भावभीनी विदाई

**सिमडेगा :** पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल सिमडेगा में कार्यरत लेखा लिपिक अजय कुमार चौधरी के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर विभागीय स्तर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल डाहंगा, लेखा पदाधिकारी ने की। इस अवसर पर कार्यपालक अभियंता राजीव कुमार सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी भी कर्मचारी के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। अजय कुमार चौधरी ने अपने पूरे कार्यकाल में निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ विभाग की सेवा की है। वहीं झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के जिला सचिव सुशील कुमार सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मी को एक कुशल, कर्मठ एवं अनुशासित कर्मचारी बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि अजय कुमार चौधरी का विभागीय योगदान सदैव याद रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त कर्मी ने अपने अनुभव साझा करते हुए सभी सहयोगियों एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, कार्यालय कर्मी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। अंत में उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

### ग्राम बरसलोया में स्थानीय महिला कीर्तन मंडली ने किया भजन कीर्तन जगरनाथ मंदिर परिसर में हुआ कार्यक्रम

**कोलेबिरा :** प्रखंड अंतर्गत ग्राम बरसलोया में स्थानीय महिला कीर्तन मंडली ने शांति पाठ का आयोजन किया। इस धार्मिक कार्यक्रम में महिलाओं ने भक्तिमय भजनों और मंत्रोच्चारण के माध्यम से वातावरण को श्रद्धापूर्ण बनाया। मंडली द्वारा आयोजित इस शांति पाठ का उद्देश्य समाज में सुख-शांति, सौहार्द और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करना था।। इस अवसर पर सुमति देवी, पूनम देवी, ललिता देवी, राधा देवी, कलावती देवी, किरण देवी अलावा और भी लोग उपस्थित थे।

### निमाडीह निवासी गुड़िया देवी ने जान से मारने की धमकी के संबंध में थाने में दिया आवेदन

**डोमचांच :** नवलशाही थाना क्षेत्र केनिवासी गुड़िया देवी पति- राजु तुरी साकिन - निमाडीह थाना- नवलशाही जिला कोडरमा ने अपने गोतिया के द्वारा जमीन हड़पने का आरोप लगाते हुए नवलशाही थाने में आवेदन दिया है। उपरोक्त आवेदन में कहा है कि खाता संख्या- 38 प्लॉट संख्या-857 केस संख्या- 68 जिसका कुल रकवा 1 एकड़ 30 डिसमिल को लेकर कोडरमा न्यायालय में विचाराधीन है जिसे लेकर उपरोक्त जमीन संबंधित मामला को समझौता करने का जबरन दबाव दिया जा रहा है। विरोध करने पर सुगिया देवी- पति भागी तुरी, मनोज तुरी पिता- भागी तुरी, आशा देवी पति- मनोज तुरी रिंकी देवी पति- मनोज तुरी के द्वारा मुझे और मेरे परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं तथा पानी पीने का कुआं तरफ आने जाने का रास्ता बंद कर दिया गया। जिससे हम परिवार के लोगों को काफी परेशानी हो रही है व कभी भी मेरे परिवार के लोगों पर गोतिया के द्वारा हिंसक घटना को अंजाम दिया जा सकता है इसके साथ ही गुड़िया देवी ने थाने में न्याय की गुहार लगाई है।

### शीतला माता की प्रतिमा के साथ कीनन ने निकाली शोभा यात्रा

**झुमरी तिलैया :** चेचक से मुक्त करने वाली शीतला माता की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा सोमवार को झुमरी तिलैया के देवी मंडप रोड स्थित मंदिर में स्थापित किया जाएगा। इस दिन किन्नर समाज के द्वारा सुबह 10 बजे से पूजा अर्चना सहित विभिन्न अनुष्ठान का आयोजन होगा। इसके बाद शीतला माता की प्रतिमा स्थापित होगी। मालूम हो कि होली के बाद शहर के कई शीतला मंदिर में श्रृद्धालु भक्त शीतला माता की पूजा बासी रोटी,दही रबड़ी, बाजरा, सहित कई सामग्री अर्पित करते हैं और दिन भर एक दिन पूर्व बने भोजन को ग्रहण करते हैं। इधर अंजली किन्नर ने बताया कि 31 जनवरी को अदी विश्वास का आयोजन किया गया और रविवार को देवी मंडप रोड से हाथों में प्रतिमा लिए रांची पटना रोड,ओभरब्रिज झंडा चौक, महाराणा प्रताप चौक,करमा होते हुए चाराडींह स्थिति राधा कृष्ण मंदिर पहुंच कर स्नान कराया। गाजे बाजे के साथ निकाली इस शोभा यात्रा में पुजारी प्रसनजीत शास्त्री के अलावा पूजा किन्नर,शिल्पा किन्नर, विश्वासी किन्नर,सृष्टि किन्नर, भूमि किन्नर, रिया किन्नर, सहित कई किन्नर उपस्थित थी।उन्होंने कहा कि समाज का अभिन्न अंग किन्नर समाज है और समय-समय पर धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जाता है, और इसके जरिए झुमरी तिलैया सहित जिले में सुख शांति की भी कामना की जाती है ।उन्होंने बताया कि 2 वर्ष पूर्व दुर्गा पूजा के बाद बिहार झारखंड की किन्नर समाज के द्वारा एक बड़ा भक्ति जागरण का आयोजन भी अनूठी छाप छोड़ गया था, और आने वाले दोनों में बड़े आयोजन करने के लिए तैयारी राय विचार के बाद की जाएगी।

# ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एलुमनी मीट 2026 का भव्य किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**कोडरमा :** ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एलुमनी एसोसिएशन ऑफ ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के तत्वावधान में एलुमनी मीट 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी एलुमनी सदस्यों का स्वागत महाविद्यालय के बी०एड० सत्र 2025-27 के प्रशिक्षुओं के द्वारा तिलक लगाकर एवं गुलाब के फूल से किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के सचिव अविनाश कुमार सेठ, मुख्य परिचालन अधिकारी तनिष्क सेठ, प्राचार्य, एलुमनी एसोसिएशन के समन्वयक सौरभ शर्मा, आई क्यू ए सी समन्वयक मनीष कुमार सिन्हा, डी०एल०एड० विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्यों एवं महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापकों द्वारा मां सरस्वती के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। तत्पश्चात बी०एड० सत्र 2025-27 की प्रशिक्षु श्रेया एवं ग्रुप ने सामूहिक स्वागत गान प्रस्तुत कर सभी के मन को विभोर किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य के द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया।

तदुपरान्त एलुमनी सदस्यों ने अपना परिचय देते हुए विविध प्रकार के कविता पाठ, गान, नृत्य एवं अपने बहुमूल्य विचार साझा करते हुए महाविद्यालय द्वारा प्राप्त अनुभव एवं अधिगम पर विशेष ध्यान आकृष्ट कराया। इसी क्रम में एलुमनी विकास कुमार यादव एवं श्रुति कुमारी ने अपने सुरीले अंदाज में एकल गीत गायन द्वारा सभी को अभिभूत किया। महाविद्यालय के एलुमनी समन्वयक सौरभ शर्मा के द्वारा एलुमनी एसोसिएशन के कार्यों, उद्देश्यों एवं एलुमनी एसोसिएशन के उपलब्धियों को पी०पी०टी० प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में एलुमनी सदस्यों के लिए विभिन्न प्रकार के लक्की ड्रा, लक्की एलुमनी तथा विभिन्न गेम का आयोजन किया गया। जिसमें धनेश्वर कुमार, रेशमी कुमारी और अर्चना कुमारी का लक्की ड्रा निकला। कार्यक्रम में बी०एड० सत्र 2023-25 के एन०एस०एस० वॉलंटियर्स को भी उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय के सचिव अविनाश कुमार सेठ, मुख्य परिचालनअधिकारी तनिष्क सेठ, प्राचार्य तथा एलुमनी समन्वयक सौरभ शर्मा ने वर्तमान में विभिन्न सरकारी विद्यालयों में कार्यरत पूर्व छात्रों को शॉल, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट किया। कार्यक्रम में प्रतिभाग किए सभी एलुमनी सदस्यों को एवं सभी सहायक प्राध्यापकों द्वारा उपहार भेंट किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम हर्षोल्लास से भरा रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी एलुमनी सदस्य एवं महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षु एवं सदस्य एक साथ सामूहिक भोजन ग्रहण किए एवं एलुमनी एसोसिएशन के निरंतर एवं सहज संचालन हेतु फंड का सहयोग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव अविनाश कुमार सेठ ने अपने संबोधन में एलुमनी सदस्यों को महाविद्यालय के प्रति तत्परता एवं समर्पण को धन्यवाद करते हुए उनके सफल भविष्य की कामना किए और कहा कि एलुमनी हमारे महाविद्यालय के मजबूत स्तंभ होने के साथ क्षेत्र के ऊजार्वान एवं होनहार भविष्य हैं। किसी भी संस्थान के विकास में एलुमनी सदस्यों का अहम योगदान रहता है?। हम सदैव उनके उजव्वल भविष्य की कामना करते हैं।

## एक नजर

### चोरी की चार वाहन के साथ एक आरोपित गिरफ्तार

**पश्चिमी सिंहभूम** : पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस ने चोरी के एक सक्रिय गिरोह पर कार्रवाई करते हुए मुफ्फसिल थाना क्षेत्र से चोरी की चार वाहन बरामद की हैं। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को भी गिरफ्तार किया है, जिसका पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। यह जानकारी रविवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टुटी ने प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक अमित रेणु को गुप्त सूचना मिली थी कि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के ग्राम खप्परसाई निवासी राजदीप सिंह महली अपने घर में चोरी की बाइक छिपाकर रखे हुए है और उन्हें बेचने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम खप्परसाई स्थित आरोपित के घर पर छापेमारी की, जहां विधिवत तलाशी के दौरान घर के बरामदे से तीन बाइक और एक होंडा एक्टिवा स्कूटी बरामद की गई। मौके से एक युवक को हिरासत में लिया गया, जिसने पूछताछ के दौरान अपना नाम राजदीप सिंह महली उर्फ जिन्दा बताया। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि बरामद सभी चारों दोपहिया वाहन चोरी के हैं। उसने यह भी बताया कि उसने चार से पांच दिन पहले सदर थाना क्षेत्र के बस स्टैंड और मंगला हाट इलाके से इन वाहनों की चोरी की थी। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि राजदीप सिंह महली पूर्व में भी कई चोरी की घटनाओं में शामिल रह चुका है। छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर बहामन टुटी, मुफ्फसिल थाना प्रभारी विनोद कुमार, पुलिसकर्मी मिथुन कुमार, रामायण सिंह, दिनेश कुमार सहित मुफ्फसिल थाना रिजर्व गार्ड के सशस्त्र बल शामिल थे।

### खूंटी जिला परिवहन कार्यालय को मिला गुड समरीटन अवार्ड

खूंटी : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत होटल बीएनआर में शनिवार को आयोजित सड़क सुरक्षा सेमिनार के दौरान जिला परिवहन कार्यालय पूरे राज्य में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। परिवहन मंत्री दीपक बीरूआ ने ह्यगुड समरीटन अवार्डह्न प्रदान किया, जिसमें खूंटी जिला को राज्य भर में के द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। साथ ही सड़क सुरक्षा माह के दौरान प्रभावी जागरूकता कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो भी दिया गया। यह सम्मान जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक एवं जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने प्राप्त किया। विभाग की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिला परिवहन कार्यालय ककी ओर से व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाए गए। जागरूकता वाहन के माध्यम से प्रखंडों और हाट-बाजारों में यातायात नियमों की जानकारी दी गई। नुक्कड़ नाटक, पैंफलेट वितरण और मोटर वाहन अधिनियम, मुआवजा प्रावधान तथा गुड समरीटन कानून पर विशेष जानकारी दी गई। बिरसा कॉलेज, लोयला स्कूल, डीएवी स्कूल सहित कई शिक्षण संस्थानों में कार्यशालाएं आयोजित कर छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। गणतंत्र दिवस पर सड़क सुरक्षा विषयक झांकी प्रस्तुति में जिला परिवहन कार्यालय को प्रथम स्थान मिला। पूरे माह वाहन जांच अभियान, पुष्प अभियान, हॉकी मैच, सदर अस्पताल में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, सड़क सुरक्षा प्रतिज्ञा, हस्ताक्षर और सेल्फी अभियान तथा ह्यरन फॉर रोड सेफ्टीह्न जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया और हेलमेट भी वितरित किए गए।

# उड़ीसा में आयोजित पूर्वी क्षेत्र युवा महोत्सव में विभावि का धमाकेदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग** : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग ने एआइयू पूर्वी क्षेत्र "उत्साह यूनिफेस्ट" अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 2025-26 में अपने धमाकेदार प्रस्तुति के साथ द्वितीय उपविजेता का खिताब जीत लिया है। इसकी जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय दल के प्रबंधक डॉ जॉनी रुफिना तिर्की एवं अर्चना रीना धान ने बताया की उड़ीसा के बालासोर में स्थित फकीर मोहन विश्वविद्यालय की मेजबानी में आयोजित 39वे विश्वविद्यालय का आयोजन 29 से 31 जनवरी 2026 को किया गया। बताया कि ऑफिस असिस्टेंट सोनू कुमार की भूमिका सराहनीय रही। डॉ रुफिना ने बताया कि नाट्य विधा में ओवरऑल प्रथम, साहित्यिक

विधा में ओवरऑल तृतीय के साथ-साथ वेस्टर्न वोकल सोलो, एकांकी एवं हिंदी वाद-विवाद में प्रथम स्थान जीतकर खूब वाह वाही लूटी। इसी प्रकार वेस्टर्न ग्रुप सॉन्ग, भाषण (हिंदी) तथा रंगोली में विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। क्रिएटिव कोरियोग्राफी, स्किट तथा माइम में विश्वविद्यालय दल तृतीय स्थान प्राप्त किया। अर्चना धान ने आगे जानकारी दी की विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने उम्दा प्रस्तुति के साथ सांस्कृतिक शोभायात्रा, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल, जनजातीय लोक नृत्य, भाषण (अंग्रेजी), मिमिक्री तथा चित्रांकन प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी, फोल्क आरकेस्ट्रा और पोस्टर मेकिंग में पंचम स्थान प्राप्त किया। डॉ जॉनी रुफिना ने बताया की विश्वविद्यालय दल में कुल 60 सदस्य थे। विश्वविद्यालय दल में विभावि के स्नातकोत्तर विभागों के अलावे यूसेट, केबी महिला महाविद्यालय, संत कोलंबा महाविद्यालय, अन्नदा महाविद्यालय, मारखम महाविद्यालय, आदर्श कॉलेज राजधनवार, आरके महिला कॉलेज गिरिडीह, सरिया कॉलेज तथा स्वामी धर्मबंधु बीएड कॉलेज के प्रतिभागी शामिल थे। ज्ञात हो कि पिछले युवा महोत्सव में विभावि पूर्वी क्षेत्र युवा महोत्सव का चैंपियनशिप का खिताब जीता था। रविवार को सुबह विश्वविद्यालय लौटने पर दल का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा एवं छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष डॉ विकास कुमार ने किया।

## विकसित भारत की दिशा में केंद्र सरकार का दूरदर्शी बजट : चंपई सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पूर्वी सिंहभूम** : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक दूरदर्शी और समावेशी रोडमैप बताया है। उन्होंने रविवार को अपने एक्स पोस्ट के जरिए कहा कि यह बजट सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए गरीबों, मजदूरों, किसानों, महिलाओं, छात्रों और आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। बजट का मुख्य उद्देश्य लोगों की क्षमताओं को निखारना, हर परिवार के लिए आय के नए अवसर सृजित करना और देश की आर्थिक विकास दर को तेज करना है। चंपई सोरेन के अनुसार बजट में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने पर विशेष जोर दिया गया है। काजू, अखरोट, बादाम, नारियल, कॉफी

और मछली पालन जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देकर किसानों और छोटे उद्यमियों की आय बढ़ाने की योजना सराहनीय है। खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों के लिए किए गए प्रावधानों से बुनकरों और शिल्पकारों के जीवन में खुशहाली आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल पार्कों के जरिए ह्यमेक इन इंडियाह्न को मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में जिला अस्पतालों के

## मारूति नंदन मनोकामना मंदिर पूजा समिति में कई का कटा पत्ता कई नये चेहरे को मिला कमान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**ईचागढ़** : ईचागढ़ थाना परिसर में रविवार को मारूति नंदन मनोकामना महादेव मंदिर समिति ईचागढ़ थाना की बैठक भोलानाथ गोराई की अध्यक्षता में हुई। बैठक में महा शिवरात्रि पूजा भंडारा एवं शिव बारात को लेकर विचार विमर्श किया गया। वहीं समिति का पुर्नगठन भी किया गया। समिति में कुछ पदाधिकारीयों को फिर से मौका मिला वहीं कुछ नये चेहरे को भी पदाधिकारी में सामिल किया गया। नव नियुक्त पदाधिकारीयों में फिर से अरूण कुमार मांझी को सर्व सम्मति से अध्यक्ष ,अनील कुमार सिंह को सचिव, नकुल घोष , मुरलीधर मिश्रा को उपाध्यक्ष एवं बासुदेव चटर्जी को कोषाध्यक्ष चयन किया गया । वहीं नये चेहरों में ललित

मोहन घोष को वरिय उपाध्यक्ष, भोलानाथ गोराई को संयोजक, मानिक घोष को महासचिव, बेनीमाधव सिंह मुण्डा को उपाध्यक्ष ,विश्वनाथ उरांव व राम चरण सिंह मुण्डा को सह सचिव, वनमाली रजक को सह कोषाध्यक्ष एवं गणेश गोराई को सह संयोजक चयनित किया गया। वहीं थाना प्रभारी बजरंग महतो ने कहा कि थाना परिसर स्थित मंदिर समिति को पूर्ण सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से पुलिस एवं जनता के बीच संबंध स्थापित होता है। उन्होंने कहा कि थाना परिसर में शिवरात्रि पूजा में क्षेत्र के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं, जिससे थाना से आम जनों का सीधे जुड़ाव होता है।

## सरिया प्रखंड सवर्ण मोर्चा की बैठक सह वनभोज कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सरिया** : सरिया प्रखंड सवर्ण मोर्चा की एक बैठक सह वनभोज कार्यक्रम रविवार को राजदह धाम में संपन्न हुआ. जिसकी अध्यक्षता मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष देवाशीष बादल तथा संचालन सत्यनारायण सिंह ने किया। इस बैठक में प्रखंड क्षेत्र के तमाम गांव से काफी संख्या में सवर्ण उपस्थित हुए। जहां बैठक के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक तथा सांगठनिक विषयों पर लोगों ने बारी-बारी से अपनी बातें रखी। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष देवाशीष बादल ने कहा कि सवर्ण समाज का योगदान सशक्त राष्ट्र के निर्माण में हमेशा से रहा है। परंतु केंद्र की मौजूदा सरकार सवर्णों के प्रति दोहरी नीति अपना रही है। मोर्चा के सचिव सत्येंद्र सिंह ने संगठन की एकता तथा अधिक से अधिक लोगों के संगठन में समावेश के प्रति लोगों को प्रेरित करने

की बात कही। इसके लिए प्रत्येक गांव में जहां भी मोर्चा के सदस्य हैं उन्हें मोर्चा के उद्देश्यों को बताने और सरकार की बुरी नीतियों के बारे में लोगों को प्रेरित करने की बात कही। रामावतार पांडेय ने कहा कि सवर्ण समाज भारतीय राजनीति की रीढ़ रही है। परंतु वर्तमान समय में इन्हें राजनीतिक हिस्सेदारी से दूर किया जा रहा है। जिससे हमारी भावना को आहत पहुंच रहा है। अपनी भावना को सरकार तक पहुंचाने के लिए हमारी चट्टानी एकता आवश्यक है। अन्य वक्ताओं ने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हम वह समाज हैं जो देश को दिशा और दशा निर्धारित करने का काम करते हैं। लेकिन सरकार की स्वार्थ पूर्ण नीति,वोट बैंक का सोच हम सवर्ण सदस्यों के साथ हमेशा ही नाइंसाफी और बेईमानी करती आ रही है। सभी सवर्ण समाज ने एक स्वर में सरकार के यूजीसी के गलत नियमों का आलोचना किया। लोगों ने यह भी बताया कि सरकार यदि इस पर यदि सही निर्णय नहीं लेती है यूजीसी बिल वापस नहीं लेती है तो बाध्य होकर हम सभी सवर्ण सड़क से सदन तक सरकार का विरोध करेंगे।

## महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखता है केंद्रीय बजट 2026 : पूर्णिमा साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**जमशेदपुर** : जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने केंद्रीय बजट 2026 का स्वागत करते हुए कहा कि इस बजट में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखा गया है। शीमार्ट के माध्यम से महिला उद्यमियों को नए बाजार उपलब्ध होंगे और एमएसएमई व स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए लोन प्रक्रिया आसान होगी। इसके साथ ही, हाई स्पीड रेल कॉरिडोर, बायो-फार्मा सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये, कैंसर व शुगर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं को सस्ता करने के प्रवधान सराहनीय हैं। बजट में वर्किंग वुमन हॉस्टल, क्रेच और हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल की घोषणा से महिलाओं व छात्राओं को सुरक्षित वातावरण मिलेगा।

पूर्णिमा साहू ने कहा कि लखपति दीदी योजना के विस्तार, विशेष स्किल प्रोग्राम और डिजिटल साक्षरता व बैंकिंग सेवाओं से जुड़ाव के जरिए ग्रामीण व शहरी महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में यह बजट देश की आधी आबादी को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाला है।

# कोल इंडिया के सीएसआर सहयोग से आईआईटी बॉम्बे की पायलट परियोजना 'जीवोदय' को रेशम उत्पादन में बड़ी सफलता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**जमशेदपुर** : कोल इंडिया के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व फंड के सहयोग से संचालित आईआईटी बॉम्बे की अनूठी पायलट परियोजना 'जीवोदया' ने तीन वर्षों के निरंतर अनुसंधान एवं विकास के पश्चात नैतिक रेशम उत्पादन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस परियोजना के अंतर्गत आईआईटी बॉम्बे के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रौद्योगिकी विकल्प केंद्र ने रेशम उत्पादन की एक ऐसी नवीन तकनीक सफलतापूर्वक विकसित की है, जिसमें रेशम के कीड़ों की हत्या की आवश्यकता नहीं होती। पारंपरिक विधियों से अलग, इस तकनीक में रेशम के कीड़े रेशमी धागा उत्पन्न करने के बाद पतंगे में परिवर्तित होकर अपना प्राकृतिक जीवन चक्र पूर्ण कर पाते हैं। इसीलिए, मानवीय

और नैतिक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते इस रेशम को 'जीवोदया सिल्क' नाम दिया गया है। परंपरागत रूप से, शहतूत की पत्तियों पर पलने वाले रेशम के कीड़े अपने चारों ओर कोकून बनाते हैं। रेशम निकालने के लिए इन कोकूनों को उबाल दिया जाता है, जिससे लाखों रेशम कीड़ों की मृत्यु हो जाती है। 'जीवोदया' परियोजना ने इस लंबे समय से चली आ रही प्रथा को चुनौती देते हुए करुणा आधारित वैज्ञानिक नवाचार के माध्यम से रेशम उत्पादन की प्रक्रिया को पुनर्परिभाषित किया है। अथक प्रयोगों के बाद, 'सी-तारा' ने एक दुर्लभ वैज्ञानिक उपलब्धि हासिल की है, जिसके तहत रेशम के कीड़ों को कोकून बनाए बिना समतल सतह पर रेशमी धागा बुनने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इसके परिणामस्वरूप, अब रेशम के कीड़ों को कोकून बनाने की आवश्यकता नहीं रहती और वे अंततः पतंगे के रूप में मुक्त होकर उड़ान भर पाते हैं। यह उपलब्धि प्राचीन भारतीय दर्शन की उस भावना को साकार करती है। "मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्ह्न – कोई भी दुःखी न हो। कोल इंडिया ने इस असाधारण प्रयोग को अवधारणा से सफलता तक पहुँचाने में निरंतर सीएसआर सहयोग के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नैतिक और पर्यावरणीय महत्व के साथ-साथ, यह तकनीक रेशम उत्पादन से जुड़े किसानों के लिए आय का एक नया और सतत स्रोत भी प्रदान करती है, जिससे ग्रामीण आजीविका को मजबूती मिलेगी। 'जीवोदया' पायलट परियोजना की सफलता के साथ, यह पहल व्यापक स्तर पर अपनाए जाने तथा सतत और नैतिक रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएँ रखती है।

## संक्षिप्त खबरें

### गांव-गरीब से लेकर हर वर्ग को सशक्त बनाने वाला है बजट : रघुवर दास

**जमशेदपुर** : यह बजट लोक कल्याणकारी होने के साथ-साथ देश को विकसित राष्ट्र बनाने का एक दूरदर्शी बजट है। यह बजट गांव, गरीब, नौजवान, किसान, नारी शक्ति, आदिवासी, दलित, पिछड़ा, अत्यंत पिछड़ा, मध्यम वर्ग को सशक्त और सक्षम बनाने वाला बजट है। इस सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी और देश के जन-जन और प्रत्येक क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और कल्याण के प्रति समर्पित केंद्रीय बजट के लिए लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी को चार करोड़ झारखंडवासियों की ओर से आभार और साधुवाद।

### स्व. डोमन सिंह मुंडा स्मृति दो दिवसीय फुटबॉल खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

**ईचागढ़** : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सोड़ो पंचायत भवन परिसर मैदान में आदिवासी पिछड़ी जनकल्याण समिति सोड़ो की ओर से आयोजित स्व. डोमन सिंह मुंडा स्मृति दो दिवसीय फुटबॉल खेल प्रतियोगिता का समापन रविवार को किया गया। खेल में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। फाइनल खेल डी के इलेवन खूंटी और उमेश स्पोर्टिंग मूरी के बीच रोमांचक खेल खेला गया, जिसमें कोई निर्णय नहीं होने पर ट्राय ब्रेकर का सहारा लिया गया ,जिसमें उमेश स्पोर्टिंग मूरी ने डी के इलेवन खूंटी को हराकर फाइनल में विजेता बना। फाइनल में विजेता टीम को कमिटी की ओर से प्रथम पुरस्कार उमेश स्पोर्टिंग मूरी को 1,31,000 रु नगद और ट्रॉफी,द्वितीय पुरस्कार डी के इलेवन खूंटी को 95000 रु नगद राशि और ट्रॉफी,तृतीय पुरस्कार डॉ. स्पोर्टिंग तोरांग तथा ट्रॉफी, एवं चतुर्थ पुरस्कार रोहित स्पोर्टिंग तुलग्राम को 45000 – 45000 रु तथा ट्रॉफी दिया गया। साथ ही मेन ऑफ द सीरीज, प्रत्येक मैच में मेन ऑफ द मैच,बेस्ट गोलकीपर आदि व्यक्तिगत पुरस्कार दे कर खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। फाइनल खेल का उद्घाटन में मुख्य रूप से सेवानिवृत्त शिक्षक सह समाजसेवी उमाकांत महतो, सोड़ो पंचायत मुखिया नयन सिंह मुंडा,इंटर कॉलेज तिरुलडीह के प्राचार्य उपेन चंद्र महतो,आजसू पार्टी प्रखंड अध्यक्ष गोपेश कुमार महतो आदि ने खिलाड़ीयों से परिचय प्राप्त कर तथा फुटबॉल को किक मार कर किया। मौके पर ईचागढ़ विधानसभा के विधायक सबिता महतो, समाजसेवी प्रताप महतो प्रखंड आयोजन समिति के सदस्य भूतेश महतो,अशोक कुमार दास,इंद्रजीत प्रमाणिक,फाल्गुनी पाण्डेय,सुबल पाण्डेय,संजय पाण्डेय,नरेश साव, अक्षय महतो, राधा गोबिंद गुप्ता आदि उपस्थित थे।

### आम नागरिकों के लिए यह बजट उम्मीद की किरण : आजसू

**पूर्वी सिंहभूम** : आजसू पार्टी ने केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत बजट को जनहित और जनआकांक्षाओं के अनुरूप बताते हुए इसका स्वागत किया है। रविवार को पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा कि यह बजट दूरगामी सोच के साथ तैयार किया गया है, जिसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा। उन्होंने विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में दी गई राहत को सराहनीय बताते हुए कहा कि इलाज और दवाइयों को सस्ता और सुलभ बनाने की दिशा में किए गए प्रावधानों से गरीब, मजदूर और मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। महंगे इलाज के बोझ से जूझ रहे आम नागरिकों के लिए यह बजट उम्मीद की किरण है। कन्हैया सिंह ने कहा कि सरकार ने इस बजट के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जनता की बुनियादी जरूरतें उसकी प्राथमिकताओं में शामिल हैं। स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक कल्याण और आम लोगों से जुड़े अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया गया है, जिससे यह बजट जनहित में मजबूत आधार तैयार करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि घोषणाओं का पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन हुआ तो इसका सकारात्मक असर आने वाले वर्षों तक दिखाई देगा। वहीं, आजसू पार्टी के जिला प्रवक्ता अप्पू तिवारी ने बजट को जनआकांक्षाओं को पूरा करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और गरीब तबके के हितों को ध्यान में रखकर बजट तैयार किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर फोकस कर सरकार ने यह दिखाया है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उसका लक्ष्य है। आजसू पार्टी ने इस बजट को देश के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए समर्थन देने की बात कही।

### ग्रामीणों को 125 दिनों की रोजगार गारंटी देता है वीबी-जी राम-जी : कोचे

**खूंटी** : भाजपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि वीबी जी राम जी अधिनियम ग्रामीण परिवारों के लिए प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिनों की वैधानिक रोजगार की गारंटी देता है। यह पहल सशक्तिकरण, समावेशी विकास, योजनाओं के अभिसरण और परिपूर्णता के माध्यम से सेवा को मजबूत बनाती है। पूर्व विधायक रविवार को नगर भवन तोरपा में वीबी जी राम जी अधिनियम को लेकर आयोजित मंडल स्तरीय कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कोचे ने कहा कि इस अधिनियम के लागू होने से समृद्ध, सक्षम और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की नींव और अधिक मजबूत होगी। कार्यशाला की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष सुबोध कुमार ने की। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संतोष जयसवाल ने कार्यकताओं से अपील किया कि वे अधिनियम की जानकारी लोगों को दें और विपक्ष के कुतर्क का जवाब दें।कार्यक्रम में प्रभारी जिला महामंत्री निखिल कंडुलना, जिला संयोजक भगीरथ राय सहित अन्य ने वीबी जी राम जी अधिनियम के बारे में बताया और कहा कि इस अधिनियम के बारे में अपने अपने बूथों में लोगो को जागरूक करें।

# मासिक धर्म और सैनिटरी पैडः स्कूलों में गरिमा की परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने और मासिक धर्म स्वच्छता को अनिवार्य करने संबंधी निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है बल्कि यह भारतीय समाज की उस सामूहिक सोच को आईना दिखाते हैं, जिसमें आज भी मासिक धर्म को संकोच, चुप्पी और उपेक्षा के साथ देखा जाता है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि मासिक धर्म महज स्वास्थ्य या स्वच्छता का मुद्दा नहीं बल्कि गरिमा, समानता और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा गंभीर संवैधानिक प्रश्न है। भारत जैसे देश में जहाँ संविधान समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, वहाँ लाखों छात्राओं का मासिक धर्म के दौरान असुरक्षित और अपमानजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करने को मजबूर होना व्यवस्था की गहरी विफलता को उजागर करता है। अदालत का यह हस्तक्षेप इसी विफलता को दूर करने की दिशा में आवश्यक कदम है। यह याद दिलाता है कि अधिकार केवल कागजों में दर्ज घोषणाएँ नहीं होते बल्कि उनका वास्तविक अर्थ तभी है, जब वे जमीनी हकीकत में दिखाई दें।

मासिक धर्म को लंबे समय तक केवल एक जैविक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज किया जाता रहा है। परिणामस्वरूप यह विषय स्वास्थ्य मंत्रालय या स्कूल प्रबंधन की सीमित जिम्मेदारी बनकर रह गया। सच्चाई यह है कि मासिक धर्म सामाजिक, शैक्षिक और मानसिक स्तर पर गहरे प्रभाव डालता है। स्वच्छता सुविधाओं और सही जानकारी के अभाव में छात्राओं को न केवल संक्रमण और बीमारियों का खतरा रहता है बल्कि शर्म और भय के कारण वे नियमित रूप से स्कूल आने से भी कतराने लगती हैं। कई मामलों में यह स्थिति स्थायी स्कूल ड्रॉपआउट का कारण बन जाती है।

अनेक अध्ययन यह दशार्ते हैं कि मासिक धर्म के दौरान उचित प्रबंधन की कमी के कारण बड़ी संख्या में किशोरियाँ हर महीने कई दिनों तक स्कूल नहीं जातीं। यह अनुपस्थिति धीरे-धीरे सीखने की प्रक्रिया को कमजोर करती है और अंततः शिक्षा से पूरी तरह कट जाने का जोखिम बढ़ा देती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में सबके लिए शिक्षा के लक्ष्य के प्रति ईमानदार हैं या यह केवल नीतिगत दस्तावेजों तक सीमित नारा बनकर रह गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी सीधे तौर पर शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। जब स्कूलों में अलग और स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, साबुन और सैनिटरी पैड जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होतीं तो छात्राओं के लिए नियमित रूप से विद्यालय जाना व्यावहारिक रूप से कठिन हो जाता है। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा करती है क्योंकि जहाँ लड़कों की शिक्षा बिना किसी जैविक बाधा के चलती रहती है, वहीं लड़कियों को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण पीछे धकेल दिया जाता है।

यह असमानता संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 की भावना के विरुद्ध है, जो समानता और भेदभाव-रहित समाज की अवधारणा को आधार प्रदान करते हैं। केवल अवसर की समानता पर्याप्त नहीं होती, जब तक उस अवसर तक पहुँचने के साधन भी समान न हों। मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी करके हम अनजाने में ही लड़कियों को उस बराबरी से वंचित कर देते हैं, जिसका वादा संविधान करता है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि मासिक धर्म से जुड़ी सुविधाओं का अभाव महिलाओं और किशोरियों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। जब किसी छात्रा को असुरक्षित और अवैज्ञानिक साधनों का उपयोग करने को मजबूर होना पड़े तो यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं बल्कि मानवीय गरिमा पर सीधा आघात है।

## सूडोकु नवताल- 7693

★★★✯✰ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | 1 | | | | 2 | 5 | |
| 2 | | | | | | | | 9 |
| 5 | | | 1 | | 7 | 4 | | |
| 9 | 5 | | | 4 | | | 2 | |
| | | 3 | 9 | | 6 | 7 | | |
| | 7 | | | 8 | | | 1 | 5 |
| | | 7 | 2 | | 5 | | | 1 |
| 6 | | | | | | | | 7 |
| | 1 | 5 | | | | 6 | 9 | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

**सूडोकु नवताल -7692 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | 4 | 2 | 3 | 6 | 1 | 8 | 7 |
| 8 | 7 | 3 | 1 | 4 | 5 | 2 | 9 | 6 |
| 6 | 1 | 2 | 8 | 7 | 9 | 3 | 5 | 4 |
| 1 | 6 | 7 | 9 | 8 | 2 | 4 | 3 | 5 |
| 3 | 8 | 5 | 4 | 1 | 7 | 6 | 2 | 9 |
| 2 | 4 | 9 | 6 | 5 | 3 | 7 | 1 | 8 |
| 7 | 5 | 6 | 3 | 9 | 1 | 8 | 4 | 2 |
| 4 | 2 | 1 | 5 | 6 | 8 | 9 | 7 | 3 |
| 9 | 3 | 8 | 7 | 2 | 4 | 5 | 6 | 1 |

# संतुलन की पतली रस्सी पर बजट 2026

डॉ0 प्रियंका सौरभ

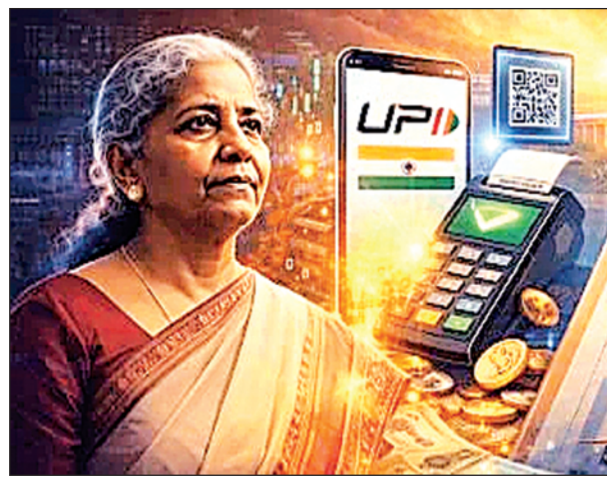


एक फरवरी 2026 को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026 ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सरकार आर्थिक अनुशासन और जनता की आकांक्षाओं के बीच पतली रस्सी पर संतुलन साध रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने भाषण की शुरूआत स्थिरता, निरंतरता और दीर्घकालिक विकास की सोच से की। कोई अप्रत्याशित लोकलुभावन घोषणाओं का धमाका नहीं हुआ, बल्कि बजट ने यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाया। यह बजट न केवल आंकड़ों का संग्रह है, बल्कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के 2047 के सपने की मजबूत नींव रखने का प्रयास है। पिछले वर्ष की 6.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के बावजूद वैश्विक मंदी, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और घरेलू मुद्रास्फीति जैसी चुनौतियां बरकरार हैं।

राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.3 प्रतिशत रखा गया, जो पूर्व निर्धारित 4.5 प्रतिशत लक्ष्य से नीचे है। यह कदम वित्तीय अनुशासन की मजबूत मिसाल पेश करता है। पूंजीगत व्यय को पिछले वर्ष के 11.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया, जो लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। यह बढ़ोतरी बुनियादी ढांचे, शहरी विकास परियोजनाओं (विशेषकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में), डिजिटल तकनीक क्षेत्रों और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर केंद्रित है। निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संपत्ति मुद्रीकरण योजना के तहत 10 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राजमार्ग निर्माण में अतिरिक्त 50,000 किलोमीटर का लक्ष्य, रेलवे विद्युतीकरण और आधुनिकीकरण पर 2.5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन तथा राज्यों को 1.5 लाख करोड़ रुपये का 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण भविष्य की नींव को अटल बनाने का संकल्प दिखाता है। पीपीपी मॉडल को बढ़ावा देने के लिए कर छूट, एकल खिड़की प्रणाली और तेज मंजूरी प्रक्रिया जैसे उपाय किए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया–निवेशक आइए, हम पूरी तरह तैयार हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ये विशाल निवेश ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन करेंगे, या केवल महानगरों की चकाचौंध तक सीमित रहेंगे?

मध्यम वर्ग, जो देश की जीडीपी में लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है, को इस बजट में ठोस कर राहत मिली है। पुरानी कर व्यवस्था में मानक कटौती को 50,000 रुपये से दोगुना बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह और अधिक उदार है। नई कर व्यवस्था में स्लैबों को सरल बनाया गया–5 लाख रुपये तक की आय पर शून्य कर का प्रावधान। शिक्षा ऋण पर टीसीएस हटाया गया (10 लाख रुपये तक), जबकि किराया टीडीएस सीमा को 2.4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख रुपये किया गया। दो स्व-व्यवहत आवासीय संपत्तियों पर कर राहत का प्रावधान किया गया है और आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष कर दिया गया। कर संहिता को 819 धाराओं से घटाकर 536 धाराओं में सरलीकृत करने का वादा सराहनीय है। ये कदम करदाता को राजस्व का मात्र स्त्रोत न मानकर भरोसेमंद भागीदार बनाने की दिशा में हैं। हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां मध्यम वर्ग कृषि और सेवा क्षेत्र पर निर्भर है, ये राहतें उपभोग बढ़ाकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देंगी। हालांकि, जमीनी स्तर पर अनुपालन प्रक्रिया को और सरल बनाना होगा, वरना ये राहतें कागजी औपचारिकताओं तक सीमित रह सकती हैं। मध्यम वर्ग की बचत को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने से बाजार में तरलता बढ़ेगी, जो स्टॉक मार्केट और रियल एस्टेट को लाभ पहुंचाएगी।

कृषि क्षेत्र, जो अभी भी 18 प्रतिशत जीडीपी और 65 प्रतिशत ग्रामीण आबादी का आधार है, पर बजट ने विशेष ध्यान दिया। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना को 100 जिलों में विस्तारित किया गया, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन दिया गया, तथा सिंचाई और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया। पीएम किसान सम्मान निधि में वृद्धि, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाई गई। मत्स्य पालन विकास के लिए अंडमान-लक्षद्वीप में आर्थिक क्षेत्र घोषित किए गए, फल-सब्जी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने का प्रावधान। मनरेगा बजट में वृद्धि, ग्रामीण क्रेडिट स्कोरिंग प्रणाली से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ऋण सुगम बनाया गया। चमड़ा-फुटवियर और खिलौना उद्योगों से 22 लाख नए रोजगार का अनुमान है। हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्य में, जहां गेहूं-धान चक्र प्रमुख है, फसल विविधीकरण से मिट्टी स्वास्थ्य सुधरेगा और आय अस्थिरता कम होगी। ये प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देंगे, लेकिन वास्तविक परीक्षा यही होगी कि क्या ये योजनाएं कागजों से निकलकर खेतों, बाजारों तक पहुंच पाएंगी। छोटे और सीमांत किसानों को लाभ मिलना चाहिए, न कि बड़े जमींदारों तक सीमित रहना चाहिए। डिजिटल मार्केटिंग प्लेटफॉर्म से किसानों को सीधे उपभोक्ता से जोड़ना ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देगा।

महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देते हुए लक्ष्मी वंदना योजना का विस्तार किया गया, स्वरोजगार ऋण पर गारंटी हटाई गई (20 लाख तक)। शहरी महिलाओं के लिए घर-आधारित कार्य को कर छूट का लाभ दिया गया। पंचायती राज संस्थाओं के लिए 10,000 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां महिला आरक्षण 50 प्रतिशत है, वास्तविक नेतृत्व को बढ़ावा देगा। ये कदम लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण महिलाओं के लिए एसएचजी ऋण और कौशल प्रशिक्षण से आर्थिक स्वावलंबन बढ़ेगा। पंचायत स्तर पर महिला नेतृत्व से स्थानीय मुद्दे जैसे जल संरक्षण, स्वच्छता बेहतर होंगे। लेकिन पंचायत स्तर तक प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी होगा, क्योंकि भ्रष्टाचार और जागरूकता की कमी बाधाएं हैं। हरियाणा में 50% आरक्षण का लाभ उठाकर महिलाएं पंचायतों को परिवर्तन का माध्यम बना सकती हैं। देश की 60 प्रतिशत युवा आबादी (35 वर्ष से कम) को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा क्षेत्र में 1.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रावधान। इसमें 50 नए आईआईटी और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। स्किल इंडिया कार्यक्रम को 2 लाख करोड़ रुपये, इंटर्नशिप योजना से 5 करोड़ युवाओं को प्रतिमाह 1 लाख रुपये स्टाइपेंड। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सहायता, रोजगार-केंद्रित विकास मॉडल। बेरोजगारी दर को 8 प्रतिशत से नीचे लाने का दृढ़ संकल्प दिखता है। स्टार्टअप इंडिया फंड को 50,000 करोड़ रुपये का आवंटन युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगा। रोहतक जैसे क्षेत्रों में आईआईटी स्थापना से स्थानीय युवा लाभान्वित होंगे। लेकिन सवाल वही है–क्या ये प्रयास नौकरियों का अवसर बनेंगे, या युवा पीढ़ी नौकरी के पीछे भटकती रहेगी? उद्योग-शिक्षा साझेदारी से कौशल अंतर कम होगा। तकनीक क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापना, 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी से 2 लाख करोड़ राजस्व लक्ष्य। डिजिटल इंडिया को 1 लाख करोड़ रुपये। स्वच्छ ऊर्जा पर 5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान–सौर पार्क, ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर 100 प्रतिशत बीमा, जन विश्वास विधेयक 2.0 से 100 से अधिक पुराने कानून सरलीकृत। ये कदम भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं। ग्रामीण डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए ब्रॉडबैंड विस्तार जरूरी। हरियाणा में एआई हब से कृषि और उद्योग में क्रांति आएगी। चुनौतियां कम नहींः मुद्रास्फीति को 5.5 प्रतिशत पर नियंत्रित रखना, खाद्य महंगाई पर अंकुश। रक्षा बजट 5.95 लाख करोड़ रुपये से सीमा सुरक्षा मजबूत।

# तो इन्हें सताता है देश की बदनामी का डर ?

तनवीर जाफरी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय जनता पार्टी के नेता व समर्थक अक्सर यह आरोप लगाते रहते हैं कि वे विदेशी की धरती पर भारतीय राजनीति, संस्थानों चुनाव आयोग, न्यायपालिका या भारतीय मीडिया व सरकार की आलोचना करके देश की छवि को खराब करते रहते हैं। इतना ही नहीं बल्कि भाजपा इसे देश-विरोधी या भारत को बदनाम करने की साजिश तक बताती है। सवाल यह है कि आखिर किन बातों से देश की बदनामी होती है और बदनामी और नेकनामी का पैमाना है क्या ? याद कीजिये जब राहुल गांधी ने 2023 में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी (यू के ) में कहा कि भारत में विपक्ष को दबाया जा रहा है और चीन का खतरा समझा नहीं जा रहा है। इसमें राहुल ने क्या गलत कहा था ? परन्तु भाजपा ने राहुल के इस सच्चाई भरे वक्तव्य को भारत को बदनाम करना बताया था। इसी तरह जब 2023 में कोलंबिया की एक यूनिवर्सिटी में राहुल ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और कुछ बड़े व्यापारियों का अर्थव्यवस्था पर कब्जा है तब भी भाजपा ने इसे राहुल द्वारा विदेशी धरती पर भारत को बदनाम करना बताया था। अभी कुछ समय पूर्व ही जब राहुल गाँधी ने बर्लिन (जर्मनी) में चुनाव आयोग पर सवाल उठाए और कहा कि हरियाणा चुनाव में धांधली हुई उस समय भी भाजपा ने इसे संस्थानों को बदनाम करने की साजिश बताया था। राहुल गाँधी के ऐसे आरोपों से भाजपा इतना तिलमिला जाती है कि वह राहुल की आलोचना को एंटी-इंडिया फोर्सेज से जोड़कर कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश करने लगती है। यहाँ तक कि कुछ भाजपा नेता इसे चाइना की तारीफ या विदेशी हस्तक्षेप को आमंत्रित करने तक के रूप में परिभाषित कर देते हैं। भाजपाई कहते हैं कि इससे भारत की ग्लोबल इमेज खराब होती है

इस विषय पर कांग्रेस व राहुल गाँधी का कहना है कि वे सिर्फ ₹सच्चाई₹ बोलते हैं,और आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है। लिहाजा राहुल भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि चीन जैसे मुद्दों पर तो मोदी खुद ही विदेश में भारत को बदनाम करते हैं। कुछ का मत है कि राहुल विदेश में कुछ नया नहीं कहते,वे भारत में भी यही कहते हैं। कांग्रेस के अनुसार समस्या चुनावी प्रक्रिया में है, न कि आलोचना में। कांग्रेस इसे साइलेंट करने की कोशिश बताती है। और सच भी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नेता प्रायः विदेश में अपनी सरकार की आलोचना करते हैं, और यह 'फ्री स्पीच' का हिस्सा माना जाता है। इससे देश की बदनामी नहीं होती, बल्कि इससे किसी भी देश के लोकतान्त्रिक मूल्य नजर आते हैं। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी कि ऐसे भी कोई प्रमाण नहीं है कि विदेश में की गयी राहुल की बातों से भारत की अर्थव्यवस्था, निवेश या कूटनीति पर कभी कोई नकारात्मक प्रभाव पड़ा हो। सरकार खुद ही तो बताती रहती है कि भारत की जी डी पी ग्रोथ और ग्लोबल रैंकिंग मजबूत बनी हुई है?

इसी तरह राहुल गांधी व कांग्रेस के कई नेता नरेंद्र मोदी पर भी यह आरोप लगा चुके हैं कि वे विदेशी धरती पर भारत या पिछले 70 वर्षों के शासन की आलोचना कर देश को बदनाम करते हैं। नरेंद्र मोदी ने 2014 से 2023 के दौरान देश विदेश में कई बार यह दोहराया कि पिछले 70 सालों में भारत में कुछ खास नहीं हुआ, पहले लोग भारत में जन्म लेना दुर्भाग्य मानते थे, या 70 साल में विकास नहीं हुआ₹। इसी तरह मोदी ने 2022 में रूस में एक कार्यक्रम में भारत के पिछड़ापन, गरीबी या पिछली सरकारों की कमियों पर बात की थी। अमेरिका, यूके या अन्य देशों में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी ने अक्सर पूर्व सरकारों की कमजोर विदेश नीति, उनके घोटालों या उस दौर में विकास की कमी पर जोर दिया है । कांग्रेस भी मोदी की इन बातों को भारत की बदनामी₹ बताती है। कांग्रेस के अनुसार, मोदी ने कम से कम 4-5 बार विदेश में ऐसा कहा कि कांग्रेस शासन में भारत को दुनिया ने गंभीरता से नहीं लिया या पिछले शासकों ने देश को कमजोर बनाया आदि । कांग्रेस इसे भारत और भारतीयों खास तौर से पिछली पीढ़ियों का अपमान मानती है, क्योंकि यह कांग्रेस के शासन काल को नकारात्मक रूप से पेश करता है। राहुल गांधी ने 2023 में लंदन में कहा भी था कि मोदी खुद विदेश में भारत को बदनाम करते हैं, क्योंकि वे हर भारतीय, उनके माता-पिता और दादा-दादी का अपमान करते हैं। ऐसे में यह समझना भी जरूरी है कि दरअसल सत्ता व विपक्ष के उपरोक्त आरोपों प्रत्यारोपों से ही देश की बदनामी होती है या फिर इसतरह के आरोप प्रत्यारोप ही एक दूसरे नेताओं व उनके दलों को नीचा दिखाने व उन्हें जनता में बदनाम करने जैसा एक षड्यंत्र मात्र है ? या फिर वास्तव में जनता को इस तरह की बहस में उलझाकर उन वास्तविक समस्याओं व विषयों पर पर्दा डालने का प्रयास है जिससे हकीकत में देश की बदनामी होती है ? क्या गलत कहते है राहुल गांधी कि चुनाव आयोग संदिग्ध है ? वे चुनाव आयोग सामने कितने सबूत पेश कर चुके जिनका कोई जवाब नहीं आया ? क्या देश के अनेक महत्वपूर्ण संस्थानों व संसाधनों पर अडानी का कब्जा नहीं होता जा रहा ? क्या सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग विपक्ष को परेशान करने के लिये नहीं किया जा रहा ? जब देश में मॉब लिंचिंग होती है तो क्या देश की बदनामी नहीं होती ? देश में सत्तारूढ़ दल की ओर से मंत्री व मुख्यमंत्री स्तर के लोग खुले आम साम्प्रदायिकता फैलाने वाली बातें कर ओछी राजनीति करते हैं तो क्या देश की बदनामी नहीं होती? देश की राजनीति को संविधान से अलग हटकर सांप्रदायिकता के रंग में चलाने के प्रयास क्या देश की बदनामी का कारण नहीं? कितने लुटेरे जिनमें अधिकांश गुजराती, देश की अरबों रुपये लूटकर विदेशों में बैठे हैं क्या यह बदनामी की वजह नहीं? देश के सर्वोच्च धर्माधिकारी शंकराचार्य जी को व उनके सहयोगियों को संगम तट पर मारा पीटा गया क्या वह देश की बदनामी की वजह नहीं ? नकली डिग्री धारक लोग सत्ता में सर्वोच्च पदों पर बैठे हों,यह बदनामी की बात नहीं ? संसद विधानसभा व मंत्रिमंडल में भ्रष्ट,बलात्कारियों व अन्य अपराधियों का शामिल होना क्या बदनामी की बात नहीं ? गाँधी के हत्यारों का महिमामंडन क्या देश की बदनामी नहीं ? सत्ता द्वारा बलात्कारियों व अपराधियों को संरक्षण क्या बदनामी की वजह नहीं ? बड़ा आश्चर्य है कि देश की बदनामी इबारत लिखने वालों को ही देश की बदनामी का दर सताता रहता है?

# ज्ञान, स्क्रीन और संवेदना का संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या, अब भी मन लाचार- यह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है, उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं, दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूद या शायद इसी कारण मनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचैन दिखाई देता है। आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं बल्कि विवेक, संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है। स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं, हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल, लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ, गंभीरता और सतहीपन, संवेदना और सनसनी- सब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सतविचार, जो समय, मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं, धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं। आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाजें चिल्ला रही हैं-कॉल, मैसेज, वीडियो, मीटिंग्स, रील्स- हर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है, भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता तो वह धीरे-धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता, ऑनलाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता- ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं। हम बोलना जानते हैं पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं, न अपने मन की बेचैनी समझ पाते हैं। संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार- विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है।

विज्ञान ने निःस्संदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण, संचार की गति, यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमता- इन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी पर संयम नहीं सिखाया। गति दी पर विराम नहीं। साधन दिए पर मयार्दा नहीं। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है और विवेक का विकास मशीनों से नहीं मानवीय मूल्यों से होता है। हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज है पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है। इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं सुनने की कला बनाना होगा। ज्ञान को आत्मचिंतन से जोड़ना होगा और विज्ञान को नैतिकता के साथ संतुलित करना होगा। परिवार, शिक्षा और समाज-तीनों स्तरों पर यह पुनर्संरचना आवश्यक है। बच्चों को केवल स्मार्ट नहीं संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धा का मैदान नहीं बल्कि मानवीय विकास का माध्यम बनाना होगा। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि गति के साथ ठहराव भी उतना ही आवश्यक है। आज आवश्यकता किसी नए आविष्कार की नहीं बल्कि पुरानी मानवीय समझ की पुनर्स्थापना की है। तकनीक हमारे जीवन का साधन बने, लक्ष्य नहीं। संवाद शोर नहीं, सेतु बने। ज्ञान केवल बढ़े नहीं, मनुष्य को बेहतर बनाए। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए तो आने वाली पीढ़ियाँ शायद अत्यंत उन्नत होंगी पर भीतर से और भी अधिक लाचार।

## दैनिक पंचांग

**2 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

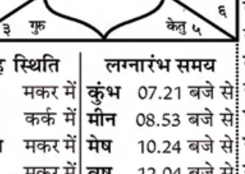


| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मकर में | कुंभ | 07.21 बजे से |
| चंद्र | कर्क में | मीन | 08.53 बजे से |
| मंगल | मकर में | मेष | 10.24 बजे से |
| बुध | मकर में | वृष | 12.04 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | मिथुन | 14.02 बजे से |
| शुक्र | मकर में | कर्क | 16.16 बजे से |
| शनि | मीन में | सिंह | 18.32 बजे से |
| राहु | कुंभ में | कन्या | 20.44 बजे से |
| केतु | सिंह में | तुला | 22.54 बजे से |
| **राहुकाल** | | वृश्चिक | 01.09 ब.से |
| 7.30 से 9.00 | | धनु | 03.25 बजे से |
| बजे तक | | मकर | 05.30 बजे से |

**सोमवार** 2026 वर्ष का 33 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
**पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 01.53 बजे रात्र को समाप्त।
**नक्षत्र** आश्लेषा 22.48 बजे को समाप्त।
**योग** आयुष्मान 07.21 बजे तदनन्तर सौभाग्य 04.46 बजे प्रातः को समाप्त।
**करण** बालव 14.42 बजे तदनन्तर कौलव 01.53 बजे रात्र को समाप्त।
**चन्द्रायु** 14.2 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 16° 52'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872608
**जूलियन दिन** 2461073.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** सावान **तारीख** 13

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

# राजमहल की उत्तरवाहिनी गंगा में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, मरांग बुरू का जलाभिषेक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** झारखंड राज्य के साहिबगंज जिले के राजमहल में आयोजित राजकीय माघी पूर्णिमा मेला 2026 के अवसर पर रविवार को उत्तरवाहिनी गंगा तट आस्था और श्रद्धा का विशाल केंद्र बन गया। झारखंड के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और नेपाल से आए लाखों आदिवासी एवं गैर-आदिवासी श्रद्धालुओं ने गंगा के विभिन्न घाटों पर पावन स्नान कर पुण्य अर्जित किया। पूरे क्षेत्र में हर-हर गंगे और पारंपरिक आदिवासी मंत्रोच्चार की गूंज सुनाई देती रही।

उत्तरवाहिनी गंगा तट पर अस्थायी अखाड़ागंगा तट पर विदिन समाज सुसार बैसी की ओर से पारंपरिक अखाड़ा के साथ अस्थायी मांझी थान और जाहेर थान का निर्माण किया गया। धर्मगुरु अभिराम मरांडी और भुगलू मरांडी के नेतृत्व में समाज के अनुयायियों ने गंगा स्नान के बाद मांझी थान में मरांग बुरू को स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान पूरे परिसर में आदिवासी संस्कृति की झलक देखने को मिली।

**गंगा स्नान के बाद सूर्य देव 'चांदो बोंगा' की विशेष आराधना**

आदिवासी श्रद्धालु गंगा की पावन धारा में स्नान कर पीतल के लोटे में जल भरते हैं और गंगा में खड़े होकर सफा होड़ समुदाय द्वारा सूर्य देव 'चांदो बोंगा' की सामूहिक पूजा करते हैं। मान्यता है कि सूर्य देव के बिना पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है और हर जीव में उन्हीं की कृपा निहित है। माघी पूर्णिमा के दिन श्रद्धालु 24 घंटे का उपवास रखते हैं, रात भर जागरण करते हैं और भोर में सूर्य को जल अर्पित करते हैं।

**शिव-पार्वती और जाहेर आयो को जल अर्पण की परंपरा**

सूर्य पूजन के पश्चात श्रद्धालु अपने-अपने धर्मगुरुओं के अखाड़ों में पहुंचते हैं। यहां अस्थायी रूप से स्थापित मांझी थान में शिव-पार्वती और जाहेर थान में जाहेर आयो को गंगाजल अर्पित किया जाता है। श्रद्धालु समृद्धि, खुशहाली और निरोगी जीवन की कामना करते हैं। यह पूरी प्रक्रिया सामूहिक और अनुशासित रूप से संपन्न होती है।

**साफा होड़ समुदाय की विशिष्ट धार्मिक पहचान**

साफा होड़ समुदाय संथाल समाज का ही एक अंग है, लेकिन उनकी धार्मिक मान्यताएं कुछ अलग हैं। जहां पारंपरिक संथाल धर्म में मरांग बुरू, जाहेर एरा, गोसाईं एरा और मोड़ें के तुरुई को प्रमुख देवता माना जाता है, वहीं साफा होड़ समुदाय सूर्य देव, विष्णु, महेश, शिव और राम को भी मान्यता देता है। यह समुदाय विशुद्ध संथाल परंपरा के भीतर रहकर एकेश्वरवाद की अवधारणा को अपनाता है।

**सादा जीवन, शुद्ध आचरण और नशामुक्त समाज का संदेश**

साफा होड़ समुदाय सादा जीवन और शुद्ध आचरण के लिए जाना जाता है। यह समुदाय मांस भक्षण, मदिरापान और धूम्रपान से परहेज करता है। सादा वस्त्र, सरल खान-पान और अनुशासित जीवनशैली इसकी पहचान है। समुदाय के लोग दूसरों के घरों में भी सहजता से भोजन नहीं करते और आत्मसंयम को सर्वोच्च मानते हैं।

## एक नजर

### वाई पट्टी के पास अज्ञात बुजुर्ग महिला का शव बरामद, हाथी हमले की आशंका

**पूर्वी सिंहभूम :** पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया थाना क्षेत्र में रविवार सुबह हवाई पट्टी के समीप एक अज्ञात बुजुर्ग महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला की मौत के कारणों को लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है, हालांकि प्रथम दृष्या हाथी के हमले में मौत की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद थाना प्रभारी संतोष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है, ताकि मृत महिला की पहचान और यह पता लगाया जा सके कि वह हवाई पट्टी के पास कैसे पहुंची। शव के पास से नीले रंग का एक बैग भी बरामद किया गया है, जिसके आधार पर महिला की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

### भाजपा से मानगो मेयर सीट जदयू के लिए छोड़ने का आग्रह

**पूर्वी सिंहभूम :** जनता दल ने मानगो नगर निगम चुनाव को लेकर मेयर पद पर अपना दावा किया है। जदयू ने भारतीय जनता पार्टी से यह आग्रह किया है कि एनडीए के घटक दल के रूप में यह सीट जदयू के लिए छोड़ी जाए, ताकि पार्टी अपने सशक्त उम्मीदवार को मैदान में उतार सके। जदयू का कहना है कि उसके पास मानगो मेयर पद के लिए एक से अधिक मजबूत दावेदार मौजूद हैं, जिनके आधार पर एनडीए की जीत सुनिश्चित की जा सकती है। रविवार को जनता दल , जमशेदपुर महानगर के प्रमुख नेताओं ने जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय से उनके आवासीय कार्यालय पर मुलाकात की और इस संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुलाकात करने वालों में पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष अजय कुमार, कुलविंदर सिंह पन्नू तथा युवा जदयू के जिला अध्यक्ष नीरज सिंह शामिल थे। बैठक में जदयू नेताओं ने स्पष्ट रूप से मांग रखी कि मानगो नगर निगम के मेयर पद की सीट जनता दल (यूनाइटेड) को दी जाए। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि एनडीए की ओर से मेयर पद के लिए एक ही उम्मीदवार मैदान में उतरे, जो संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक आधार, जनसमर्थन और कार्यकर्ता बल के साथ चुनाव लड़े। जदयू नेताओं ने कहा कि यदि एनडीए एकजुट होकर सशक्त प्रत्याशी उतारता है तो जीत सुनिश्चित की जा सकती है। विधायक सरयू राय ने बैठक के दौरान जानकारी दी कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू से इस विषय को लेकर बातचीत हुई है और इस पर भाजपा नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह जदयू कार्यकताओं की भावना और मांग को भाजपा नेतृत्व के समक्ष मजबूती से रखेंगे तथा इस मुद्दे पर आदित्य साहू से पुन: चर्चा करेंगे। बैठक में शामिल नेताओं ने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन जदयू की संगठनात्मक शक्ति, सामाजिक सरोकार और जनाधार को ध्यान में रखते हुए मानगो मेयर सीट को लेकर न्यायोचित और सम्मानजनक निर्णय लेगा। इस दौरान नेताओं ने पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता पर भी तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि वह अपनी पत्नी को ढाल बनाकर निर्लज्जता पूर्वक मानगो नगर निगम का मेयर चुनाव लड़ रहे हैं।

# परसुडीह में गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 2.070 किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, साथी फरार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पूर्वी सिंहभूम :** जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद आरोपित को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम कीताडीह स्थित रेलवे अस्पताल के पीछे छापेमारी कर जुगसलाई महतो पाड़ा रोड निवासी शेख यासीन उर्फ बब्बन को धर दबोचा गया। उसके पास से 2.070 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसे वह सप्लाई के लिए ले जा रहा था। परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। पुलिस को देखते ही मौके पर मौजूद दो युवक भागने लगे, जिनमें से एक को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपित की उम्र करीब 35 वर्ष बताई गई है। थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूछताछ में शेख यासीन ने फरार युवक का नाम शेख अशफाक बताया है, जो उसी इलाके का निवासी है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है और यह भी पता लगा रही है कि गांजा कहां से आया और किन इलाकों में सप्लाई किया जाना था। अदालत के आदेश पर आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

# पाकुड़ डीपीएस स्कूल उपद्रव मामलें में एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पाकुड़ :** जिले में विगत दिनांक-27.01.2026 को सुबह समय करीब 09.00 बजे गांधी चौक, गढ़ा मस्जिद के सामने सडक दुर्घाटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई हैं। सूचना के आधार पर घटनास्थल पर उपस्थित स्थानीय लोगो के द्वारा मृतक के शव को सहक से हटाने नहीं दिया जा रहा था तथा प्रशासनिक एवं पुलिस कार्रवाई में जानबुझकर बाधा उत्पन्न की जा रही थी। उक्त सूचना प्राप्त होते ही वरीय पुलिस पदाधिकारी को सूचना देते हुए पुलिस निरीक्षक-सह-थाना प्रभारी एवं थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल घटनास्थल पर पहुँचे। घटनास्थल पर पहुँचने पर पाया गया कि बडी संख्या में लोग एकत्रित होकर उत्तेजित अवस्था में थे एवं मृतक के शव को घटनास्थल से उठाने नही दिया जा रहा था, तथा यातायात को पूर्णतः बाधित कर दिया। वहीं अन्य वरीय पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा घटनास्थल पर उपस्थित लोगो को शांतिपूर्वक समझाया गया परन्तु कुछ असामाजिक एवं उकसाये वाले तत्वों द्वारा जानबुझकर भीड़ को भड़काया गया, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। उक्त तत्वों द्वारा लाठी-डंडा, हरवे हथियार लेकर पुलिस एवं प्रशासन के विरूद्ध आपत्तिजनक नारेबाजी प्रारंभ कर दी गई तथा देखते-देखते करीब 500-600 व्यक्तियों का अवैध एवं उग्र जमावड़ा बन गया तथा उक्त भीड द्वारा मुख्य मार्गों को पूर्णतः अवरूद्ध कर दिया गया। भीड द्वारा आसपास के दुकानदारों को भयभीत कर दुकानों को जबरन बंद कराई गयी जिससे शहर का समान्य जन-जीवन पूरी तरह ठप हो गया।

# साहिबगंज एवं तीनपहाड़ रेलवे स्टेशनों पर रेलवन ऐप के माध्यम से डिजिटल टिकटिंग जागरूकता अभियान चलाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** डिजिटल इंडिया मिशन की भावना के अनुरूप, पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा में वृद्धि हेतु डिजिटल सेवाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है।मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन तथ कार्तिक सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा के पर्यवेक्षण में 01 फरवरी 2026 को साहिबगंज एवं तीनपहाड़ रेलवे स्टेशनों पर रेलवन ऐप डिजिटल टिकटिंग जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यात्रियों को भारतीय रेल के एकीकृत ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म रेलवन ऐप के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से अनेक यात्री सुविधाएं एक ही मोबाइल एप्लिकेशन पर उपलब्ध हैं। इस अवसर पर वाणिज्य निरीक्षकों एवं टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा यात्रियों से संवाद स्थापित कर उन्हें रेलवन ऐप डाउनलोड करने, मोबाइल में इंस्टॉल करने तथा पंजीकरण प्रक्रिया को मौके पर ही पूर्ण कराने में सहयोग प्रदान किया गया। यात्रियों को ऐप के माध्यम से टिकट बुकिंग की सरल एवं चरणबद्ध जानकारी भी दी गई।अभियान के दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों के मोबाइल फोन में स्वयं ऐप डाउनलोड कराकर उनका सफल पंजीकरण कराया गया तथा ऐप के उपयोग में आने वाली आवश्यक जानकारियाँ व्यावहारिक रूप से समझाई गईं। इस पहल के माध्यम से आसान, कागजरहित, नकदरहित एवं कतार-मुक्त टिकटिंग प्रणाली के लाभों पर विशेष जोर दिया गया। अभियान के दौरान रेलवन ऐप की प्रमुख विशेषताओं एवं लाभों से यात्रियों को अवगत कराया गया। एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से आरक्षित एवं अनारक्षित टिकटों की बुकिंग, लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, पीएनआर स्थिति एवं कोच पोजीशन की जानकारी, प्लेटफॉर्म टिकट की डिजिटल बुकिंग सुविधा, डिजिटल भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकटों पर 3% की छूट, आर-वॉलेट रिचार्ज पर 3% बोनस की सुविधा, खानपान सेवाएं, रिफंड आवेदन, रेल मदद एवं यात्रा फीडबैक की सुविधा।

# टाटा स्टील ने कोल टॉवर का सफलतापूर्वक किया ध्वस्तीकरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पूर्वी सिंहभूम :** टाटा स्टील ने रविवार को जमशेदपुर स्थित अपने कोक प्लांट में बैटरी नंबर-7 के पुराने और अनुपयोगी कोल टॉवर का नियंत्रित तरीके से सफलतापूर्वक ध्वस्तीकरण किया। यह ध्वस्तीकरण दोपहर 12:05 बजे उन्नत और विश्व स्तर पर प्रमाणित नियंत्रित विध्वंस तकनीक के माध्यम से किया गया। यह कार्रवाई टाटा स्टील की उस निरंतर पहल का हिस्सा है, जिसके तहत पुरानी औद्योगिक संरचनाओं को योजनाबद्ध, वैज्ञानिक और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार तरीके से सुरक्षित रूप से हटाया जा रहा है। पूरे ऑपरेशन को अत्यंत सुचारू ढंग से अंजाम दिया गया और सभी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया गया, जिससे किसी भी कर्मचारी, संयंत्र संचालन या आसपास की सुविधाओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। नियंत्रित ध्वस्तीकरण का कार्य एडिफाइस इंजीनियरिंग इंडिया की ओर से किया गया, जो जटिल ध्वस्तीकरण परियोजनाओं को संभालने में वैश्विक अनुभव रखने वाली एक विशेषज्ञ एजेंसी है। इस दौरान पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम रखने के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग किया गया, साथ ही उच्चतम सुरक्षा मानकों को भी सुनिश्चित किया गया। इस गतिविधि से पहले संबंधित प्राधिकरणों से सभी आवश्यक वैधानिक अनुमतियां और अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिए गए थे। पूरे ऑपरेशन के दौरान व्यापक सुरक्षा, संरक्षा और आपातकालीन तैयारियों की व्यवस्था की गई थी।

# जिला खनन टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पाकुड़ :** ज़िले के समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध कोयला, पत्थर एवं बालू खनन, अवैध भंडारण तथा अवैध खनिज परिवहन की रोकथाम हेतु चल रहे अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सतत एवं सख्त अभियानात्मक कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन के मामलों में जिला प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी, पाकुड़ द्वारा जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 99.01 प्रतिशत खनन राजस्व की वसूली की गई। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित 1770.12 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 31 जनवरी 2026 तक 1712.5 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है, जो लक्ष्य का 96.74 प्रतिशत है। इस पर संतोष व्यक्त करते हुए उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि पत्थर खनिज के क्षेत्र में राजस्व वसूली को और अधिक सुदृढ़ करते हुए लक्ष्य से अधिक समाहरण सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, खनन निरीक्षक एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि अवैध खनन एवं खनिज परिवहन से जुड़े सभी मामलों में अभियान चलाकर प्राथमिकी दर्ज करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अमड़ापाड़ा एवं महेशपुर क्षेत्र में लगातार विशेष अभियान संचालित कर अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम हेतु विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। थाना प्रभारी, सिमलौंग को भी विशेष अभियान चलाकर कोयला एवं बालू के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने अपर समाहर्ता, जिला खनन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि जिन खनन पट्टों की अवधि समाप्त हो चुकी है, उनकी जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित क्षेत्रों में अवैध खनन कार्य संचालित न हो रहा हो। यदि ऐसा पाया जाता है तो दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया गया कि मालपहाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत चेंगाडांगा क्षेत्र से होकर गुजरने वाले खनिज लदे वाहनों की जांच हेतु आगामी 10 फरवरी तक उपयुक्त स्थान पर नया चेकनाका स्थापित किया जाए। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से श्रम अधीक्षक, संबंधित अंचलाधिकारी, खान निरीक्षक एवं थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया कि जिले में संचालित बंगला ईंट भट्ठों की संयुक्त जांच की जाए तथा अवैध कोयला उपयोग अथवा बाल श्रम पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, मुख्यालय डीएसपी, एसडीपीओ महेशपुर, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, खनन निरीक्षक एवं सभी थाना प्रभारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

## संक्षिप्त खबरें

### माघी काली मां का पूजा भव्य रूप से मनाया

**साहिबगंज :** जिला के जिरवाबाड़ी तुरी टोला क्षेत्र अंतर्गत माघी काली पूजा का भव्य आयोजन किया गया। वही मंदिर के भगत जितेंद्र कुमार तुरी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि माघी काली मंदिर का स्थापना 2003 में हुआ है और हर साल माघी काली पूजा का आयोजन माघी पूर्णिया में भव्य रूप से किया जाता है। वही इस साल भी रविवार 30 जनवरी 2026 को माघी काली मां का पट खुला और 31 जनवरी को रात्रि में निशा पूजा का आयोजन भगत जितेंद्र कुमार तुरी के द्वारा किया गया। जहां 1 फरवरी को गंगा से स्नान कर बली पूजन एवं हवन किया गया और पूजा देखने के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ से मंदिर खचाखच भरा हुआ था। पूजा संपन्न होने के बाद संध्या में बली प्रसाद खाने के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ पड़ी। जहां 2 फरवरी को मेला में काली मां की प्रतिमा को देखने के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ से भरा रहेगा। वही मंदिर के भगत ने बताया कि 3 फरवरी को प्रतिमा दिन में ही उठेगा और पूरे मोहल्ले में घूमाते हुए क्वार्टरगंज रोड होते हुए कॉलेज रोड, बड़तल्ला रोड होते हुए शकुंतला गंगा घाट में प्रतिमा का विसर्जन संध्या में किया जाएगा। हर साल मंदिर के भगत जितेंद्र कुमार तुरी अपने हाथों से ही माघी काली मां का प्रतिमा बनाते हैं। मंदिर के भगत के हाथों में कला का अद्भुत वास है और उनके गला में भी सरस्वती का वास है। जो भी श्रद्धालु अपने जीवन में दुखी होकर मंदिर में भगत के पास जाते हैं, भगत सभी का निस्वार्थ भाव से उधार करते हैं और सही रास्ता पर सभी को चलने के लिए बताते हैं। भगत अपना जीवन काली मां के चरणों एवं भक्ति में समर्पित कर दिया है।

### कोटालपोखर में नाबालिग किशोरी पर जानलेवा हमला, अज्ञात व्यक्ति फरार

**साहिबगंज :** जिले के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर नाबालिग किशोरी पर जानलेवा हमला किया। घटना बीते दिन शुक्रवार की रात्रि करीब 07:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कोटालपोखर निवासी हिना माली की पुत्री नेहा कुमारी उस समय घर के किचन में खाना बना रही थी, जबकि छोटा भाई मोबाइल पर गेम खेल रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने आंगन के रास्ते घर में प्रवेश कर पीछे से नेहा का सिर पकड़कर किचन के स्लैब पर जोर से पटक दिया। हमलावर ने किशोरी का स्वेटर फाड़कर उसके मुंह में ठूंस दिया और उसी स्वेटर से गला दबाते हुए उसे घसीटकर सीढ़ी तक ले गया, जहाँ वह बेहोश हो गई। कुछ देर बाद जब हिना माली शौचालय से लौटीं और बेटी को किचन में नहीं पाया, तो खोजबीन शुरू की गई। अंतत: किशोरी घर की सीढ़ी पर मूर्छित अवस्था में खून से लथपथ मिली। परिजनों ने देखा कि उसके दोनों हाथों और सिर पर धारदार नुकीले हथियार से किए गए कई जख्म के निशान थे।होश में आने के बाद नेहा कुमारी ने बताया कि हमलावर मोबाइल पर किसी से बात करते हुए कह रहा था कि आज काम नहीं हुआ, किसी ने देख लिया है, यहां से भागते हैं और इसके बाद वह छत से कूदकर फरार हो गया। किशोरी के अनुसार, सीढ़ी पर पड़ा खून हमलावर का भी हो सकता है। घटना के बाद पूरे परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़िता के पिता शंकर माली, जो घटना के समय जरूरी कार्य से अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) में थे, सूचना मिलते ही जर्नल टिकट से लंबी यात्रा कर घर लौटे।पीड़ित परिवार ने प्रशासन से घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। इस गंभीर घटना ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

### संत रविदास जयंती पर निकली शोभा यात्रा

**साहिबगंज :** माघी पूर्णिमा के मौके पर रविवार को महान संत रविदास की जयंती मनायी गयी। शहर के रसुलपुर दहला व जिरवाबाड़ी में संत रविदास की जयंती को लेकर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रसुलपुर दहला से संत रविदास समिति की ओर से भव्य शोभा यात्रा निकाल नगर भ्रमण कराया गया। शोभा यात्रा में काफी संख्या में संत रविदास परिवार से जुड़े महिला व पुरुष शामिल हुए। गाजे बाजे के साथ निकली शोभा यात्रा राजेश्वरी सिनेमा रोड, दहला दुर्गा स्थान, चौक बाजार, गांधी चौक, स्टेशन चौक, कॉलेज रोड तक गया और फिर वहां से वापस लौटा। उधर, जिरवाबाड़ी से भी एक विशाल शोभा यात्रा निकाल नगर भ्रमण कराया गया। इसी क्रम में दोनों शोभा यात्रा का मिलान भी हुआ। शोभा यात्रा वापसी के बाद सभी आयोजन स्थलों पर देर रात तक भजन, कीर्तन, प्रवचन आदि चला।

### पढ़ाई और खेल विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण अंग : जोबा माझी

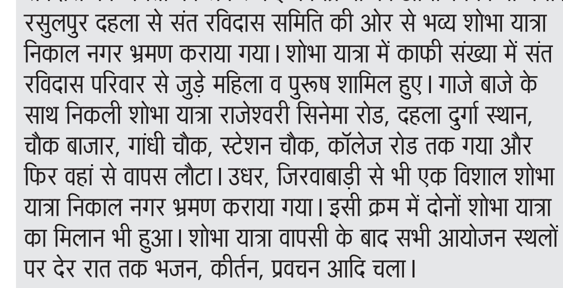


**पश्चिमी सिंहभूम :** पश्चिमी सिंहभूम जिला में सेंट जेवियर्स बालक विद्यालय में रविवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतिस्पधाओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को चार समूहों में विभाजित किया गया था। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों की ओर से मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सांसद जोबा माझी द्वारा मशाल प्रज्ज्वलन कर खेलकूद प्रतियोगिता की औपचारिक घोषणा के साथ हुई। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई और खेल दोनों ही विद्यार्थी जीवन के महत्वपूर्ण अंग हैं और दोनों में अनुशासन का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का खेलकूद थीम ल्एक विद्यालय, एक भावनाह्न सभी को एक सूत्र में बांधता है। सांसद ने प्रतिभागियों के उत्साह और प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जो विद्यार्थी अपनी गलतियों से सीख लेते हैं, वही आगे बढ़ते हैं। कार्यक्रम के दौरान आयोजित परेड मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य फादर यूजीन एक्का, फादर चौन्हास खलखो, फादर एडवर्ड सरदाना, फादर वर्णन डिसूजा, फादर निकोलस केरकेट्टा, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

# रॉयल एनफील्ड की दिसंबर की बिक्री में आया उछाल

**नई दिल्ली ।**

रॉयल एनफील्ड कंपनी फिलहाल भारतीय बाजार में 350सीसी से 650सीसी सेगमेंट तक कुल नौ मॉडल बेचती है और खास बात यह है कि लगभग सभी अपने-अपने सेगमेंट में अग्रणी बने हुए हैं। रॉयल एनफील्ड ने दिसंबर 2025 में एक बार फिर अपने सबसे लोकप्रिय मॉडल क्लासिक 350 की बदौलत मजबूत सेल्स दर्ज कीं।

इन सबमें क्लासिक 350 कंपनी के लिए 'सोने का अंडा देने वाली मुर्गी' साबित हो रही है। दिसंबर में इसकी सबसे ज्यादा 34,958 यूनिटें बिकीं, जो पिछले साल के मुकाबले 5,321 यूनिट अधिक हैं। इस मॉडल ने सालाना आधार पर 17.95फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की और 37.52फीसदी मार्केट शेयर हासिल किया। बुलेट 350 भी बिक्री में तेजी से आगे बढ़ी। दिसंबर 2025 में इसकी 24,849 यूनिटें बिकीं, जो दिसंबर 2024 की तुलना में 76.87फीसदी की ग्रोथ है। वहीं हंटर 350 ने 20,654 यूनिटों की बिक्री के साथ 50.28फीसदी की तेजी दर्ज की। मीटिओर 350 की बिक्री भी 10,097 यूनिट के साथ 58.61फीसदी बढ़ी। हालांकि हिमालयन, 650 ट्विन, गुरिल्ला और शॉटगन जैसे मॉडल इस बार पिछड़ गए। इनमें हिमालयन की 23.81फीसदी, 650 ट्विन की 48.91फीसदी, गुरिल्ला की 49.88फीसदी और शॉटगन की 42.62फीसदी की सालाना गिरावट रही। फिर भी कंपनी की कुल बिक्री बहुत मजबूत रही।

दिसंबर 2025 में रॉयल एनफील्ड ने कुल 93,177 यूनिटें बेचीं, जो दिसंबर 2024 के 67,891 यूनिट के मुकाबले 25,286 यूनिट ज्यादा हैं। यानी कंपनी ने सालाना आधार पर 37.24 फीसदी की दमदार ग्रोथ हासिल की। क्लासिक, बुलेट और हंटर ने लगातार तीसरी बार शीर्ष तीन पोजीशन पर कब्जा बनाए रखा और यह इस बात का संकेत है कि 350सीसी सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड की पकड़ अभी भी बेहद मजबूत है। इन आंकड़ों से साफ है कि कंपनी का 350सीसी पोर्टफोलियो भारतीय बाजार में लगातार भरोसे का प्रतीक बना हुआ है।

# फरवरी में बढ़ेगी गर्मी, रबी फसलों पर मंडराया खतरा

**- उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान सामान्य से अधिक, बारिश औसत से कम रहने का अनुमान**

**नई दिल्ली ।** भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने फरवरी महीने के लिए जारी मासिक पूर्वानुमान में चेतावनी दी है कि इस साल देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है, जबकि बारिश औसत से कम होने की संभावना है। खासतौर पर उत्तर-पश्चिम भारत में कम बारिश और बढ़ते तापमान से रबी की खड़ी फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताई गई है। आईएमडी के अनुसार पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में फरवरी के दौरान अधिक तापमान के कारण रबी फसलों की वृद्धि तेज हो सकती है। इससे गेहूं और जौ जैसी फसलें समय से पहले पक सकती हैं, जिसे जबरन पकाव कहा जाता है। इसका नतीजा बालियों का आंशिक रूप से बंजर होना और दानों का हल्का रहना हो सकता है, जिससे कुल पैदावार घटने की आशंका है। सरसों, चना, मसूर और मटर जैसी फसलों में सामान्य से अधिक तापमान जल्दी फूल आने और समय से पहले पकने का कारण बन सकता है। इससे फलियां पूरी तरह विकसित नहीं होंगी और बीज छोटे रह सकते हैं। साथ ही गर्म मौसम में एफिड्स और अन्य चूसने वाले कीटों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है, जो फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आलू, प्याज, लहसुन, टमाटर, फूलगोभी और बंदगोभी जैसी सब्जियों में अधिक तापमान कंद, फूल और फल विकास को प्रभावित कर सकता है।

फलों में आम, सिट्रस, केला और अंगूर में जल्दी फूल आने, असमान फल लगने और फल झड़ने की संभावना बढ़ सकती है। आईएमडी ने बताया कि उत्तर भारत में बोया गया 80 प्रतिशत से अधिक गेहूं गर्मी सहन करने वाली किस्मों का है और सिंचाई सुविधाएं भी बेहतर हुई हैं। इसके बावजूद किसानों को मौसम के अनुसार फसल प्रबंधन और कृषि विभाग की सलाह पर अमल करने की जरूरत है।

# बीएमडब्ल्यू ने इलेक्ट्रिक सेडान आई7 के साथ रचा नया इतिहास

**नई दिल्ली ।**

बीएमडब्ल्यू ने लग्जरी इलेक्ट्रिक कार बाजार में अपनी फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक सेडान आई7 के साथ नया इतिहास रच दिया है। 2.05 करोड़ रुपये की शुरुआती कीमत वाली यह कार बीएमडब्ल्यू इंडिया की लाइन-अप में सबसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेडान मानी जाती है। बीएमडब्ल्यू आई7की भारत में बिक्री 1,000 यूनिट के आंकड़े को पार कर चुकी है, जो कि कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह उन ग्राहकों के लिए डिज़ाइन की गई है, जो हाई-पर्फॉर्मेंस, अत्याधुनिक तकनीक और अल्ट्रा-लक्जरी फीचर्स वाली इलेक्ट्रिक कार की तलाश में हैं।

बीएमडब्ल्यू आई7 ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बरार के अनुसार, आई7 की बढ़ती बिक्री यह संदेश देती है कि भारत के प्रीमियम ग्राहक अब इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को पूरी तरह अपनाने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि बीएमडब्ल्यू आई7 सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है, जो डिज़ाइन, लग्जरी और एक्शन में अपनी श्रेणी की सबसे अलग पहचान बनाती है। डिजाइन की बात करें तो आई 7 एक फ्यूचरिस्टिक लुक वाली कार है, जिसमें इल्यूमिनेटेड किडनी ग्रिल, प्रीमियम ड्यूल-हेडलैंप सेटअप और दमदार रोड प्रेजेंस मिलता है। इंटीरियर में 31-इंच 8के थिएटर स्क्रीन, मसाज और वेंटिलेशन वाली रियर एक्जीक्यूटिव सीटें, कर्व्ड डिजिटल डिस्प्ले और लक्जरी फिनिश इसे एक चलते-फिरते 5-स्टार लाउंज जैसा अनुभव देती हैं। बीएमडब्ल्यू इंडिया के लिए आई 7 उसकी इलेक्ट्रिक रणनीति का केंद्र मानी जा रही है।

कंपनी अब अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार तेज़ी से कर रही है। आई 7 की सफलता यह साबित करती है कि भारत में लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और ग्राहक अब नई तकनीक और टिकाऊ मोबिलिटी को अपनाने के लिए पहले से अधिक तैयार हैं। परफॉर्मेंस की बात करें तो बीएमडब्ल्यू आई7 कंपनी की 5वीं जेनरेशन ईड्राइव तकनीक से लैस है और 449 एचपी की पावर तथा 650 एनएम का टॉर्क जेनरेट करती है। यह कार मात्र 5.5 सेकंड में 0 से 100 किमी./घंटा की स्पीड पकड़ लेती है।

# डिओ 125 स्कूटर का नया एक्स-एडिशन पेश

**नई दिल्ली ।**

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा ने अपने लोकप्रिय 125सीसी स्कूटर सेगमेंट में डिओ 125 का नया एक्स-एडिशन पेश किया है। इसमें इंजन या परफॉर्मेंस से जुड़ा कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन इसके कॉस्मेटिक अपडेट इसे स्टैंडर्ड डिओ 125 से काफी अलग और ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं। होंडा डिओ 125 एक्स-एडिशन को दो नए आकर्षक रंगों में उतारा गया है, जिनमें पियर्ल सिरेन ब्लू और पियर्ल डीप ग्राउंड ग्रे शामिल हैं। यह डुअल-टोन कलर स्कीम स्कूटर को फंकी और यूथफुल अपील देती है। बॉडी पर दिए गए नए ग्राफिक्स और रेड कलर के अलॉय व्हील्स इसके लुक में जबरदस्त कॉन्ट्रास्ट जोड़ते हैं। खासतौर पर लाल अलॉय व्हील्स इस स्कूटर को भीड़ से अलग पहचान दिलाते हैं और इसे एक स्पोर्टी कैरेक्टर देते हैं। फीचर्स के मामले में यह स्कूटर डिओ 125 के एच-स्मार्ट वैरिएंट जैसा ही है। इसमें टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, कॉल और एसएमएस अलर्ट, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। ये सभी सुविधाएं इसे रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए काफी प्रैक्टिकल बनाती हैं। इंजन की बात करें तो इसमें 123.92सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 8.19 बीएचपी की पावर और 10.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन स्मूद परफॉर्मेंस और अच्छी फ्यूल एफिशिएंसी के लिए जाना जाता है। होंडा डिओ 125 एक्स-एडिशन के आने वाले हफ्तों में भारतीय बाजार में लॉन्च होने की उम्मीद है और इसकी अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 93,000 से 93,500 रुपये के बीच हो सकती है। स्पोर्टी डिजाइन और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ यह स्कूटर युवाओं के लिए एक मजबूत विकल्प बनकर उभर सकता है। यह स्कूटर खासतौर पर युवा ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो स्टाइल, टेक्नोलॉजी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस का कॉम्बिनेशन चाहते हैं।

# शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 1546 अंक टूटा

***निफ्टी 495 अंक नीचे आया, निवेशकों के 9.55 लाख करोड़ डूबे***

**मुम्बई ।** भारतीय शेयर बाजार बजट के कारण रविवार को खुला रहा पर इस विशेष कारोबारी सत्र में भारी गिरावट रही। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट 2026 भाषण शुरु होते ही बाजार गिरने लगा और अंत तक यही स्थिति रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1546.84 अंक की गिरावट के साथ ही 80,722.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई (निफ्टी) अंत में 495.20 अंक टूटकर गिरकर 24,825.45 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनसार बजट में सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को बढ़ाने की घोषणा से बाजार में गिरावट आई है क्योंकि इससे विदेशी निवेशकों में बिकवाली की आशंका बढ़ गयी। इससे बेंचमार्क इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा गिर गए। इसके साथ ही मेटल स्टॉक्स में भारी बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कमोडिटी फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 फीसदी से बढ़ाकर 0.05 फीसदी करने की घोषणा की है। प्रस्ताव के तहत ऑप्शंस प्रीमियम पर एसटीटी को 0.1 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 फीसदी कर दिया गया है।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई का शेयर सबसे ज्यादा गिरा। इसमें 5.61 फीसदी की गिरावट रही। वहीं अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, टाटा स्टील, अल्ट्रा सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, मारुति, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर टीसीएस लगभग 2 फीसदी उछलकर बंद हुआ। इसके अलावा इंफोसिस, सन फार्मा और टाइटन के शेयरों में भी तेजी रही।

वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2.24 फीसदी नीचे आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2.73 फीसदी गिरा। आज आईटी को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स में बिकवाली हावी रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 5.57 फीसदी नीचे आया। इसके बाद निफ्टी मेटल 4.05 फीसदी, ऑटो 2.09 फीसदी, बैंक 2 फीसदी, फाइनेंशियल सर्विसेज 2.31 फीसदी, एफएमसीजी 2.29 फीसदी, रियल्टी 2.22 फीसदी नीचे आये।

वित्त मंत्री ने कहा कि हम विकसित भारत के विजन की तरफ काम करते रहेंगे। हम ग्लोबल मार्केट के साथ लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट के विजन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि हम दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की तरफ बढ़ रहे हैं।

वहीं वैश्विक स्तर पर शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुए थे। इसका कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व के पूर्व गवर्नर केविन वार्श को फेड चेयर जेरोम पॉवेल के उत्तराधिकारी के रूप में नामित करना रहा।

एसएंडपी 500 में 0.43 फीसदी की गिरावट आई जबकि डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.36 फीसदी नीचे रहा।

वहीं एशियाई बाजार भी शुक्रवार को ज्यादातर नुकसान के साथ बंद हुए थे। ।

चीन का शंघाई कंपोजिट 0.96 फीसदी गिरा, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.65 फीसदी और जापान का निक्केई 225 में 0.09 फीसदी की मामूली गिरावट रही पर दक्षिा कोरिया का कोस्पी 0.06 फीसदी टूटकर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज केंद्रीय बजट को लेकर आयोजित विशेष कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हल्की तेजी के साथ हुई।

# एक्सपोर्ट में क्रेटा-स्कार्पियो पीछे छोडा टोयोटा हायराइडर को

**नई दिल्ली ।** एक्सपोर्ट के मामले में टोयोटा हाइराइडर ने सभी मॉडलों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। हाल ही में भारतीय बाजार के बाहर सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली एसयूवी की सूची सामने आई है। बीते महीने दिसंबर 2025 में टोयोटा हायराइडर की 5,164 यूनिटें विदेश भेजी गईं, जो इसे इस सेगमेंट की सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली एसयूवी बनाता है। खास बात यह है कि देश में लगातार टॉप पर रहने वाली नेक्सन, क्रेटा और स्कॉर्पियो जैसी एसयूवी भी एक्सपोर्ट में इसके सामने टिक नहीं पाईं। दूसरे स्थान पर मारुति सुजुकी जिम्नी रही जिसकी 4,592 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। वहीं ई-विटारा की 2,724 और फ्रोंक्स की 2,390 यूनिटें विदेशों में भेजी गईं। हालांकि फ्रोंक्स ने पिछली बार की तुलना में काफी गिरावट दर्ज की। महिंद्रा की एक्सयूवी 3एक्सह्न ने 999 यूनिट एक्सपोर्ट कर अपनी मौजूदगी मजबूत की। किया सोनेट की 966 और ग्रैंड विटारा की 849 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। रेनॉ काइगर ने भी इस बार अच्छा प्रदर्शन करते हुए 751 यूनिटें एक्सपोर्ट कीं, जो पिछले साल के मुकाबले बेहतर है। क्रेटा की 511 और अल्कजार की 450 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। मारुति ब्रेजा की केवल 53 और स्कॉर्पियो की 50 यूनिटें ही विदेशी बाजार में भेजी गईं, जबकि उनके घरेलू बाजार में यह आंकड़ा बहुत बड़ा रहता है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि टोयोटा हायराइडर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

# जनवरी 2026 में जीएसटी संग्रह 1.93 लाख करोड़, मजबूत बढ़ोतरी जारी

**- जीएसटी कलेक्शन में 6.2 फीसदी की वार्षिक बढ़ोतरी**

**नई दिल्ली ।** जनवरी 2026 में भारत का कुल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह 1.93 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 6.2 फीसदी अधिक है। यह दिसंबर 2025 के 1.75 लाख करोड़ रुपये से भी ऊपर है। शुद्ध जीएसटी राजस्व करीब 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 7.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कुल जीएसटी रिफंड में 3.1 फीसदी की गिरावट हुई और यह 22,665 करोड़ रुपये पर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, रिफंड में कमी के बावजूद कर संग्रह में स्थिरता आर्थिक गतिविधियों और मजबूत टैक्स कलेक्शन को दर्शाती है। जनवरी में तंबाकू उत्पादों से उपकर 5,768 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष जनवरी के 13,009 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम है, क्योंकि सरकार ने सितंबर 2025 से विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर उपकर घटा दिया और केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर क्षतिपूर्ति उपकर लागू किया। घरेलू लेनदेन से जीएसटी संग्रह 4.8 फीसदी बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि आयात से राजस्व 10.1 फीसदी बढ़कर 52,253 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के बावजूद टैक्स कलेक्शन मजबूत बना हुआ है। दिसंबर 2025 में कुल जीएसटी संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें नेट जीएसटी 1.45 लाख करोड़ रुपये था। घरेलू जीएसटी 1.22 लाख करोड़ और आयात जीएसटी 51,977 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इस अवधि में रिफंड 28,980 करोड़ रुपये तक पहुंचा। विश्लेषक मानते हैं कि जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद संग्रह में तेजी से आर्थिक मजबूती और कर प्रशासन की दक्षता दर्शाती है।

# हुंदै मोटर इंडिया की जनवरी में बिक्री 11.5 फीसदी बढ़ी

**नई दिल्ली ।** हुंदै मोटर इंडिया ने जनवरी 2025 में कुल 73,137 इकाई की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल जनवरी में 65,603 इकाई थी। कंपनी के अनुसार यह कुल बिक्री में 11.5 प्रतिशत की मजबूत सालाना वृद्धि दर्शाती है। घरेलू थोक बिक्री जनवरी 2025 में 59,107 इकाई रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 54,003 इकाई थी। यह हुंदै के घरेलू बाजार में अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री है। निर्यात बिक्री भी मजबूत रही। जनवरी 2025 में 14,030 इकाई निर्यात की गईं, जबकि जनवरी 2024 में यह संख्या 11,600 इकाई थी, यानी लगभग 21 फीसदी वृद्धि। हुंदै मोटर इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि ये आंकड़े सिर्फ ब्रांड नेतृत्व नहीं बल्कि कर्मचारियों, भागीदारों और ग्राहकों की सामूहिक सफलता को भी दर्शाते हैं। कुल मिलाकर हुंदै मोटर इंडिया ने जनवरी में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में मजबूत प्रदर्शन किया, जिसमें घरेलू बिक्री ने रिकॉर्ड तोड़ा और निर्यात में भी महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज हुई।

# बाजार में जोरदार गिरावट से निवेशकों को 16 लाख करोड़ का नुकसान

**- बाजार का मार्केट कैप बजट वाले दिन घटकर 4,44,34,637.85 करोड़ रुपए रह गया**

**मुंबई ।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार बजट पेश किए जाने के बाद भारतीय शेयर बाजार में रविवार, 1 फरवरी को इंट्राडे कारोबार के दौरान जोरदार गिरावट देखने को मिली। अचानक मार्केट क्रैश के कारण निवेशकों के 16 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बजट में राजकोषीय अनुशासन के साथ आर्थिक विकास पर जोर दिया गया लेकिन सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में बढ़ोतरी के प्रस्ताव से बाजार की धारणा कमजोर पड़ गई। बजट के दिन विशेष कारोबारी सत्र में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स एक समय 2,400 अंक तक टूट गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 79,899.42 अंक के दिन के निचले स्तर तक फिसल गया। सुबह सेंसेक्स 82,388.97 अंक पर खुला था और शुरुआती कारोबार में 82,726.65 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में भी भारी दबाव देखने को मिला। निफ्टी 50 इंडेक्स में कारोबार के दौरान करीब 749 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 24,571.75 अंक के निचले स्तर तक आ गया। बाजार में आई इस तेज गिरावट का मुख्य कारण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस कारोबार पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रहा। बजट में फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 फीसदी से बढ़ाकर 0.05 फीसदी करने और ऑप्शंस ट्रांजैक्शन पर एसटीटी को 0.01 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा गया है। इस घोषणा के बाद एफएंडओ से जुड़े शेयरों में तेज बिकवाली देखी गई। बाजार में आई गिरावट का सीधा असर निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, 30 जनवरी को बाजार का कुल मार्केट कैप 4,60,02,240.35 करोड़ रुपए था, जो बजट वाले दिन घटकर 4,44,34,637.85 करोड़ रुपए रह गया।

# वित्तमंत्री सीतारमण ने MSME के लिए 10,000 करोड़ रु मुहैया कराने साथ 4 उपायों का रखा प्रस्ताव

**नई दिल्ली ।**

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है। संसद में आज बजट 2026-27 में कहा कि सरकार तीन कर्तव्यों से प्रेरित है। इनमें से पहला कर्तव्य- आर्थिक विकास को गति देते हुए इसे निरंतर कायम रखना है तथा उत्पादकता व प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हुए अस्थिर वैश्विक स्थिति के इस दौर में मजबूती कायम रखना है।

सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को विकास का मत्वपूर्ण इंजन करार देते हुए वित्त मंत्री ने इसके विकास के लिए तीन सूत्रीय दृष्टिकोण का प्रस्ताव रखा। इनमें पहला इक्विटि समर्थन है जिसमें उन्होंने लघु तथा मध्यम उद्यम के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए का एक समर्पित निधि का प्रस्ताव रखा है। इसके अंतर्गत चुनिंदा मानकों पर भविष्य में उत्कृष्ट उद्यमों का सृजन करना है। वित्त मंत्री ने वर्ष 2021 में स्थापित आत्मनिर्भर भारत कोष में बढ़ोतरी के लिए 2,000 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा है, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमों को मदद पहुंचाना और जोखिम पूंजी तक उनकी पहुंच बनाए रखना है। व्यवसायगत सहायता पर बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि खासकर टियर-2 और टियर-3 नगरों में 'कॉर्पोरेट मित्रों' के समूह का विकास के लिए के लिए अल्पावधि की मॉड्यूलर पाठ्यक्रमों और व्यवहारिक टूल्स की डिजाइन के लिए सरकार आईसीएआई, आईसीएसआई, आईसीएमएआई जैसे संस्थानों की मदद करेगी। ये यह प्रणाणित अर्ध-पेशेवर एमएसएमई को कम लागत पर अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम की व्यवस्था की है। इसकी क्षमता का पूरा फायदा उठाने के लिए उन्होंने 4 उपायों का प्रस्ताव रखा है-

**(i)** एमएसएमई से सावर्जनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा समस्त खरीदों के लिए ट्रेड्स को लेन-देन निपटान प्लेटफॉर्म के रूप में उपयोग करने का अधिदेश करना,

**(ii)** ट्रेड्स प्लेटफॉर्म पर बीजक छूट के लिए सीजीटीएमएसई के जरिये ऋण गारंटी सहायता तंत्र की शुरुआत करना,

**(iii)** एमएसएमई से सरकारी खरीदों के बारे में फाइनेंसर्स तक जानकारी साझा करने के लिए जीईएम को टीआरईडीएस को जोड़ना,

**(iv)** ट्रेड्स प्राप्तियों को आस्ति-समर्थित प्रतिभूतियों के रूप में प्रस्तुत करना। इसका उद्देश्य नगदी एवं लेनदेनों के निपटान करते हुए एक दूसरा बाजार विकसित करना है।

# ईरान और अमेरिका के बीच जंग हुई तो खतरे में पड़ जाएगी दुनिया की अर्थव्यवस्था

**तेहरान।**

मिडिल ईस्ट इस समय एक बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती तल्खी ने युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है। दोनों देशों के बीच जुबानी जंग अब सैन्य शक्ति प्रदर्शन में तब्दील हो चुकी है। ईरान ने स्पष्ट लहजे में कहा है कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मूज पर उसकी पकड़ मजबूत है और वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। दूसरी ओर, अमेरिका ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में किसी भी असुरक्षित या उकसावे वाली कार्रवाई को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। इस बढ़ते टकराव के बीच अरब देशों, अरब लीग और कई वैश्विक शक्तियों ने चिंता जताई है कि यदि हालात बिगड़े, तो इसका खामियाजा सिर्फ मिडिल ईस्ट को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

वजह ये है कि अर्थव्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित हो जाएगी। ईरान और अमेरिका के रिश्तों में यह कड़वाहट नई नहीं है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां पहले के मुकाबले अधिक विस्फोटक नजर आ रही हैं। ईरान के भीतर बढ़ता आर्थिक संकट, बेरोजगारी और मुद्रा के गिरते मूल्य ने वहां की आंतरिक स्थिति को अस्थिर कर दिया है, जिससे उपजे सरकार विरोधी प्रदर्शनों और उन पर हुई सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने मानवाधिकारों का मुद्दा गरमा दिया है। अमेरिका ने इन घटनाओं के आधार पर ईरान पर नए कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल से शुरू हुआ ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विवाद एक बार फिर केंद्र में है। अमेरिका का रुख सख्त है कि यदि ईरान वार्ता की मेज पर नहीं आता, तो उसके खिलाफ सैन्य विकल्प का उपयोग किया जा सकता है। तनाव का मुख्य केंद्र इस समय स्ट्रेट ऑफ होर्मूज बना हुआ है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ माना जाता है। दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा और भारी मात्रा में गैस इसी संकरे रास्ते से गुजरती है। सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे बड़े तेल निर्यातक इसी रूट पर निर्भर हैं। वर्तमान में ईरान की नौसेना यहां अपना वार्षिक युद्धाभ्यास कर रही है, जो दुनिया को उसकी सैन्य शक्ति दिखाने का एक तरीका है।

# तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी के दाम 49 रुपए बढ़ाए

**- दिल्ली में 19 किलो वाले गैस सिलेंडर की कीमत 1,740.50 रुपए पहुंची**

**नई दिल्ली ।** तेल कंपनियों ने रविवार को 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 49 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर 1,740.50 रुपये में मिलेगा। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर (14.2 किलो) के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस फैसले से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और कैटरिंग कारोबार से जुड़े लोगों पर सीधा असर पड़ा है। गैस महंगी होने से खाना बनाने की लागत बढ़ गई है, जिससे कारोबारियों की परेशानियां फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी तेल कंपनियां कमर्शियल गैस की कीमतें बढ़ा चुकी हैं। पिछली बार 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम में 111 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत 1,580.50 रुपये से बढ़कर 1,691.50 रुपये हो गई थी। हालांकि बीते कुछ महीनों में कमर्शियल गैस के दाम अपेक्षाकृत नरम रहे थे। अप्रैल 2025 से अब तक छह बार कीमतों में कटौती की गई थी और कुल मिलाकर 223 रुपये तक की राहत मिली थी। लेकिन अब लगातार बढ़ोतरी से एक बार फिर कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है।

# करोड़ों की इमारतें पर सर्जन, मानसिक रोग व आंख के डॉक्टर नहीं; अस्पताल की इस हालत का कौन है जिम्मेदार

पटना बाढ़ अनुमंडल में करोड़ों रुपये खर्च कर बने अस्पतालों के बावजूद स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं। डॉक्टरों और सुविधाओं की कमी के कारण पीएचसी, सीएचसी और अनुमंडलीय अस्पताल केवल रेफर सेंटर बनकर रह गए हैं, जिससे मरीजों को इलाज के लिए पटना भेजा जा रहा है। बाढ़ अनुमंडल में स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए करीब 50 करोड़ रुपये खर्च कर पीएचसी, सीएचसी और अनुमंडलीय अस्पतालों की इमारतें तो खड़ी कर दी गईं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये सभी स्वास्थ्य संस्थान केवल रेफरल अस्पताल बनकर रह गए हैं। गंभीर ही नहीं, बल्कि सामान्य मामलों के मरीजों को भी तत्काल पटना रेफर कर दिया जाता है। इसके चलते इलाज में देरी से कई मरीजों की रास्ते में या इलाज के दौरान मौत हो रही है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग व्यवस्था सुधारने में नाकाम नजर आ रहा है। सुविधाओं का घोर अभाव

अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ पर करीब 10 लाख आबादी की स्वास्थ्य जिम्मेदारी है। यहां हर महीने सैकड़ों पोस्टमार्टम होते हैं, लेकिन ओपीडी में इलाज कराने वाले मरीजों के लिए अल्ट्रासाउंड, दांतों का एक्स-रे, आंखों की जांच जैसी बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। इमरजेंसी में भी प्राथमिक उपचार के अलावा कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। शरीर के किसी हिस्से में हल्की चोट या फ्रैक्चर होने पर भी मरीजों को पटना रेफर कर दिया जाता है। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से बने नए भवन में सुविधाओं के अभाव के कारण मरीज निजी अस्पतालों का रुख करने को मजबूर हैं। प्रसव सेवाएं भी बेहाल अस्पताल के प्रसव विभाग में सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। केवल सामान्य प्रसव के मामलों को रखा जाता है, जबकि थोड़ी भी जटिलता होने पर महिलाओं को रेफर कर दिया जाता है। आरोप है कि विभाग के आसपास दलाल सक्रिय रहते हैं, जो प्रसूता के परिजनों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पताल ले जाते हैं, जिससे निजी संस्थानों को मोटी कमाई होती है। डॉक्टरों की भारी कमी उपाधीक्षक विनय कुमार चौधरी ने बताया कि अस्पताल में हड्डी रोग, मानसिक रोग और नेत्र रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं हैं। एक सर्जन थे, जिनका तबादला आरा हो गया है। हड्डी रोग विशेषज्ञ ने ज्वाइन करने के बाद से अस्पताल आना ही बंद कर दिया है, जिसकी लिखित सूचना विभाग को दी जा चुकी है। सभी विभागों में डॉक्टरों की कमी को लेकर लगातार पत्राचार किया जा रहा है। गुरुवार को बाढ़ विधायक डॉ. सियाराम सिंह ने बेलछी पीएचसी का निरीक्षण किया। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं ठीक दिखाई गईं, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। 'रेफरल अस्पताल नहीं, बल्कि रेफर अस्पतालक्ष कहना चाहिए' वहीं, बाढ़ के वरिष्ठ पत्रकार सुनील कुमार अंशु ने कहा कि इसे रेफरल अस्पताल नहीं, बल्कि ह्यरेफर अस्पतालक्ष कहना चाहिए। यहां हल्के घायल मरीजों को भी सीधे पटना भेज दिया जाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल की बिल्डिंग भले ही चकाचक हो, लेकिन व्यवस्था बदहाल और बदबूदार है। मई 2024 में मुख्यमंत्री ने इस अस्पताल का उद्घाटन किया था। लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से भवन और करीब 5 करोड़ रुपये की मशीनें लगाई गईं, इसके बावजूद अस्पताल खुद बीमार है। उन्होंने आरोप लगाया कि रात के समय प्रसव विभाग में एक भी महिला डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहती। सिजेरियन की सुविधा न होने से प्रसूताओं को पटना या निजी अस्पताल जाना पड़ता है। कागजों में दो दर्जन डॉक्टर तैनात हैं, लेकिन शिफ्ट आधारित ड्यूटी के कारण कई रोगों का इलाज ओपीडी में भी संभव नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि बिना ठोस सुधार के यह अस्पताल केवल दिखावटी विकास का उदाहरण बनकर रह गया है। नेता प्रतिपक्ष ने नीतीश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सवाल पूछा है कि जंगलराज का मुद्दा उठाने वाले अब कहां हैं? उन्होंने सीबीआई जांच पर भी आशंका जताई है। की तैयारी कर रही छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में बिहार सरकार द्वारा जांच उइक को सौंपे जाने के फैसले पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष ने सरकार के इस निर्णय को राज्य की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक विफलता का प्रमाण बताया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस मामले को लेकर नीतीश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहना है कि मामले का उद्भेदन करने और दोषियों को जल्द पकड़ने के बजाय सरकार ने जांच उइकको सौंपकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है।

## नीट छात्रा मर्डर केस को लेकर तेजस्वी ने नीतीश सरकार पर अब क्या आरोप लगाया? कहा- ध्यान भटकाया जा रहा

पटना नेता प्रतिपक्ष ने नीतीश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सवाल पूछा है कि जंगलराज का मुद्दा उठाने वाले अब कहां हैं? उन्होंने सीबीआई जांच पर भी आशंका जताई है। की तैयारी कर रही छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में बिहार सरकार द्वारा जांच उइकको सौंपे जाने के फैसले पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष ने सरकार के इस निर्णय को राज्य की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक विफलता का प्रमाण बताया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस मामले को लेकर नीतीश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहना है कि मामले का उद्भेदन करने और दोषियों को जल्द पकड़ने के बजाय सरकार ने जांच उइकको सौंपकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। आरोप लगाया गया कि बिहार का प्रशासनिक ढांचा भ्रष्ट, अयोग्य और अनप्रोफेशनल हो चुका है, जो एक जघन्य अपराध की जांच तक नहीं कर पा रहा है। सीबीआई कई मामलों में अपराधियों को पकड़ नहीं पाई विपक्ष का कहना है कि यह पुलिस से अधिक राज्य की एनडीए सरकार के उस तंत्र की विफलता है, जिसे करप्ट और कंप्रोमाइज्ड बताया जा रहा है। आरोप है कि मंत्री और मुख्यमंत्री अपराधियों को पकड़ने के बड़े-बड़े दावे करते रहते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। विपक्ष ने नवरुणा कांड सहित कई पुराने मामलों का हवाला देते हुए कहा कि उइक कई मामलों में 12 से 13 वर्षों तक भी आरोपियों को नहीं पकड़ सकी और अंततः जांच बंद कर दी गई। आशंका जताई जा रही है कि ठएएळ छात्रा के मामले में भी यही स्थिति न बन जाए। ह्यजंगलराज का मुद्दा उठाने वाले नेता अब कहां हैं? नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह सवाल भी उठाया गया कि चुनाव के दौरान ह्यजंगलराज का मुद्दा उठाने वाले नेता अब कहां हैं? विपक्ष ने कहा कि बिहार में ध्वस्त होती कानून-व्यवस्था और बढ़ते अपराधों की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा। विपक्ष ने सरकार पर यह आरोप भी लगाया कि उइक जांच का फैसला हेडलाइन मैनेजमेंट का हिस्सा है, ताकि मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाया जा सके। मामले को लेकर राज्य की राजनीति और गरमाने के आसार हैं।

## भागलपुर में 24 दिन से पुलिस कर रही तलाश, एसआईटी का भी हो चुका गठन

**पटना** । भागलपुर में बबरगंज थाना क्षेत्र के वारसलीगंज और महेशपुर की रहने वाली 2 छात्राएं पिछले 24 दिनों से लापता हैं। घटना के इतने दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक लापता छात्राओं का कोई सुराग नहीं लगा पाई है। मामले में पुलिस अधीक्षक ने घटना के 8 दिन बाद एसआईटी का गठन जरूर किया, लेकिन 24 दिन बाद भी छात्राओं की बरामदगी नहीं होने से परिजन फूट-फूट कर रो रहे हैं। इधर, बीते 24 दिनों से परिजन अपनी बेटियों की तलाश में दर-दर भटकने को मजबूर हैं। बबरगंज थाना से लेकर एसपी, टीएसपी और डीएसपी कार्यालय तक लगातार चक्कर काट चुके हैं। अब परिजनों ने आईजी कार्यालय का दरवाजा भी खटखटाया है। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए लापता छात्रा सोनाक्षी के पिता सुबोध कुमार अपनी बेटी को याद कर फूट-फूट कर रो पड़े। उनका दर्द देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। उन्होंने कहा कि इतने दिन बीत जाने के बाद भी जब बच्ची का कोई पता नहीं चलता है

## हॉस्टल मालिक समेत 18 लोगों के लिए गए थे सैंपल

पटना छात्रा की मौत मामले की अब उइक जांच होगी। मुख्यमंत्री ने केंद्र से केस की उइक जांच कराने की मांग की है। डिप्टी उट सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर ये जानकारी शेयर की। राज्यपाल ने भी उइक जांच की अनुशंसा की है। बिहार पुलिस से केस में उइक की पूरी मदद करने को कहा है। हालांकि, पीड़ित परिवार उइक जांच से भी खुश नहीं है। परिवार का कहना है, ह्यहम शुरू से ही न्यायिक जांच की मांग कर रहे थे। कभी उइक जांच की मांग नहीं की। पहले रक्ळ के जरिए सबूतों को कमजोर किया गया और अब वही कमजोर केस उइक को सौंपने की तैयारी है,

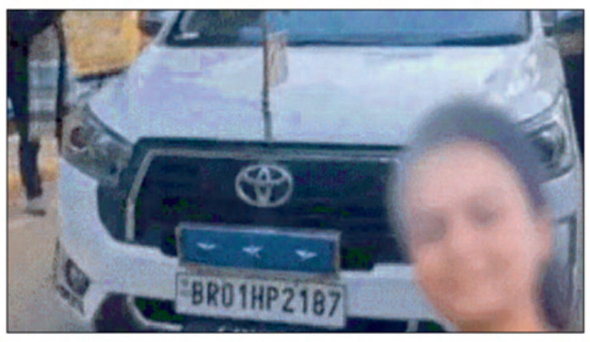



जिससे सच्चाई कभी सामने नहीं आ पाएगी। इधर, सूत्रों की माने तो उ्रअ सैंपल की रिपोर्ट भी आ गई है। रक्ळ ने 18 लोगों के सैंपल लिए थे। इनमें से किसी का उ्रअ छात्रा के कपड़ों से मिले स्पर्म से मैच नहीं हुआ है। शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष रंजन और उनके बेटे का भी उ्रअ टेस्ट में फेल हो गया। नीट छात्रा रेप-मौत केस में जांच एजेंसी ने 18 लोगों के उ्रअ सैंपल लिए थे। इनमें शंभू गर्ल्स हॉस्टल आने-जाने वाले युवक, हॉस्टल से जुड़े लोग, छात्रा को अस्पताल पहुंचाने में मदद करने वाले, परिजन और करीबी शामिल हैं। त्रह्रछ की जांच में छात्रा के कपड़ों से स्पर्म मिलने के बाद उ्रअ मिलान जांच का सबसे अहम आधार बन गया था। इसी स्पर्म के उ्रअ को सभी संदिग्ध लोगों के उ्रअ से मैच किया गया। जांच एजेंसियों का मानना था कि अगर एक भी प्रोफाइल मैच होती है तो केस की दिशा पूरी तरह साफ हो जाएगी। ठएएळ छात्रा की मौत मामले में सरकार की ओर से उइक जांच की मांग पर पीड़िता के वकील एसके पांडेय ने प्रतिक्रिया दी है।

## पटना सिटी में युवक की चाकू गोदकर हत्या

**पटना** सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र स्थित कंटाही घाट से शनिवार को एक 25 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों ने गंगा किनारे शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद आलमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 25 साल है। शव पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं, जिससे प्रथम दृष्टया चाकू गोदकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का अनुमान है कि युवक की हत्या कहीं और की गई होगी और फिर सबूत मिटाने के इरादे से शव को गंगा में फेंक दिया गया, जो कंटाही घाट के पास किनारे

आ लगा। घटनास्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) टीम को बुलाया गया, जिसने महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) भेज दिया है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों की जांच कर रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। इसके अतिरिक्त, घाट और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना से

जुड़े सुराग मिल सकें। आलमगंज थाना प्रभारी राहुल कुमार ठाकुर ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे आपसी रंजिश, लूटपाट या किसी अन्य आपराधिक कारण की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

## तेजप्रताप ने खाली किया बंगला, मंत्री बोले- पंखा-कुर्सी गायब

**पटना** । पूर्व मंत्री और खखऊ अध्यक्ष तेजप्रताप यादव ने पटना स्थित 26 एम स्टैंड रोड का सरकारी आवास खाली कर दिया है। बताया जा रहा है कि आवास में मौजूद फर्नीचर और अन्य जरूरी सामान को छफ भारत के नाम से अनीसाबाद रोड स्थित ऑफिस में शिफ्ट किया गया है। सरकारी आवास खाली होने के बाद नया विवाद सामने आया है। दरअसल, ये बंगला मंत्री लखेंद्र पासवान को अलॉट हुआ है। उनका आरोप है कि सरकारी आवास से सामान गायब है। उन्होंने बताया, 'बंगले से पंखा, कुर्सी, एसी, बल्ब तक नहीं है। सरकारी आवास में हर विधायक-मंत्री को सुविधा दी जाती है। खंडहर भवन नहीं

मिलता है, लेकिन यहां तो छत भी डैमेज है। ये आवास फिलहाल रहने लायक नहीं है, जब तक इसकी मरम्मत नहीं हो जाती। इस आवास में आपको कुछ नहीं मिलेगा। पंखा-एसी सब उजाड़ लिया गया गया। गेट के लैच तक तोड़े गए हैं। मैंने इसकी जानकारी भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों को भी दी है, उन्हें सब दिखा दिया है।' इस आयोजन में राजद सुप्रीमो और उनके पिता लालू प्रसाद यादव, पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और मंत्री भी शामिल हुए थे। इस दौरान लालू यादव ने कहा था कि उनकी बेटे से कोई नाराजगी नहीं है। जिसके बाद तेजप्रताप के लालू परिवार में वापसी की चर्चा भी होने लगी थी। 25 नवंबर को मिला था आवास खाली करने का नोटिस तेजप्रताप यादव को सरकारी आवास (26 ट स्ट्रैंड रोड, पटना) खाली करने का नोटिस 25 नवंबर 2025 को दिया गया था। महुआ सीट से 2025 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद भवन निर्माण विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया। उनके साथ ही राबड़ी देवी को भी 10 सर्कुलर रोड आवास को खाली करने का भी नोटिस दिया गया था। नियमों के अनुसार, पूर्व विधायकों को नोटिस मिलने के बाद अधिकतम एक महीने में आवास खाली करना होता है।

# डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने महारानी के चित्र पर किया माल्यार्पण, आज होगा भूमि सुधार जन कल्याण संवाद

दरभंगा दरभंगा पहुंचे उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने महारानी कामसुंदरी देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मिथिला की विरासत को विकास की नींव बताया। शनिवार को भूमि सुधार जन कल्याण संवाद में लोगों की जमीन से जुड़ी समस्याएं सुनेंगे।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा शुक्रवार देर शाम दरभंगा पहुंचे। उनके आगमन पर जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण चौधरी सहित पार्टी कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। कार्यकताओं से मुलाकात के बाद उपमुख्यमंत्री सीधे कुमार कपिलेश्वर सिंह के आवास पहुंचे, जहां उन्होंने महारानी कामसुंदरी देवी के निधन पर

शोक संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर कुमार कपिलेश्वर सिंह और राजेश्वर सिंह ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। विजय कुमार सिन्हा ने महारानी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दरभंगा महाराज की बिहार और देश के इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिस पर पूरा देश गौरवान्वित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की विरासत को विकास के साथ जोड़कर सम्मान देने का कार्य कर रहे हैं छात्रा की संदिग्ध मौत मामले में रक्ळ ने छठी बार गांव पहुंचकर की लंबी पूछताछ,

इन तथ्यों की ली जानकारी उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा शनिवार को दरभंगा में आयोजित भूमि सुधार जन कल्याण संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वे जिले के लोगों की जमीन से जुड़ी समस्याओं को सुनेंगे। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कुमार कपिलेश्वर सिंह ने कहा कि उपमुख्यमंत्री ने उनकी दादी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और दरभंगा महाराज द्वारा बिहार व देश के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने बताया कि दरभंगा के इतिहास से जुड़ी एक पुस्तक भी उपमुख्यमंत्री को भेंट की गई। पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वे मिथिला की गौरवशाली विरासत को नमन करने आए हैं।

उन्होंने कहा कि विरासत ही विकास की नींव है और जिस दिन विरासत का सम्मान शुरू हो जाएगा, उस दिन विकास की गति चौगुनी हो जाएगी। उन्होंने दोहराया कि दरभंगा महाराज की ऐतिहासिक भूमिका पर पूरा देश गर्व करता है।

## संक्षिप्त डायरी

### डॉक्टर दंपति की सड़क हादसे में मौत; पटना के रहने वाले थे चिकित्सक, अररिया से लौटते समय वैशाली में हादसा

**बिहार** की सड़कों पर रात में गाड़ी से चलना हमेशा से खतरनाक रहा है। रात में यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इस बार वैशाली में हुए हादसे में चिकित्सक दंपति की जान चली गई। दोनों अररिया से पटना आ रहे थे। बिहार के वैशाली जिला अंतर्गत सराय थाना क्षेत्र में टोल प्लाजा के पास शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हुआ। घने कोहरे के कारण एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़े कंटेनर से टकरा गई, जिसमें सवार डॉक्टर दंपति की दर्दनाक मौत हो गई। सराय थानाध्यक्ष मणि भूषण कुमार के अनुसार यह दुर्घटना सुबह करीब 4:15 बजे मुजफ्फरपुर-पटना लेन पर हुई। कोहरे के कारण दृश्यता कम थी, जिससे कार चालक सड़क किनारे खड़े कंटेनर को नहीं देख पाया और पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। राहत और बचाव कार्य सूचना मिलते ही सराय थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकालकर हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने डॉक्टर दंपति को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान अररिया सदर अस्पताल में कार्यरत डॉ. जितेंद्र प्रसाद (50) और उनकी पत्नी के रूप में हुई है। वे मूल रूप से पटना के निवासी थे और अररिया से अपने घर लौट रहे थे। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है, जो पटना से हाजीपुर के लिए रवाना हो चुके हैं।

### यहां दिखा तेज रफ्तार का कहर, ऑटो की टक्कर से मजदूर की मौत; 6 बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

सहरसा के बिहरा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार सीएनजी ऑटो की टक्कर से मजदूर फुसन दास की मौत हो गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। परिवार में कोहराम मचा है।

सहरसा जिले के बिहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सीहोर गांव में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार सीएनजी ऑटो की टक्कर से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान सीहोर वार्ड संख्या-5 निवासी 58 वर्षीय फुसन दास के रूप में हुई है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, फुसन दास शुक्रवार को बकरी चराने के लिए खेत गए थे। शाम को घर लौटने के दौरान रास्ते में एक अनियंत्रित सीएनजी ऑटो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने आनन-फानन में घायल फुसन दास को इलाज के लिए सहरसा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पैक्स अध्यक्ष जीतू सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ मृतक फुसन दास मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी तारा देवी के अलावा तीन बेटे और तीन बेटियां हैं। घर के मुखिया की अचानक मौत से पत्नी तारा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। स संबंध में बिहरा थानाध्यक्ष शशि राणा ने बताया कि सड़क हादसे में मजदूर की मौत की सूचना मिली है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त सीएनजी ऑटो को जब्त कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

### मैं थक चुकी हूंझ्रसुसाइड करने वाली टीचर की आखिरी बात

**बिहार**। अपनी ही सैलरी से अपने मायके वालों की मदद नहीं कर सकती, मेरे पिता बीमार रहते हैं, मां ने जैसेझ्रतैसे मुझे और भाई को पढ़ाया, आज मैं नौकरी करके उनकी मदद करना चाहती हूं तो ससुराल वाले ताने देते हैं। मेरी बेटी को भी नहीं दे रहे, कहते हैं पूरी सैलरी हमें दो, पति से कहती हूं कि तुम तो समझो तो वो कहते हैंझ्रतुम भाड़ में जाओ, कहीं जाकर मर जाओ, तो ठीक है, ओके..नो प्रॉब्लम..अब सब ठीक हो जाएगा ह्ल ये दर्द सुसाइड करने वाली इढरउ टीचर प्रिया भारती का है। सुसाइड से पहले उसने दो वीडियो बनाए। एक 48 मिनट और दूसरा 17 मिनट का। इन वीडियो में उसने अपनी शादी, ससुरालवाले, पति, सैलरी, बच्ची और दहेज को लेकर झेली गई प्रताड़ना की पूरी कहानी खुद रिकॉर्ड की है। पुलिस ने ये वीडियो प्रिया के भाई और परिवार वालों को दिखाए हैं। हालांकि, पुलिस ने ये वीडियो देने से मना कर दिया। भास्कर को पुलिस ने बताया कि ससुराल की प्रताड़ना से परेशान होकर महिला टीचर ने सुसाइड किया है। प्रिया पढ़ लिखकर टीचर कैसे बनी, उसके पिता को क्या बीमारी है, उसकी शादी कैसे हुई? और ससुराल में ऐसी क्या बाते हुईं कि उसने सुसाइड जैसा कदम उठा लिया प्रिया के भाई अलंकार के मुताबिक, ह्लआत्महत्या से पहले बहन को यह अंदेशा हो गया था। कुछ अनहोनी हो सकती है। इसी डर के चलते उसने वीडियो रिकॉर्ड किया, ताकि अगर उसके साथ कुछ हो जाए, तो सच्चाई सामने आ सके ह्ल अलंकार का कहना है कि शुरूआत में पुलिस वीडियो को लेकर कोई जानकारी नहीं दे रही थी। बार-बार कहने के बाद पुलिस ने कहा कि वीडियो बेहद दर्दनाक है, इसलिए दिखाया नहीं जा सकता, लेकिन वीडियो में क्या-क्या कहा गया है, उसकी पूरी जानकारी परिवार को दी है। प्रिया भारती का जन्म 1996 में कटिहार के बेहद गरीब परिवार में हुआ था। पिता की तबीयत अक्सर खराब रहती थी। मां सिलाई-कढ़ाई कर घर चलाती थी। इस दौरान साल 1999 में प्रिया का एक छोटा भाई हुआ, जिसका नाम अलंकार है। दोनों भाई-बहन की पढ़ाई और घर का खर्च मां की मेहनत और प्रिया की जिद पर टिका था। अलंकार बताते हैं, 'आठवीं में पहुंचते-पहुंचते प्रिया ने ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया, ताकि घर में मदद हो सके। 10वीं, 12वीं के दौरान उसने ठान लिया कि उसे सरकारी टीचर बनकर अपने परिवार को गरीबी से बाहर निकालना है। प्रिया सुबह 4 बजे उठकर पढ़ाई करती थी। इसके बाद दिन में घर का काम, शाम में बच्चों को कोचिंग पढ़ाना, यह उसकी रोजमर्रा की जिंदगी थी।

### विजय सिन्हा ने अधिकारियों से कहा- मार्च तक नहीं संभलेंगे तो बहुत बेरोजगार खड़े हैं

**दरभंगा** दरभंगा में डिप्टी उट विजय सिन्हा जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों की जमीन से जुड़ी समस्याएं सुनी। दीपा नाम की महिला अपनी शिकायत लेकर पहुंची। उन्होंने कहा, दाखिल-खारिज के लिए एक साल से दौड़ाया जा रहा है। खर्चे-पानी की डिमांड होती है। अभी हम सिविल में आए थे। मेरे पापा को पैरालाइसिस है। शिकायत पर विजय सिन्हा ने अफसरों को कहा कि, कर्मचारी अगर मार्च तक नहीं संभलेंगे तो बहुत बेरोजगार खड़े हैं। नौकरी चली जाएगी। महिला ने रोते हुए कहा कि, बहुत परेशान हूं। ये लोग कुछ नहीं सुनते हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि सभी लोगों के लिए चेतावनी है। सुधर जाइए। महिला ने कहा, मेरी विजय सिन्हा जी से बात हुई।

# हिंदू धर्म के बाद किस धर्म की उत्पत्ति हुई?

वैसे हिंदू धर्म के बाद बहुत से प्राचीन धर्मों का उल्लेख किया जा सकता है, जैसे पेगन, वूडू आदि लेकिन हिंदू-जैन के बाद यहूदी धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म था जिसने धर्म को एक नहीं व्यवस्था में ढाला और उसे एक नई दिशा और संस्कृति दी। हजरत आदम से लेकर अब्राहम और अब्राहम से लेकर मूसा तक की परंपरा यहूदी धर्म का हिस्सा है। यह सभी कहीं न कहीं हिंदू धर्म की परंपरा से जुड़े थे। ऐसा माना जाता है कि राजा मनु को ही यहूदी लोग हज. नूह कहते थे। दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है यहूदी धर्म। लगभग 4000 साल पुराना यह धर्म वर्तमान में इसराइल का राजधर्म है। यहूदी धर्म की शुरुआत पैगंबर हजरत इब्राहिम (अबराहम या अब्राहम) से मानी जाती है, जो ईसा से 2000 वर्ष पूर्व हुए थे। हज.इब्राहिम के बाद यहूदी इतिहास में सबसे बड़ा नाम 'पैगंबर मूसा' का है। हजरत मूसा ही यहूदी जाति के प्रमुख व्यवस्थाकार हैं। ह.मूसा को ही पहले से चली आ रही एक परंपरा को स्थापित करने के कारण यहूदी धर्म का संस्थापक माना जाता है। हज.मूसा के बाद यहूदियों को विश्वास है कि कयामत के समय हमारा अगला पैगंबर आएगा। मूसा मिस्र के फराओ के जमाने में हुए थे। दुनिया के प्राचीन धर्मों में से एक यहूदी धर्म से ही ईसाई और इस्लाम धर्म की उत्पत्ति हुई है। इस्लाम की एक ईश्वर की परिकल्पना, खतना, बुतपरस्ती का विरोध, नमाज, हज, रोजा, जकात, सूदखोरी का विरोध, कयामत, कोशर (हराम-हलाल), पवित्र दिन (सब्बाब), उम्माह जैसी सभी बातें यहूदी धर्म से ली गई हैं। पवित्र पवित्र भूमि, धार्मिक ग्रंथ, अंजील, हदीस और ताल्मुद की कल्पना एक ही है। ईसाई और इस्लाम में आदम, हव्वा, इब्राहीम, नूह, दावूद, इसाक, इस्माइल, इल्यास, सोलोमन आदि सभी ऐतिहासिक और महान लोग यहूदी परंपरा से ही है। हजरत अब्राहम को यहूदी, मुसलमान और ईसाई तीनों धर्मों के लोग अपना पितामह मानते हैं। आदम से अब्राहम और अब्राहम से मूसा तक यहूदी, ईसाई और इस्लाम सभी के पैगंबर एक ही है किंतु मूसा के बाद यहूदियों को अपने अगले पैंगबर के आने का अब भी इंतजार है।

# आखिर क्या फायदा होगा नैवेद्य अर्पित कर उसे खाने से?

- मन और मस्तिष्क को स्वच्छ, निर्मल और सकारात्मक बनाने के लिए हिन्दू धर्म में कई रीति-रिवाज, परंपरा और उपाय निर्मित किए गए हैं। सकारात्मक भाव से मन शांतचित्त रहता है। शांतचित्त मन से ही व्यक्ति के जीवन के संताप और दुख मिटते हैं।
- जब किसी अन्न को भगवान को समर्पित कर दिया जाता है तो उसमें दिव्यता समाहित हो जाती है। वह और भी पवित्र और गुण वाला बन जाता है, जो हमारे शरीर को पुष्ट करता है। गिलास भर पानी पीने से कहीं अच्चा चरणामृत होता है जो हृदय को सेहतमंद बनाता है।
- लगातार प्रसाद वितरण करते रहने के कारण लोगों के मन में भी आपके प्रति अच्छे भावों का विकास होता है। इससे किसी के भी मन में आपके प्रति राग-द्वेष नहीं पनपता और आपके मन में भी उसके प्रति प्रेम रहता है।
- लगातार भगवान से जुड़े रहने से चित्त की दशा और दिशा बदल जाती है। इससे दिव्यता का अनुभव होता है और जीवन के संकटों में आत्मबल प्राप्त होता है। देवी और देवता भी संकटों के समय साथ खड़े रहते हैं।
- भजन, कीर्तन, नैवेद्य आदि धार्मिक कर्म करने से जहां भगवान के प्रति आस्था बढ़ती है वहीं शांति और सकारात्मक भाव का अनुभव होता रहता है। इससे इस जीवन के बाद भगवान के उस धाम में भगवान की सेवा की प्राप्ति होती है और अगला जीवन और भी अच्छे से शांति व समृद्धिपूर्वक व्यतीत होता है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार अंत में हमें उन्हीं देवी-देवताओं के स्वर्ग, इत्यादि धामों में वास मिलता है जिसकी हम आराधना करते रहते हैं।
- श्रीमद् भगवद् गीता में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन के माध्यम से हमें यह भी बताते हैं कि देवी-देवताओं के धाम जाने के बाद फिर पुनर्जन्म होता है अर्थात देवी-देवताओं का भजन करने से, उनका प्रसाद खाने से व उनके धाम तक पहुंचने पर भी जन्म-मृत्यु का चक्र खत्म नहीं होता है। (श्रीगीता 8/16)।

# कितने प्र्रकार के होते हैं भूत

**हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। उक्त सभी के उप भाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। इसी तरह जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसुता, स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंवारी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी करते हैं। इनसभी की उत्पति अपने पापों, व्याभिचार से, अकाल मृत्यु से या श्राद्ध न होने से होती है।**

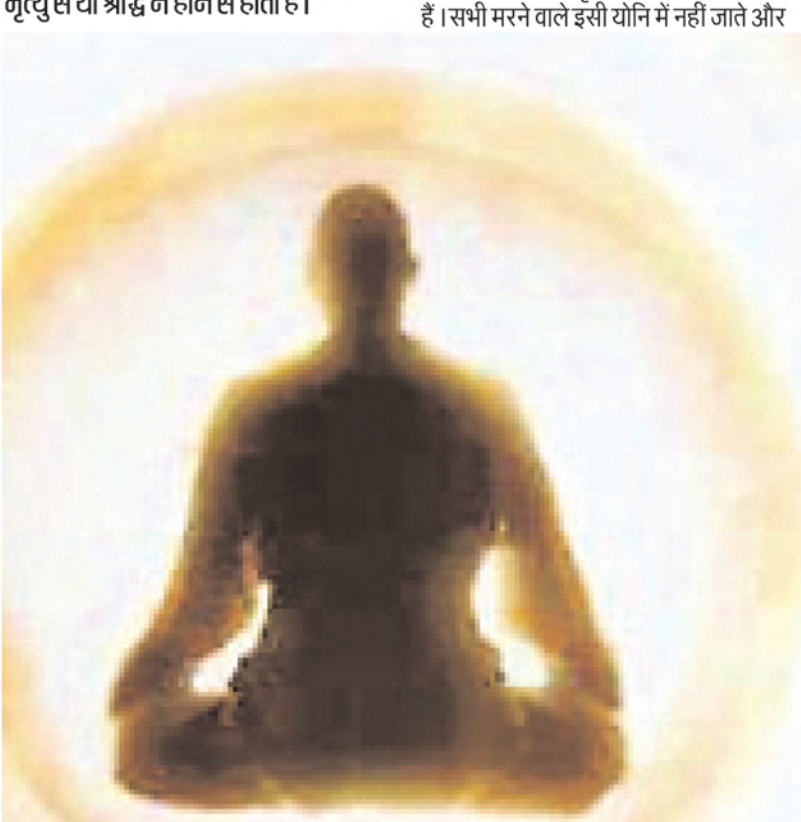

**पुरुषों का भूत** - हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया गया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। सभी को यम के अधीन रहना होता है। आर्यमा नामक देवता को पितरों का अधिपति कहा गया है, जो चंद्रमंडल में रहते हैं। उक्त सभी के उपभाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है, तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। प्रेत योनि में जाने वाले लोग अदृश्य और बलवान हो जाते हैं। सभी मरने वाले इसी योनि में नहीं जाते और सभी मरने वाले अदृश्य तो होते हैं, लेकिन बलवान नहीं होते। यह आत्मा के कर्म और गति पर निर्भर करता है। बहुत से भूत या प्रेत योनि में न जाकर पुन: गर्भधारण कर मानव बन जाते हैं। पितृ पक्ष में हिन्दू अपने पितरों का तर्पण करते हैं। इससे सिद्ध होता है कि पितरों का अस्तित्व आत्मा अथवा भूत-प्रेत के रूप में होता है। गरूड़ पुराण में भूत-प्रेतों के विषय में विस्तृत वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत पुराण में भी धुंधकारी के प्रेत बन जाने का वर्णन आता है।

**स्त्री का भूत** - हालांकि स्त्री और पुरुष एक शरीरिक विभाजन है तथा आत्मिक तौर पर कोई स्त्री और पुरुष नहीं होता। लेकिन जिसके चित्त की दशा जैसी होती है उसे वैसी योनि प्राप्त होती है। यदि कोई आत्मा स्त्री बनकर रही है तो वह खुद को अनंतकाल तक स्त्री ही महसूस करते हुए अन्य योनियां धारण करेगी। खैर! जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसूता स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंआरी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी कहते हैं। इन सभी की उत्पत्ति अपने पापों, व्यभिचार, अकाल मृत्यु या श्राद्ध न होने से होती है।

**प्रेतबाधा** : भूतादि से पीड़ित व्यक्ति की पहचान उसके स्वभाव एवं क्रिया में आए बदलाव से की जाती है। अलग-अलग स्वभाव में परिवर्तन के अनुसार जाना जाता है कि व्यक्ति कौन से भूत से पीड़ित है।

**भूत पीड़ा** : यदि किसी व्यक्ति को भूत लग गया है, तो वह पागल की तरह बात करने लगता है। मूढ़ होने पर भी वह किसी बुद्धिमान पुरुष जैसा व्यवहार भी करता है। गुस्सा आने पर वह कई व्यक्तियों को एक साथ पछाड़ सकता है। उसकी आंखें लाल हो जाती हैं और देह में सदा कंपन बना रहता है।

**पिशाच पीड़ा** : पिशाच प्रभावित व्यक्ति सदा खराब कर्म करना है, जैसे नग्न हो जाना, नाली का पानी पीना, दूषित भोजन करना, कटु वचन कहना आदि। वह सदा गंदा रहता है और उसकी देह से बदबू आती है। वह एकांत चाहता है। इससे वह कमजोर होता जाता है।

**प्रेत पीड़ा** : प्रेत से पीड़ित व्यक्ति चिल्लाता और इधर-उधर भागता रहता है। वह किसी का कहना नहीं सुनता। वह हर समय बुरा बोलता रहता है। वह खाता-पीता नही हैं और जोर-जोर से श्वास लेता रहता है।

**शाकिनी पीड़ा** : शाकिनी से ज्यादातर महिलाएं ही पीड़ित रहती हैं। ऐसी महिला को पूरे बदन में दर्द बना रहता है और उसकी आंखों में भी दर्द रहता है। वह अक्सर बेहोश भी हो जाती है। कांपते रहना, रोना और चिल्लाना उसकी आदत बन जाती है।

**चुड़ैल पीड़ा** : चुड़ैल भी ज्यादातर किसी महिला को ही लगती है। ऐसी महिला यदि शाकाहारी भी है तो मांस खाने लग जाएगी। वह कम बोलती, लेकिन मुस्कुराती रहती है। ऐसी महिला कब क्या कर देगी? कोई भरोसा नहीं।

**यक्ष पीड़ा** : यक्ष से पीड़ित व्यक्ति लाल रंग में रुचि लेने लगता है। उसकी आवाज धीमी और चाल तेज हो जाती है। वह ज्यादातर आंखों से इशारे करता रहता है। इसकी आंखें तांबे जैसी और गोल दिखने लगती हैं।

**ब्रह्मराक्षस पीड़ा** : जब किसी व्यक्ति को ब्रह्मराक्षस लग जाता है, तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही शक्तिशाली बन जाता है। वह हमेशा खामोश रहकर अनुशासन में जीवन-यापन करता है। इसे ही 'जिन्न' कहते हैं। ये बहुत सारा खाना खाते हैं और घंटों तक एक जैसी ही अवस्था में बैठे या खड़े रहते हैं। जिन्न से ग्रस्त व्यक्ति का जीवन सामान्य होता है। ये घर के किसी सदस्य को परेशान भी नहीं करते हैं, बस अपनी ही मस्ती में मस्त रहते हैं। जिन्नों को किसी के शरीर से निकालना अत्यंत ही कठिन होता है।

इस तरह से और भी कई तरह के भूत होते हैं जिनके अलग-अलग लक्षण और लक्ष्य होते हैं। उपरोक्त जानकारी शास्त्रों के आधार है।

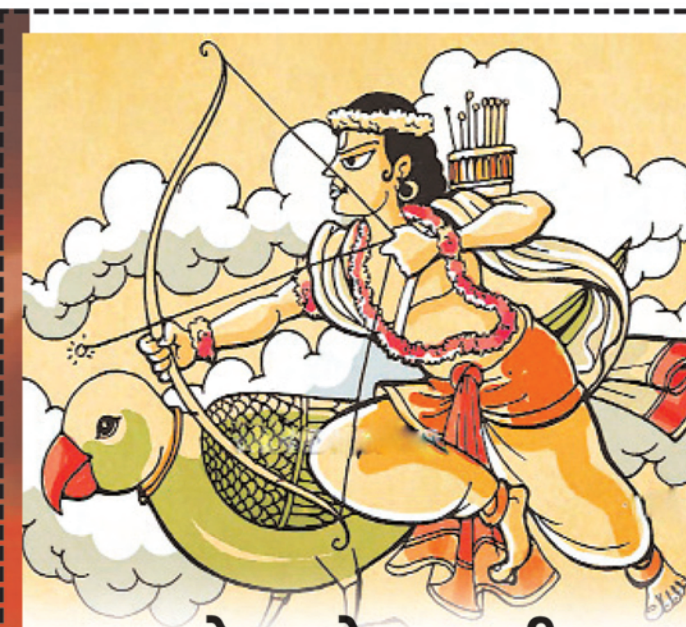

# कामदेव को पुत्र की तरह पालने के बाद रति ने उनसे कर लिया विवाह

जिस तरह पश्चिमी देशों में क्यूपिड और यूनानी देशों में इरोस को प्रेम का प्रतीक माना जाता है, उसी तरह हिन्दू धर्मग्रंथों में कामदेव को प्रेम और आकर्षण का देवता कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कामदेव भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के पुत्र हैं। उनका विवाह रति नाम की देवी से हुआ था, जो प्रेम और आकर्षण की देवी मानी जाती है। कुछ कथाओं में यह भी उल्लिखित है कि कामदेव स्वयं ब्रह्माजी के पुत्र हैं और इनका संबंध भगवान शिव से भी है। कुछ जगह पर धर्म की पत्नी श्रद्धा से इनका आविर्भाव हुआ माना जाता है। जोभी हो हम एक रोचक पौराणिक कथा पढ़ते हैं। कामदेव को सुनहरे पंखों से युक्त एक सुंदर नवयुवक की तरह प्रदर्शित किया गया है जिनके हाथ में धनुष और बाण हैं। ये तोते के रथ पर मकर (एक प्रकार की मछली) के चिह्न से अंकित लाल ध्वजा लगाकर विचरण करते हैं। वैसे कुछ शास्त्रों में हाथी पर बैठे हुए भी बताया गया है। वसंत ऋतु के देवता कामदेव की पूजा वसंत पंचमी की जाती है। उनके कई नाम है जिममें से मदन की प्रसिद्ध है। असम में है उनका खास मंदिर। मदन-कामदेव मंदिर को 'असम का खजुराहो' के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर घने जंगलों के भीतर पेड़ों से छुपा हुआ है। कहते हैं कि भगवान शंकर द्वारा तृतीय नेत्र खोलने पर भस्म हो गए कामदेव का इस स्थान पर पुनर्जन्म तथा उनकी पत्नी रति के साथ पुन: मिलन हुआ था।

## पौराणिक कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक समय ब्रह्माजी प्रजा वृद्धि की कामना से ध्यानमग्न थे। उसी समय उनके अंश से तेजस्वी पुत्र काम उत्पन्न हुआ और कहने लगा कि मेरे लिए क्या आज्ञा है? तब ब्रह्माजी बोले कि मैंने सृष्टि उत्पन्न करने के लिए प्रजापतियों को उत्पन्न किया था किंतु वे सृष्टि रचना में समर्थ नहीं हुए इसलिए मैं तुम्हें इस कार्य की आज्ञा देता हूं। यह सुन कामदेव वहां से विदा होकर अदृश्य हो गए। यह देख ब्रह्माजी क्रोधित हुए और शाप दे दिया कि तुमने मेरा वचन नहीं माना इसलिए तुम्हारा जल्दी ही नाश हो जाएगा। शाप सुनकर कामदेव भयभीत हो गए और हाथ जोड़कर ब्रह्माजी के समक्ष क्षमा मांगने लगे। कामदेव की अनुनय-विनय से ब्रह्माजी प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें रहने के लिए 12 स्थान देता हूं- स्त्रियों के कटाक्ष, केश राशि, जंघा, वक्ष, नाभि, जंघमूल, अधर, कोयल की कूक, चांदनी, वर्षाकाल, चैत्र और वैशाख महीना। इस प्रकार कहकर ब्रह्माजी ने कामदेव को पुष्प का धनुष और 5 बाण देकर विदा कर दिया।

इन पांच बाणों के नाम हैं- 1.मारण, 2.स्तम्भन, 3.जृम्भन, 4.शोषण, 5.उम्मादन (मन्मन्थ)। उनका धनुष मिठास से भरे गन्ने का बना होता है जिसमें मधुमक्खियों के शहद की रस्सी लगी है। उनके धनुष का बाण अशोक के पेड़ के महकते फूलों के अलावा सफेद, नीले कमल, चमेली और आम के पेड़ पर लगने वाले फूलों से बने होते हैं। ब्रह्माजी से मिले वरदान की सहायता से कामदेव तीनों लोकों में भ्रमण करने लगे और भूत, पिशाच, गंधर्व, यक्ष सभी को काम ने अपने वशीभूत कर लिया। फिर मछली का ध्वज लगाकर कामदेव अपनी पत्नी रति के साथ संसार के सभी प्राणियों को अपने वशीभूत करने बढ़े। इसी क्रम में वे शिवजी के पास पहुंचे। भगवान शिव तब तपस्या में लीन थे तभी कामदेव छोटे से जंतु का सूक्ष्म रूप लेकर कर्ण के छिद्र से भगवान शिव के शरीर में प्रवेश कर गए। इससे शिवजी का मन चंचल हो गया। उन्होंने विचार धारण कर चित्त में देखा कि कामदेव उनके शरीर में स्थित है। इतने में ही इच्छा शरीर धारण करने वाले कामदेव भगवान शिव के शरीर से बाहर आ गए और आम के एक वृक्ष के नीचे जाकर खड़े हो गए। फिर उन्होंने शिवजी पर मोहन नामक बाण छोड़ा, जो शिवजी के हृदय पर जाकर लगा। इससे क्रोधित हो शिवजी ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से उन्हें भस्म कर दिया। कामदेव को जलता देख उनकी पत्नी रति विलाप करने लगी। तभी आकाशवाणी हुई जिसमें रति को रुदन न करने और भगवान शिव की आराधना करने को कहा गया। फिर रति ने श्रद्धापूर्वक भगवान शंकर की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो शिवजी ने कहा कि कामदेव ने मेरे मन को विचलित किया था इसलिए मैंने इन्हें भस्म कर दिया। अब अगर ये अनंग रूप में महाकाल वन में जाकर शिवलिंग की आराधना करेंगे तो इनका उद्धार होगा। तब कामदेव महाकाल वन आए और उन्होंने पूर्ण भक्तिभाव से शिवलिंग की उपासना की। उपासना के फलस्वरूप शिवजी ने प्रसन्न होकर कहा कि तुम अनंग, शरीर के बिन रहकर भी समर्थ रहोगे। कृष्णावतार के समय तुम रुक्मणि के गर्भ से जन्म लोगे और तुम्हारा नाम प्रद्युम्न होगा।

## श्रीकृष्ण और कामदेव

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण को भी कामदेव ने अपने नियंत्रण में लाने का प्रयास किया था। कामदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से यह शर्त लगाई कि वे उन्हें भी स्वर्ग की अप्सराओं से भी सुंदर गोपियों के प्रति आसक्त कर देंगे। श्रीकृष्ण ने कामदेव की सभी शर्त स्वीकार की और गोपियों संग रास भी रचाया लेकिन फिर भी उनके मन के भीतर एक भी क्षण के लिए वासना ने घर नहीं किया।

## रति ने पाला कामदेव को पुत्र की तरह फिर उनसे कर लिया विवाह

जब शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया तब ये देख रति विलाप करने लगी तब जाकर शिव ने कामदेव के पुन: कृष्ण के पुत्र रूप में धरती पर जन्म लेने की बात बताई। शिव के कहे अनुसार भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि को प्रद्युम्न नाम का पुत्र हुआ, जो कि कामदेव का ही अवतार था। कहते हैं कि श्रीकृष्ण से दुश्मनी के चलते राक्षस शंभरासुर नवराज प्रद्युम्न का अपहरण करके ले गया और उसे समुद्र में फेंक आया। उस शिशु को एक मछली ने निगल लिया और वो मछली मछुआरों द्वारा पकड़ी जाने के बाद शंभरासुर के रसोई घर में ही पहुंच गई। तब रति रसोई में काम करने वाली मायावती नाम की एक स्त्री का रूप धारण करके रसोईघर में पहुंच गई। वहां आई मछली को उसने ही काटा और उसमें से निकले बच्चे को मां के समान पाला-पोसा। जब वो बच्चा युवा हुआ तो उसे पूर्व जन्म की सारी याद दिलाई गई। इतना ही नहीं, सारी कलाएं भी सिखाईं तब प्रद्युम्न ने शंभरासुर का वध किया और फिर मायावती को ही अपनी पत्नी रूप में द्वारका ले आए।

मुद्गल पुराण के अनुसार कामदेव का वास यौवन, स्त्री, सुंदर फूल, गीत, पराग कण या फूलों का रस, पक्षियों की मीठी आवाज, सुंदर बाग-बगीचों, वसंत ऋतु, चंदन, काम-वासनाओं में लिप्त मनुष्य की संगति, छुपे अंग, सुहानी और मंद हवा, रहने के सुंदर स्थान, आकर्षक वस्त्र और सुंदर आभूषण धारण किए शरीरों में रहता है। इसके अलावा कामदेव स्त्रियों के शरीर में भी वास करते हैं, खासतौर पर स्त्रियों के नयन, ललाट, भौंह और होठों पर इनका प्रभाव काफी रहता है।

## कामदेव मंत्र

कामदेव के बाण ही नहीं, उनका 'क्लीं मंत्र' भी विपरीत लिंग के व्यक्ति को आकर्षित करता है। कामदेव के इस मंत्र का नित्य दिन जाप करने से न सिर्फ आपका साथी आपके प्रति शारीरिक रूप से आकर्षित होगा बल्कि आपकी प्रशंसा करने के साथ-साथ वह आपको अपनी प्राथमिकता भी बना लेगा। कहा जाता है कि प्राचीनकाल में वेश्याएं और नर्तकियां भी इस मंत्र का जाप करती थीं, क्योंकि वे अपने प्रशंसकों के आकर्षण को खोना नहीं चाहती थीं। ऐसा माना जाता है कि इस मंत्र का लगातार जाप करते रहने की वजह से उनका आकर्षण, सौंदर्य और कांति बरकरार रहती थी।

# बजट में खेलों पर भी जोर , 'खेलो इंडिया मिशन' होगा शुरू

## प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे में व्यवस्थित विकास पर रहेगा जोर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार के रविवार को पेश किये गये आम बजट में खेलों पर भी काफी जोर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इस मिशन का लक्ष्य अगले 10 साल में प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे में व्यवस्थित विकास कर नई प्रतिभाओं को सामने लाना रहेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और करियर के कई अवसर पैदा करता है। उन्होंने बताया कि साल 2017 में शुरू किए गए खेलो इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सरकार अब इसे एक व्यापक और एकीकृत मिशन के रूप में लागू करना चाहती है, जिससे खेल क्षेत्र में और भी बदलाव आयें।

सीतारमण ने कहा कि खेलो इंडिया मिशन के तहत, प्राथमिक, मध्यवर्ती और विशिष्ट स्तर के प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा कोचों और सहायक स्टाफ का भी व्यवस्थित विकास किया जाएगा। इसमे खेल विज्ञान और आधुनिक तकनीक को प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, देशभर में प्रतियोगिताओं और लीगों के आयोजन को भी बढ़ावा दिया जाएगा, प्रशिक्षण और मुकाबलों के लिए खेल अवसंरचना को मजबूत किया जाएगा, इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सामने आने के लिए बेहतर मंच और संसाधन मिलेगा।

कम कीमतों में उच्च गुणवत्ता के खेल सामान निर्माण की दिशा में भी सरकार काम करने जा रही है। इससे उपकरण डिजाइन, सामग्री विज्ञान, विनिर्माण अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इस कार्यबल ने उच्च गुणवत्ता वाले कोच तैयार करने और उनके लिए लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम जैसी योजना शुरू करने पर जोर दिया है।

# भारत की देविका ने थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन जीता

**बैंकॉक (एजेंसी)।** भारत की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। देविका को इस टूर्नामेंट के महिला एकल के खिताबी मुकाबले में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद आसानी से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब हासिल को गया। देविका तब मैच में 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी तभी मलेशिया की वेई हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हट गयीं। इससे देविका को अपने करियर का एक बड़ा खिताब मिल गया। दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही वेई ने इससे पहले के मैच में भी थकान की शिकायत की थी। देविका ने फाइनल में तेज शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। वहीं एक नेट कॉर्ड की बदौलत वेई ने अपना पहला अंक हासिल किया।वह पिछले सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रही थी जबकि 2024 में चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर बरकार 20 साल की देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही हैं। वह पिछले कुछ समय से ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से भी खेल की टिप्स ले रहीं थीं।

# अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 : भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने किया चित, 58 रनों से जीता मुकाबला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर सिक्स मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त करते हुए 58 रनों से हरा दिया है। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वेदांत त्रिवेदी के अर्धशतक की बदलौत एक गेंदें शेष रहते सभी 10 विकेट के नुकसान पर पाकिस्तान को 253 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में पाकिस्तान 194 रनों पर ढेर हो गई। त्रिवेदी ने 98 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 68 रन बनाए जिससे भारत 250 का आंकड़ा पार कर पाया। वैभव सूर्यवंशी 22 गेंदों पर मात्र 30 रन ही बना पाए जबकि ओपनर ऑरोन जॉर्ज ने भी 16 रन की छोटी पारी खेली। कप्तान आयुष म्हात्रे खाता भी नहीं खोल सके।

**प्लेइंग 11**

भारत अंडर-19 : एरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), वेदांत त्रिवेदी, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन

पाकिस्तान अंडर-19 : हमजा जहूर (विकेटकीपर), समीर मिन्हास, उस्मान खान, अहमद हुसैन, फरहान यूसुफ (कप्तान), हुजैफा अहसन, अली हसन बलूच, अब्दुल सुभान, मोमिन कमर, मोहम्मद सय्याम, अली रजा

# वैभव सूर्यवंशी को नेशनल टीम में शामिल करने का समय आ गया: सबा करीम

**मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)।** वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्काराज ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी और सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और अपना सातवां बड़ा खिताब जीता।

वर्ल्ड नंबर 1 ने 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच को एक रोमांचक चार-सेट के फाइनल (2-6 6-2 6-3 7-5) में हराकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। अल्काराज ने फाइनल तीन घंटे और दो मिनट में जीता। ATP के अनुसार अल्काराज ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले छठे खिलाड़ी भी बन गए हैं। गौरतलब है कि यह अल्काराज का ऑस्ट्रेलियन ओपन में डेब्यू के बाद पहला मेलबर्न फाइनल भी था।

ATP के अनुसार 21वीं सदी में केवल चार खिलाड़ियों ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया है। जोकोविच ने 2016 में ऐसा किया था, उसके बाद राफेल नडाल (2010) और रोजर फेडरर (2009) का नंबर आता है। इसके साथ ही 22 वर्षीय अल्काराज ने दिग्गजों के बीच अपनी जगह पक्की कर ली है। पुरुषों में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज (22 साल और 272 दिन) रॉड लेवर (24 साल और 32 दिन), राफेल नडाल (24 साल और 102 दिन), रोजर फेडरर (27 साल और 303 दिन), नोवाक जोकोविच (29 साल और 15 दिन) और आंद्रे अगासी (29 साल और 68 दिन) हैं।

ATP के अनुसार लेवर ने 1962 में एक शौकिया खिलाड़ी के तौर पर और 1969 में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। वर्ल्ड नंबर 1 ओपन एरा में सात बड़े सिंगल्स टाइटल जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी हैं, जो ब्योर्न बोर्ग से आगे हैं, जिन्होंने 1979 में रोलैंड गैरोस में सातवां बड़ा टाइटल जीता था। 2022 में अल्काराज ने US ओपन में अपना पहला बड़ा टाइटल जीता और इस जीत के साथ वह PIF ATP रैंकिंग (1973 से) में सबसे कम उम्र के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए। इस स्पेनिश खिलाड़ी ने 2023 में अपनी पहली विंबलडन ट्रॉफी जीती और 2024 ग्रैंड स्लैम इवेंट में अपने टाइटल का बचाव किया। रोलैंड गैरोस में अल्काराज 2024 और 2025 में विजयी रहे।

# बुमराह ने अपने टी20 करियर का सबसे महंगा ओवर किया

तिरुवनंतपुरम । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टी20 में असफल रहे । बुमराह इस मैच में सबसे महंगे साबित हुए । वह 58 रन देने के बाद भी कोई विकेट नहीं ले पाये । ये पहली बार रहा जब बुमराह ने किसी मैच में इतने अधिक रन दिये । इससे पहले का उनका सबसे महंगे मैच 2021 का आईपीएल रहा था । तब उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चार ओवर में 56 रन देकर केवल एक विकेट लिया था । बुमराह ने इस अंतिम मैच में अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अपना सबसे महंगा ओवर भी किया । इसमें बुमराह ने 22 रन दिये । वहीं इससे पहले बुमराह का सबसे महंगा ओवर साल 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ आया था, तब उन्होंने एक ही ओवर में 21 रन दिए थे । बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज भी काफी महंगे रहे । अर्शदीप सिंह ने 51 रन दिये हालांकि उन्होंने पांच विकेट लिए । हार्दिक पांड्या ने 15 रन, वरुण चक्रवर्ती ने एक विकेट लेकर 36 रन वह अक्षर पटेल ने तीन विकेट लेकर 33 रन दिये । बुमराह और अर्शदीप के इस प्रकार के महंगे ओवरों से टी20 विश्वकप से पहले भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं । भारत ही नहीं यहां अंतिम मैच में कीवी गेंदबाजों की भी जमकर कुटाई हुई । कीवी गेंदबाज जेकब डफी, काइल जेमिसन और मिचेल सैंटनर ने 50 रनों से अधिक दिये । सैंटनर के ओवर में 60 रन बने ।

# अर्शदीप टी20 में सबसे अधिक रन देकर पांच विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम । युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पांच विकेटों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने पांचवे और अंतिम टी20 में न्यूजीलैंड को 46 रनों से हरा दिया।

इसी के साथ ही भारतीय टीम ने ये सीरीज 4-1 से जीती पर मैच में पांच विकेट लेने के बाद भी अर्शदीप के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हुआ जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे । अर्शदीप इसी के साथ ही किसी अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में सबसे ज्यादा रन देकर 5 या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ के नाम दर्ज था। जोसेफ ने जोहानसबर्ग में दक्षिण अफीका के खिलाफ साल 2023 में 40 रन देकर 5 विकेट लिए थे । वहीं दक्षिण अफीका के लुंगी एंगिडी ने साल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्टल में 39 रन देकर 5 विकेट लिए थे । गौरतलब है कि अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं । साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से ही अर्शदीप ने 76 मैचों में 118 विकेट लिए हैं । यह पहला मौका था, जब अर्शदीप ने एक पारी में 5 विकेट लिए ।

# वैभव यूथ एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बने

बुलावायो । भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर-6 राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में 11 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली । अब उनके यूथ एकदिवसीय में 1150 रन हो गये हैं । इस मैच के दौरान जैसे ही वैभव ने अपने 11 रन पूरे किए । वह भारत के लिए यूथ एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शामिल हो गये हैं । वैभव ने अपनी पारी के दौरान 22 गेंदों का सामना करते हुए कुल 30 रन बनाए जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था । अब वैभव की नजरें यूथ एकदिवसीय में सबसे रन बनाने वाले बल्लेबाजों पर टिक गई हैं । वह जल्द ही विजय जोल के 1404 रन और यशस्वी जयसवाल के 1386 रन के रिकार्ड भी तोड़ सकते हैं ।यूथ एकदिवसीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज तन्मय श्रीवास्तव हैं उनके नाम 1316 रन हैं ।

# भारतीय टीम को उसी की धरती पर हराना बेहद कठिन काम: सेंटनर

**तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम कप्तान मिचेल सेंटनर ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से मिली करारी हार के बाद कहा कि भारतीय टीम को उसी की धरती पर हराना बेहद कठिन काम है क्योंकि वह बखूबी जानती है कि अपने मैदानों में किस प्रकार खेलना है। इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने कीवी टीम बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी टिक नहीं पायी। भारतीय टीम सीरीज में केवल एक ही मैच में हारी थी। पहले तीन मैच जीतने के बाद भारतीय टीम को चौथे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ने अंतिम मैच में 46 रनों की जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए सेंटनर की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं क्योंकि अब उसे 7 फरवरी से होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम से उसी की धरती पर खेलना है। विश्वकप संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

सेंटनर ने कहा, पूरी सीरीज को देखें तो हमें काफी सकारात्मक बातें भी सीखने को मिलीं। मैंने शुरुआत में ही कहा था कि भारतीय टीम काफी अच्छी है। उसे इन हालातों में हराना बहुत कठिन है। ये सीरीज कुल मिलाकर मनोरंजक रही। साथ ही कहा कि जब आपको पूरी सीरीज में चुनौती मिलती है तो यह हमेशा अच्छी बात होती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है और उससे आप उससे सीखते हैं। परिणाम भले ही हमारे पक्ष में भले ही नहीं रहे पर हमें हर एक मैच से कुछ न कुछ सीखने को मिला। अब न्यूजीलैंड टीम आठ फरवरी से टी20 विश्वकप में उतरेगी। कीवी टीम इसमें ग्रुप डी में शामिल है, जिसमें अफगानिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और यूएई हैं। न्यूजीलैंड को अपने मैच भारतीय धरती पर खेलने हैं। वहीं सेंटनर ने कहा कि विश्वकप को लेकर उन्हें काफी सुधार करने होंगे। गेंदबाजी में हमें विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के तरीके तलाशने होंगे।

## अंडर-19 विश्वकप में भी भारत-पाक कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया

बुलावायो (जिम्बाब्वे) । भारत और पाकिस्तान की टीमों ने आज यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर 6 ग्रुप 2 मैच में हाथ नहीं मिलाया । टॉस के बाद भारतीय अंडर-19 कप्तानी आयुष म्हात्रे और पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ हाथ मिलाये बिना ही वापस हो गये । इस प्रकार एशेया कप में जिस प्रकार भारतीय सीनियर टीम ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था । वही सिलसिला इस मैच में भी बरकरार रहा । भारतीय सीनियर टी10 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साल 2025 एशिया कप के दौरान अपने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था, तब से ही भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैचों में टॉस के दौरान हाथ न मिलने का सिलसिला जारी है । भारत ए टीम के कप्तान ने भी एशिया कप । इससे के अलावा महिला विश्वकप में भी भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तपान से हाथ नहीं मिलाया था । भारतीय टीम के पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाने का कारण पाक का पहलगाम आतंकी हमले में शामिल होना रहा है । इसके बाद भारतीय सेना ने पाक में आतंकी ठिकानों को धवस्त कर दिया था ।

# ईशान को अंतिम टी20 में विकेटकीपर बनाने का कारण सूर्यकुमार ने बताया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में ईशान किशन के विकेटकीपिंग किये जाने के कारणों का खुलासा किया है । सूर्या ने खुलासा किया कि सीरीज शुरू होने से पहले ही तय हो गया ता कि संजू पहले तीन मैच में विकेट कीपिंग करेंगे, वहीं आखिरी दो मुकाबलों में ईशान किशन को मौका मिलेगा । सूर्या ने कहा, तिलक वर्मा के नहीं होने की वजह से संजू सैमसन और ईशान दोनो को ही शामिल किया गया था । हमने सीरीज से पहले ही तय कर लिया था कि संजू तीन मैचों में विकेटकीपिंग करेंगे और ईशान अंतिम दो मैचों में ये जिम्मेदारी संभालेंगे । ईशान फिट नहीं होने के कारण पिछले मैच से बाहर थे । ईशान की शतकीय पारी के लिए भी सूर्या ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम उनके कौशल के बारे में पहले से ही जानती थी । भारतीय कप्तान ने कहा, 卐हम हमेशा जानते थे कि वह क्या कर सकते हैं और हमने इस सीरीज से पहले घरेलू क्रिकेट में उनकी बल्लेबाजी देखी थी । हम चाहते थे कि वह उसी तरह बल्लेबाज करें और अपनी पहचान न बदलें । वह घरेलू क्रिकेट में पारी शुरुकर रहे थे, और यहां वह नंबर तीन पर बल्लेबाज कर रहे थे । हम चाहते थे कि वह गेम-चेंजर बनें, उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे हमें बेहद खुशी हुई है ' ईशान को टीम में जगह तिलक वर्मा के चोटिल होने के कारण मिली थी और उन्होंने अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए शतक बनाया । ऐसे में माना जा रहा है कि तिलक की टीम में वापसी होते ही सैमसन को बाहर होना पड़ेगा क्योंकि कीवी टीम के खिलाफ पांच मैचों में सैमसन बूरी तरह से असफल रहे थे ।

# ईशान किशन बनाम संजू सैमसन : ओपनिंग स्लॉट पर कब होगा फैसला, सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय टी20 टीम में ओपनिंग स्लॉट को लेकर चल रही बहस अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ कर दिया है कि ईशान किशन और संजू सैमसन में से कौन ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 में ओपनिंग करेगा, इसका अंतिम फैसला 7 फरवरी को लिया जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीत के बाद स्र्यङ्क ने टीम कॉम्बिनेशन, बल्लेबाजी अप्रोच और घरेलू वर्ल्ड कप के दबाव को लेकर भी खुलकर अपनी बात रखी।

### ओपनिंग स्लॉट पर सस्पेंस बरकरार

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद ब्रॉडकास्टर से बातचीत में सूर्यकुमार यादव ने माना कि ओपनर को लेकर चयन की दुविधा अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ईशान किशन और संजू सैमसन दोनों ही प्लेइंग XI के मजबूत दावेदार हैं और इस मुद्दे पर स्पष्टता 7 फरवरी को सामने आएगी। कप्तान के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट हर पहलू पर विचार कर रही है।

### तिलक वर्मा की वापसी से बढ़ी मुश्किल

SKY ने यह भी बताया कि तिलक वर्मा की फिटनेस और फॉर्म चयन प्रक्रिया को और चुनौतीपूर्ण बना रही है। उनके अनुसार, तिलक अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसे में स्क्वाड के सभी 15 खिलाड़ी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं, जिससे सिलेक्शन कॉल और भी मुश्किल हो गया है।

### टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत का रणनीतिक प्लान

सूर्यकुमार यादव ने भारत की संभावित रणनीति पर बात करते हुए कहा कि मौजूदा टी20 क्रिकेट में आक्रामक टॉप ऑर्डर बेहद जरूरी है। उन्होंने संकेत दिए कि टीम को नंबर 7 या 8 तक एक अतिरिक्त स्पेशलिस्ट बल्लेबाज की जरूरत हो सकती है। कप्तान के मुताबिक, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल मिलकर 16 ओवर डाल सकते हैं, जिससे बल्लेबाजी को गहराई देने का मौका मिलता है।

### ऑलराउंडर्स से मिल रही है फ्लेक्सिबिलिटी

SKY ने बताया कि हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और जरूरत पड़ने पर अभिषेक शर्मा गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प देते हैं। इससे टीम सात बल्लेबाज और ऑलराउंडर्स के साथ एक मजबूत कॉम्बिनेशन बना सकती है, जो वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में बेहद अहम साबित हो सकता है।

### घरेलू वर्ल्ड कप का दबाव और उत्साह

भारत में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप को लेकर सूर्यकुमार यादव ने कहा कि घरेलू परिस्थितियों में खेलना दबाव जरूर लाता है, लेकिन यही दबाव खेल को रोमांचक बनाता है। उन्होंने माना कि लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप जीतना ऐतिहासिक चुनौती है, लेकिन इसे वह सकारात्मक दबाव और बड़ी जिम्मेदारी के तौर पर देख रहे हैं।

### निडर बल्लेबाजी से कप्तान खुश

न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की सीरीज जीत के बाद कप्तान ने भारतीय बल्लेबाजों की निडर सोच की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी अपनी स्वाभाविक शैली में खेलते हैं और उन्होंने सभी को उसी अप्रोच पर टिके रहने के लिए प्रोत्साहित किया है।

### 'पहली गेंद पर छक्का भी सही फैसला हो सकता है'

SKY के मुताबिक, टी20 क्रिकेट में हालात के हिसाब से फैसले लेने जरूरी हैं। अगर पिच और कंडीशन इजाजत देती है, तो पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने में कोई बुराई नहीं है। कप्तान का मानना है कि खिलाड़ियों का यह बेखौफ रवैया उनकी कप्तानी को आसान बनाता है।

# पांड्या डेथ ओवरों में 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम । ऑलराउडर हार्दिक पांड्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में 17 गेंदों पर ही 42 रन बनाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है । इस पारी में पांड्या का स्ट्राइक रेट 247.06 का रहा । इससे वह अन्य खिलाड़ियों से अलग नजर आये । न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी इस आक्रामक पारी से पांड्या ने अंतिम ओवरों (डेथ ओवरों) में 1000 रन बनाने का एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या के नाम अब अंतिम ओवरों में 1030 रन हो गये हैं। वहीं दक्षिण अफीका के डेविड मिलर के नाम अंतिम ओवरों में 986 रन हो गये हैं और वह दूसरे नंबर पर है जबकि अफगानिस्तान के मो नबी 973 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। पांड्या जब बल्लेबाजी के लिए आये थे । तब भारतीय टीम ने 14.3 ओवर में 3 विकेट पर 185 रन बनाये थे । वहीं इसेक बाद पांड्या ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम का 20 ओवर में 271 रन तक पहुंचा दिया जिससे कीवी टीम पर दबाव आया और वह 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 225 रनों पर ही सिमट गयी ।

## फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग, पुलिस बल तैनात

मुंबई (एजेंसी)। बालीवुड फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग हुई। घटना की खबर मिलने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीमें वहां पहुंचीं। रोहित शेट्टी मुंबई के जुहू इलाके में रहते हैं। उनके घर के पास बॉलीवुड की कई हस्तियों के घर भी हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि ये घटना शनिवार रात करीब 3 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने चार राउंड फायरिंग की। इसके बाद जुहू में रोहित शेट्टी के घर के आसपास सुरक्षा बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस हमलावरों की पहचान करने हर एंगल से जांच कर रही है। हमले की वजह अभी पता नहीं चली है। मामले में अभी तक किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है।

## लावारिस ट्रॉली बैग देख मची सनसनी, खोला तो निकला युवती का शव, जांच शुरु

रोहतास (एजेंसी)। रोहतास में ट्रॉली बैग में शव मिलने से सनसनी फैल गई है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है और छानबीन शुरू की। मौके पर एफएसएल की टीम भी बुलाई गई। मामला डेहरी थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित सब्जी मंडी के पीछे का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक जब बैग को खोलकर देखा गया तो उसमें अंदर युवती की डेडबॉडी निकली। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। युवती की हत्या क्यों और किसने की? इसको लेकर पुलिस जांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में रोहतास जिले के साइबर डीएसपी ने बताया कि रविवार सुबह से सूचना मिली कि डेहरी नगर थाना क्षेत्र के सब्जी मंडी में एक सूटकेस में पड़ा हुआ है, जिसके बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंची और बैग को खोला। इस दौरान बैग के अंदर एक युवती का शव मिला। हालांकि युवती की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और युवती की पहचान के लिए लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

## कोलकाता के रेस्टोरेंट में यूट्यूबर सायक को मटन की जगह बीफ परोसा, वीडियो वायरल

**बीजेपी बोली–बांग्लादेश की तरह पश्चिम बंगाल में भी हिंदुओं को जबरन खिलाया जा रहा गोमांस**

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक रेस्टोरेंट में मटन की जगह बीफ परोसने का मामला सामने आया। बंगाली यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर सायक चक्रवर्ती ने आरोप लगाया है कि उन्होंने मटन स्टेक ऑर्डर किया था, लेकिन उन्हें बीफ स्टेक परोस गया। उन्होंने बीफ को मटन समझकर खा लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सायक चक्रवर्ती शुक्रवार रात अपने दोस्तों के साथ पार्क स्ट्रीट स्थित एक पब-रेस्टोरेंट में डिनर करने गए थे। उन्होंने एक मटन स्टेक ऑर्डर किया था। कुछ देर बाद वेटर एक और प्लेट लेकर आया और कहा कि यह मटन स्टेक है। तब सायक को शक हुआ कि पहले परोसा गया स्टेक मटन नहीं था। सायक ने जब वेटर से सवाल किया तो उसने दावा किया कि दो स्टेक ऑर्डर किए गए थे। एक मटन और एक बीफ। सायक का कहना है कि उन्होंने सिर्फ एक मटन स्टेक ऑर्डर किया था। वीडियो में सायक वेटर से बहस करते और जवाब मांगते दिख रहे हैं। रेस्टोरेंट मैनेजर और वेटर वीडियो में माफी मांगते नजर आते हैं। वीडियो में सायक यह कहते भी सुने गए कि वह ब्राह्मण हैं। इस घटना से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इसके बाद पार्क स्ट्रीट पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। वेटर को गिरफ्तार कर लिया गया है। बीजेपी आईटी हेड अमित मालवीय ने एक्स पर सायक का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि बांग्लादेश की तरह पश्चिम बंगाल में भी हिंदुओं को जबरन गोमांस खिलाया जा रहा है। आज जो हम देख रहे हैं, वह कोई छिटपुट घटना नहीं है, बल्कि चेतावनी है। अगर टीएमसी सत्ता में वापस आती हैं, तो यह अपवाद नहीं रहेगा, बल्कि आम बात हो जाएगी। यह पसंद या खानपान की आदतों का मामला नहीं है, बल्कि हिंदुओं की आस्था और विश्वासों को पूरी तरह से कुचलने का मामला है। ममता प्रशासन गायों की तस्करी और अवैध हत्या पर लगाम लगाने में विफल रहा है।

## अल्मोड़ा में हादसा– दिल्ली के बुजुर्ग दंपति की मौत, खाई में गिरकर दूसरी सड़क पर पलटी कार

अल्मोड़ा (एजेंसी)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना सामने आई है, जहां बाड़ेछीना-सेराघाट मोटर मार्ग पर दिल्ली से घूमने आए एक परिवार की कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस भयावह हादसे में कार सवार बुजुर्ग दंपति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार पहाड़ी से लुढ़कते हुए लगभग 60 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार पूरी तरह पिचक गई और दंपति के शव वाहन के मलबे में ही फंस गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली के महरौली (मंगलपुरी) निवासी 75 वर्षीय प्रणब राय, अपनी 72 वर्षीय पत्नी शुभी राय और 52 वर्षीय बेटे सिद्धार्थ राय के साथ देवभूमि की यात्रा पर थे। शनिवार की सुबह उन्होंने नैनीताल के प्रसिद्ध कैंची धाम में दर्शन किए थे और वहां से लगभग 250 किलोमीटर दूर मुनस्यारी में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए निकले थे। दोपहर करीब तीन बजे, बाड़ेछीना-सेराघाट मार्ग पर कसान बैंड के पास उनकी स्कॉर्पियो कार अचानक बेकाबू हो गई और सुरक्षा बैरियर को तोड़ते हुए खाई में समा गई। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और धौलछीना थाना पुलिस तुरंत रेस्क्यू के लिए मौके पर पहुंचे। कार ऊंचाई से गिरने के बाद सड़क पर उल्टी होकर गिरी थी, जिस कारण उसकी छत बुरी तरह पिचक गई थी। कार चला रहे सिद्धार्थ राय को ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला, जिनकी सांसें चल रही थीं। मौके पर मौजूद शिक्षक राकेश मेहरा ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए बिना समय गंवाए घायल सिद्धार्थ को अपने निजी वाहन से तुरंत धौलछीना अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हल्द्वानी रेफर कर दिया गया। सिद्धार्थ पेशे से आर्किटेक्ट हैं और उनकी पत्नी गंभीर बीमारी के चलते इस यात्रा पर साथ नहीं आई थीं।

# एसआईआर से व्यापक जन-पीड़ा हुई और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास कम हुआ

**–सीएम ममता ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर जताई आपत्ति, लगाए आरोप**

**कोलकाता, (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर एसआईआर पर गंभीर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से व्यापक जन-पीड़ा हुई है और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास कम हो गया है। एक पोस्ट साझा करते हुए ममता बनर्जी ने चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी है कि इस प्रक्रिया से जनता को व्यापक कष्ट हो रहा है। उन्होंने करीब 8,100 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती पर कड़ी आपत्ति जताई है और बताया है कि उनकी भूमिकाएं, शक्तियां और अधिकार मौजूदा चुनाव कानूनों में निहित नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने यह भी बताया है कि कुछ पर्यवेक्षक गैरकानूनी रूप से पोर्टल तक पहुंच बना रहे हैं और उसे नियंत्रित कर रहे हैं, जिससे वैध मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने के तरीके से डेटा में हेरफेर किया जा रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस संस्थागत अतिक्रमण को रोकने, संवैधानिक निकायों में जनता का विश्वास बहाल करने और नागरिकों की गरिमा, अधिकारों और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

एक पत्र में सीएम ममता ने चेतावनी दी कि जिस तरह से एसआईआर का संचालन किया जा रहा है, उससे लोगों को अत्यधिक असुविधा और पीड़ा हुई। उन्होंने दावा किया कि इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप करीब 140 मौतें हुई हैं और इसे लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम और इसके तहत बनाए गए नियमों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए अंजाम दिया गया है। सीएम ममता ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लगभग 8,100 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे भारत के चुनावी इतिहास में अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि इन सूक्ष्म पर्यवेक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण या सिद्ध विशेषज्ञता के बिना चुनाव आयोग द्वारा एकतरफा रूप से नियुक्त किया जा रहा है जिसे उन्होंने विशेषज्ञ, संवेदनशील और अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया बताया।

## पहले नफरत भरा भाषण, धमकियां और अब सीएम ममता पर लगा रहे आरोप

**-बीजेपी नेता मालवीय ने हुमायूं कबीर के आरोपों की कड़ी आलोचना की**

कोलकाता (एजेंसी)। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर के उन आरोपों की कड़ी आलोचना की है, जिनमें उन्होंने कहा था कि ममता बनर्जी ने उन्हें 2024 में नफरत फैलाने वाला भाषण देने के लिए उकसाया था। मालवीय ने नफरत फैलाने वाले भाषण से धमकियों और फिर राजनीतिक प्रोत्साहन के दावे तक के इस बदलाव की निंदा की। उन्होंने कहा कि यही वह हुमायूं कबीर हैं जिन्होंने 2024 में हिंदुओं को भागीरथी नदी में फेंकने की धमकी दी थी। नफरत फैलाने वाला भाषण। धमकियां और अब यह दावा कि इसे राजनीतिक प्रोत्साहन दिया गया था। इससे पहले एक कार्यक्रम में कबीर ने 2024 में हिंदुओं के खिलाफ की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि लोकसभा चुनाव के लिए टीएमसी के प्रचार के दौरान टीएमसी सांसद की जीत तय करने के लिए सीएम ममता बनर्जी के निर्देश पर उन्हें यह भाषण देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हिंदुओं से नफरत नहीं की और न ही वे जानबूझकर ऐसा कुछ करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे खेद है। सीएम ममता बनर्जी के शब्दों को ध्यान में रखते हुए, मैंने अपने हिंदू भाइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई। मैं अपने उस बयान के लिए तहे दिल से माफी मांगता हूं।

## जेलों में बंद सात कैदियो को पाकिस्तान ने किया रिहा, अटारी-वाघा बॉर्डर से भारत पहुंचे

**-रिहा शख्स बोला-पाक जेलों में बंद भारतीयों की हालत है खराब, उन्हें भी कराएं आजाद**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने जेलों में बंद सात कैदियों को रविवार को भारत को सौंप दिया। भारतीय कैदियों की वापसी अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते से हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सीमा पर तैनात अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने सात कैदियों की रिहाई का आदेश दिया था, जिनको पाकिस्तानी रेंजर्स ने 7 कैदियों को भारतीय सीमा सुरक्षा बल के हवाले कर दिया। पाकिस्तान की तरफ से छोड़े गए सात कैदियों को भारत की तरफ आते ही सबसे पहले आव्रजन कार्यालय तक लाया गया। इन सातों में से 6 पंजाब के रहने वाले हैं, जिनमें से 4 फिरोजपुर, एक लुधियाना और एक जालंधर का रहने वाला है। वहीं, बचा एक कैदी उत्तर-प्रदेश का है। सभी साल 2023 में पाकिस्तान चले गए थे। ये तब हुआ, जब तीन साल पहले पंजाब में बाढ़ आई थी और ये साल लोग अपने जानवरों को बचाने की कोशिश कर रहे थे। पाकिस्तान की कैद से छूटकर भारत आने वाले एक शख्स ने बताया कि जब उसके गांव में पानी का तेज बहाव आया तो पुल गिर गया। उस समय पानी का बहाव बहुत तेज था और वह बहकर पाकिस्तान पहुंच गया। पाकिस्तान के अधिकारियों को उन्होंने समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने और जेल भेज दिया। शख्स ने बताया कि उसे तीन महीनों तक पाकिस्तान की जेल में रहना पड़ा, जहां बेरहमी से पीटा गया। पाकिस्तान की जेलों में कैद भारतीयो की हालत बेहद खराब है। कोई अंधा है तो किसी के पैर खराब हैं।

# अच्छा बजट वह है जो गरीब के चेहरे पर मुस्कान और जीवन में खुशहाली लाए

**सपा प्रमुख ने अखिलेश ने आम बजट पर कसा तंज-सरकार से कोई उम्मीद नहीं**

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्रीय बजट 2026 के पेश होने से पहले ही हमला बोला। उन्होंने आम बजट को लेकर कहा कि इससे हमें कोई उम्मीद है। उन्होंने सरकार से ही ना उम्मीद होने की बात कही। दरअसल, 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव से पहले आम बजट को अहम माना जा रहा है। ऐसे में अखिलेश इसकी पहले से ही मुखालफत करते नजर आ रहे हैं। दरअसल आम बजट 2026 रविवार सुबह 11 बजे लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश कर रही हैं। इससे पहले संसद भवन परिसर में आयोजिक केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दी।

आम बजट 2026 पेश होने से पहले अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जिस सरकार से कोई उम्मीद नहीं है, उसके बजट से क्या उम्मीद करें? ये बजट पांच फीसदी लोगों के लिए बनता है। सरकार ने जो वादे अपने घोषणा पत्र में किए थे, क्या उसपर खरी उतरी है? अखिलेश ने कहा पिछले तमाम बजटों में देखने को मिला है कि यह एक बटा 20 लोगों के लिए बनता है यानी 5 फीसदी लोगों के लिए ही बजट बनाया जाता है। उनहोंने आगे कहा कि आज सरकार को यह भी सोचना चाहिए कि उन्होंने जो वादे किए थे, क्या वे पूरे हुए? पीछे मुड़कर वे देखें और सोचें कि क्या उन वादों पर खड़े उतरे हैं? स्मार्ट सिटी बनाने के बहाने पैसा बहाया गया। उन्होंने कहा कि अच्छा बजट वह है जो गरीब के चेहरे पर मुस्कान और जीवन में खुशहाली ले आए। सरकार इसमें विफल रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अखिलेश यादव ने कहा कि जिस इंदौर शहर को सबसे ज्यादा पुरस्कार मिले थे। सफाई और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर चर्चा हो रही थी। वहां लोगों की कैसे जान चली गई? उन्होंने कहा कि जो सरकार गरीबों की प्रति व्यक्ति आय ना बता पा रही हो। ये कह रहे हैं कि हमने इतने गरीब लोगों को पीडीएस सिस्टम और खाना देने से जोड़ दिया है, उस पर क्या टिप्पणी की जाए। अखिलेश ने आरोप लगाया कि इस बजट से रिफॉर्म नहीं, डिफॉर्म होगा।

उन्होंने सवाल किया कि किसानों की आय दोगुनी करने के दावों का क्या हुआ। उन्होंने प्रभु श्रीराम का जिक्र भी इस मौके पर किया। उन्होंने कहा कि टीवी वाले राम जी यानी मेरठ सांसद अरुण गोविल को पीछे की पंक्ति में बैठाए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये कैसे रामभक्त हैं। अगर वह टीवी वाले राम जी को प्रधानमंत्री के बगल में बैठाएं तब माना जाए। दरअसल, अखिलेश अपने बगल में अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद को बैठाते दिखे। इसके जरिए वे एक बड़ी राजनीति करते दिख रहे हैं।

वहीं, सपा सांसद प्रो. रामगोपाल यादव ने भी कहा कि इस बजट से हमें कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तीन-चार व्यापारी जो बता देंगे, वैसा बजट बनकर आ जाएगा। आम जनता के लिए इससे कोई उम्मीद नहीं है। अखिलेश यादव ने बयान से विपक्ष का बजट पर रुख साफ कर दिया है। इस बजट का विपक्ष हर हाल में विरोध करेगा। यह तय माना जा रहा है। वहीं, सत्ताधारी पक्ष की ओर से बजट में गरीब और किसानों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कुछ नई योजनाओं का ऐलान भी हो सकता है। ऐसे में निर्मला सीतारमण के नौवें बजट पर हर किसी की नजर है।

# हजार गौरव गोगोई और राहुल गांधी भी मेरा कुछ नहीं कर पाएंगे: सीएम सरमा

**कांग्रेस को सिर्फ अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की चिंता है, न कि मूल निवासियों की**

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि कांग्रेस को सिर्फ अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की चिंता है, न कि असम के मूल निवासियों के हितों की। उन्होंने गुवाहाटी में कहा कि हजार गौरव गोगोई और राहुल गांधी भी मेरा कुछ नहीं कर पाएंगे। अभी असम के लोगों के लिए स्थिति बहुत नाजुक है, और यह राज्य में उनके अस्तित्व का सवाल है। मिया मुसलमान विवाद पर उन्होंने कहा कि मिया मुसलमान शब्द मैंने नहीं गढ़ा है और यह शब्द खुद वह समुदाय इस्तेमाल करता है जो बांग्लादेश से आकर बस गए हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने खुद इस शब्द को इस्तेमाल किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में सरमा ने लिखा- ये कोर्ट के अपने शब्द हैं। असम पर चुपचाप और धोखे से हो रहा जनसांख्यिकीय हमला निचले असम के भू-रणनीतिक रूप से

महत्वपूर्ण जिलों के नुकसान का कारण बन सकता है। अवैध प्रवासियों की संख्या इन जिलों को मुस्लिम-बहुल क्षेत्र में बदल रही है। इसके बाद यह सिर्फ समय की बात होगी जब बांग्लादेश के साथ उनके विलय की मांग की जा सकती है। निचले असम के नुकसान से उत्तर पूर्व का पूरा भूभाग बाकी भारत से अलग हो जाएगा और उस क्षेत्र के समृद्ध प्राकृतिक संसाधन राष्ट्र के हाथ से निकल जाएंगे। सरमा ने कहा कि ऐसी चिंताओं को स्वीकार करना सांप्रदायिकता या नफरत नहीं है। सीएम सरमा के बयान पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि हिमंत सरमा अपने बयानों को सही ठहराने के लिए सुप्रीम कोर्ट के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि एक कार्यकारी रिपोर्ट की भाषा को सुप्रीम कोर्ट से जोड़ना कोर्ट की अवमानना है। सीएम सरमा ने 27 जनवरी को कहा था कि राज्य में एसआईआर में 4 से 5 लाख मिया मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा था कि सरमा और बीजेपी सीधे तौर पर मिया समुदाय के खिलाफ हैं। उन्होंने लोगों से मिया समुदाय को परेशान करने की अपील की। उनका कहना था कि जब तक उन्हें परेशानी नहीं होगी, वे असम छोड़कर नहीं जाएंगे। मिया बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल होने वाला एक अपमानजनक शब्द है। असम सीएम के मुताबिक वे मूल निवासियों के संसाधनों, नौकरियों और जमीन पर कब्जा कर रहे हैं।

## भारतीय अर्थव्यवस्था में कई ढांचागत समस्याएं हैं जिनका समाधान एक दशक से नहीं हुआ

**–केंद्रीय बजट 2026 पर विपक्ष ने उठाए सवाल, निजी पूंजी निवेश में खास वृद्धि नहीं हुई**

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा रविवार को बजट सत्र में भाग लेने संसद पहुंचीं और कहा कि उन्हें ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं। इसके अलावा, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में कई ढांचागत समस्याएं हैं जिनका समाधान एक दशक से नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था में कई ढांचागत समस्याएं हैं जिनका समाधान एक दशक से नहीं हुआ है। निजी पूंजी निवेश में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। विदेशी निवेश में गिरावट आई है। उम्मीद है कि वित्त मंत्री भारतीय अर्थव्यवस्था में मौजूद ढांचागत असमानताओं को समझेंगे और ईमानदारी से उनका समाधान करेंगी।

आईयूएमएल सांसद ई टी मोहम्मद बशीर ने कहा कि एमजीएनआरईजीए की दुर्दशा तो सभी जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक नाजुक मोड़ है। कई मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है, खासकर भारत की मौजूदा स्थिति में। कई चीजों को गंभीरता से निपटाने की जरुरत है। हमें उम्मीद है कि ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हम सभी एमजीएनआरईजीए की दुर्दशा जानते हैं...उन्होंने इसकी पूरी संरचना बदल दी है। यह मनमोहन सिंह की तत्कालीन सरकार द्वारा उठाया गया सबसे क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने इसे बर्बाद कर दिया है।

बशीर ने कहा कि उम्मीद है कि सरकार कदम उठाएगी, अगर गांवों पर ध्यान नहीं दिया गया तो पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। इसलिए इस लिहाज से भी मुझे उम्मीद है कि सरकार न्याय करेगी। इतना ही नहीं, वित्तीय क्षेत्र में भी कई संकट हैं। उनका भी समाधान होगा। केरल के संबंध में हम न्याय चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि वे केरल के लिए भी एम्स और ऐसे ही राष्ट्रीय संस्थानों का उपयोग करेंगे। पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संसद में बैठक के बाद केंद्रीय बजट 2026-27 को मंजूरी दे दी। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को दही-चीनी भेंट की।

# यूजीसी नियम बने बीजेपी के लिए गले की फांस, यूपी में हो सकता है नुकसान

**–सवर्ण जाति के संगठनों और छात्रों में नाराजगी बरकरार, फिलहाल कोर्ट ने लगा दी है रोक**

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से फिलहाल रोक लगाए जाने के बाद भले ही सरकार को राहत मिली हो, लेकिन इससे बीजेपी की राजनीतिक मुश्किलें खत्म होती नहीं दिख रही हैं। खासकर सवर्ण जातियों के संगठनों और छात्रों में नाराजगी बरकरार है। उनका कहना है कि जब तक यूजीसी के नियम पूरी तरह वापस नहीं लिए जाते, तब तक इसका विरोध करते रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूजीसी का यह विवाद अब बीजेपी के लिए 'गले की फांस' बन गया है। सुप्रीम कोर्ट के स्टे के बावजूद करणी सेना, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, ब्राह्मण महासभा, परशुराम सेना समेत कई सवर्ण संगठन सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान कर चुके हैं। इससे संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी की चुनौती अभी खत्म नहीं हुई है। इस विरोध का सबसे बड़ा केंद्र यूपी है। यूपी में बीजेपी के अंदर भी इस मुद्दे को लेकर असंतोष खुलकर सामने आया है।

कई स्थानीय और जिला स्तर के नेताओं ने पद से इस्तीफा तक दे दिया है। पार्टी के कुछ सवर्ण नेताओं का कहना है कि नए नियमों को लेकर समर्थकों को समझाना मुश्किल हो रहा है। एक विधायक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि परंपरागत सवर्ण वोटरों की अनदेखी से समाज में बेचैनी बढ़ी है और यूजीसी विवाद ने इसे और गहरा कर दिया है। बीजेपी के सामने दुविधा यह है कि यदि वह यूजीसी के नियमों का खुलकर समर्थन करती है तो सवर्णों की नाराजगी झेलनी पड़ेगी, और यदि नियमों को वापस लेती है तो एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के विरोध का खतरा है। ऐसे में पार्टी के लिए सामाजिक संतुलन बनाए रखना चुनौती बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक राजनीतिक दृष्टि से यूपी में यह मुद्दा और भी संवेदनशील है। प्रदेश की आबादी में ब्राह्मण, ठाकुर और वैश्य समेत सवर्ण जातियां करीब 22 फीसदी हैं, जिन्हें बीजेपी का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है। जनरल कैटेगरी के युवाओं का आरोप है कि नए नियम 'रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन' को बढ़ावा देते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह असंतोष बना रहा तो 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को नुकसान हो सकता है।

दूसरी ओर विपक्ष ने इस मुद्दे पर सधे हुए बयान देकर सवर्ण वोटरों को साधने की कोशिश की है। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और अन्य दलों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए सरकार पर बिना पर्याप्त चर्चा के नियम लागू करने का आरोप लगाया है। कुल मिलाकर, यूजीसी नियमों का विवाद अब केवल कानूनी नहीं, बल्कि बीजेपी के लिए सियासी परीक्षा बन चुका है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
**संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** ( *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**